आनंद का सच्चा भाव®
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹88428/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹108000/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹117892/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
anand Jewels
Pandri, Raipur

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, शुक्रवार 31 अक्टूबर 2025

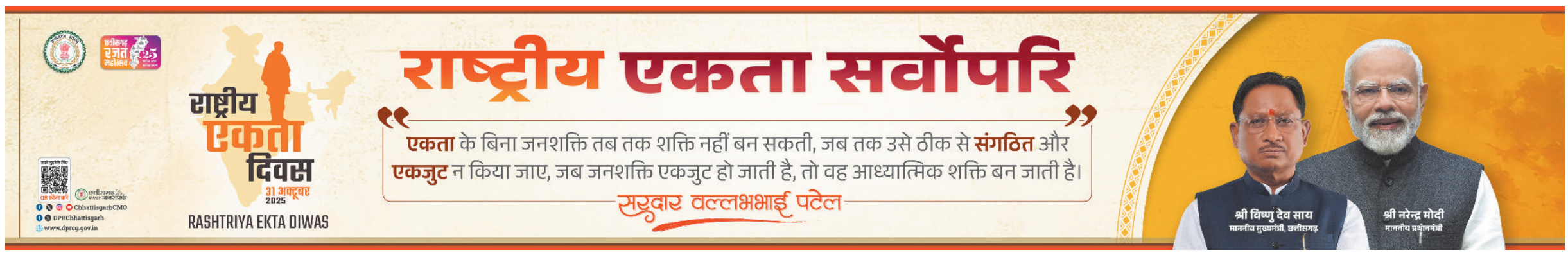

एसपीजी की रहेगी चप्पे-चप्पे पर निगरानी, पीएम के कार्यक्रमों के लिए संभाला मोर्चा

सज गया मेला उत्सव...अभनपुर, नवा रायपुर सहित आसपास के गांवों में हाईअलर्ट, कल आएंगे मोदी, वीआईपी रूट पर आवाजाही आज से बंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्योत्सव समेत पांच बड़े और भव्य कार्यक्रमों में शिरकत करने 1 नवंबर को नवा रायपुर आएंगे। वीवीआईपी की सुरक्षा इंतजामों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मेलास्थल सज चुका है और नवा रायपुर के बड़े इलाके में एसपीजी ने मोर्चा संभाल लिया है। शुक्रवार से वीआईपी रूट पर आम लोगों की आवाजाही बंद हो जाएगी। सुरक्षा को देखते हुए नवा रायपुर, अभनपुर समेत आसपास के गांवों के 15 किमी एरिया को हाईअलर्ट जोन घोषित किया जा चुका है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी कार्यक्रमों में जिस रूट से आएंगे-जाएंगे, एसपीजी के जवानों ने गुरुवार को उन क्षेत्रों का निरीक्षण किया। एसपीजी जवानों के साथ ही पुलिस के अफसर मौजूद रहे। पुलिस अफसरों के अनुसार एसपीजी ▶▶ शेष पेज 6 पर

प्रधानमंत्री के मुख्यमंच से 60 फीट दूर होगी बैठने की व्यवस्था

हरिभूमि खास

इतने पुलिस अफसर पीएम के करीब होंगे

प्रधानमंत्री की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 95 पुलिस अफसरों की स्पेशल टीम बनाई गई है। इसमें से दो दर्जन अफसर प्रधानमंत्री के करीब रहेंगे। नवा रायपुर में ट्रैफिक व्यवस्था की मॉनिटरिंग आईपीएस रैंक के दो पुलिस अफसर करेंगे। यहां 16 स्थानों पर पार्किंग व्यवस्था की गई है, पार्किंग सुचारू रूप से संचालित करने की जिम्मेदारी चार राजपत्रित पुलिस अफसरों की दी गई है।

आज से आवाजाही बंद

प्रधानमंत्री के साथ वीआईपी की जिन रूट से आवाजाही होगी, उस रूट पर शुक्रवार से सामान्य लोगों की आवाजाही बंद रहेगी। एयरपोर्ट जाने वाले शनिवार को पुराने टर्मिनल के गेट नंबर-4 से एयरपोर्ट पहुंच सकते हैं। एयरपोर्ट का मेन गेट जिस दिन प्रधानमंत्री ▶▶ शेष पेज 6 पर

तीन लेयर में रहेगी सुरक्षा

प्रधानमंत्री की सुरक्षा तीन लेयर में रहेगी। पहली तथा दूसरी लेयर में एसपीजी के अफसर-जवान रहेंगे। तीसरी लेयर में राज्य पुलिस के जवान रहेंगे। तीसरी लेयर की सुरक्षा में राजपत्रित पुलिस अफसरों के साथ टीआई स्तर के अधिकारी होंगे। पुलिस अफसरों की ड्यूटी चार्ट को अंतिम रूप देने का काम किया जा रहा है। शुक्रवार को पुलिस के ड्यूटी चार्ट को अंतिम रूप दे दिया जाएगा। ड्यूटी चार्ट फाइनल होने के बाद संबंधित अफसरों की शुक्रवार से तैनाती की जाएगी।

पीएम मोदी 1 नवंबर को समाज के नाम करेंगे समर्पित

शांति का टापू बनेगा 'शांति शिखर'

रायपुर। नवा रायपुर के सेक्टर-20 में नवनिर्मित ब्रह्माकुमारी संस्थान का भव्य शांति शिखर रिट्रीट सेंटर 'एकेडमी फॉर ए पीसफुल वर्ल्ड' को 1 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समाज के नाम समर्पित करेंगे। लगभग दो एकड़ जमीन पर बना भवन देखने में राजस्थानी शैली के महल का अहसास देता है। यह पांच मंजिला भवन हाईटेक सुविधाओं से लैस है। ब्रह्माकुमारीज के देश-विदेश में स्थित रिट्रीट सेंटर में यह अपनेआप में सबसे अनोखा और आकर्षक है।

खबर संक्षेप

12वीं की परीक्षाएं 17 अप्रैल से दो बार होंगे दसवीं के एग्जाम

नई दिल्ली। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) ने साल 2026 की बोर्ड परीक्षाओं को लेकर बड़ा ऐलान किया है। बोर्ड ने बताया है कि क्लास 10 और 12 दोनों की परीक्षाएं 17 फरवरी 2026 से शुरू होंगी। सबसे खास बात यह है कि 2026 से सीबीएसई क्लास 10 के लिए साल में दो बार बोर्ड परीक्षा आयोजित करेगा। यह बदलाव राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) की सिफारिशों के तहत किया जा रहा है। सीबीएसई ने 10वीं और 12वीं दोनों कक्षाओं की परीक्षा तिथियां जारी कर दी हैं। बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी 2026 से शुरू होंगी। कक्षा 10वीं की परीक्षा 10 मार्च 2026 को समाप्त होगी, जबकि 12वीं की परीक्षा 9 अप्रैल 2026 तक चलेगी। दोनों कक्षाओं की परीक्षाएं सुबह 10:30 बजे से शुरू होकर दोपहर 1:30 बजे तक आयोजित की जाएंगी। सीबीएसई ने कक्षा 9वीं और 11वीं के पंजीकरण डेटा के आधार पर 24 सितंबर 2025 को पहली बार 2026 की परीक्षाओं के लिए एक प्रारंभिक अस्थायी डेटशीट भी जारी की थी। इसका उद्देश्य यह था कि सभी संबंधित पक्ष -जैसे स्कूल, शिक्षक और छात्र अपनी तैयारियां पहले से ही उसी के अनुसार तय कर सकें।

मुंबई में सनसनी...100 बच्चे आए थे स्टूडियो, 80 को भेज दिया था वापस

ऑडिशन देने आए थे मासूम, 17 बच्चों को बनाया बंधक, एनकाउंटर में मारा गया आरोपी

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के पवई में एक चौंकाने वाली घटना घटी है। 15 साल से कम उम्र के 17 बच्चों को बंधक बनाने का मामला सामने आया है। बच्चों को ऑडिशन के लिए एक स्टूडियो में बुलाया गया था। आरोपी रोहित आर्य की पुलिस की गोली लगने से अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने बाथरूम के रास्ते अंदर घुसकर सभी बंधक बच्चों को सुरक्षित निकाल लिया था।

टाइम लाइन

- दोपहर-1.45 : पुलिस को 17 बच्चों के बंधक होने की सूचना मिली
- 2.00 : पुलिस घटनास्थल पहुंची, आरोपी से बातचीत की कोशिश की
- 2.30 : बॉथरूम के रास्ते ऑडिशन रूम में दाखिल
- 2.35 : आरोपी ने फायर किया, उसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की
- 2.45 : बच्चे को सकुशल बाहर निकाला, घायल आरोपी को अस्पताल भेजा गया
- 5.30 : आरोपी की इलाज के दौरान अस्पताल में मौत

सभी बच्चों का सकुशल किया गया रेस्क्यू

एजेंसी ▶▶ मुंबई

मुंबई के पवई इलाके में बृहस्पतिवार को एक स्टूडियो के अंदर बंधक बनाए गए 17 बच्चों और दो व्यक्तियों को मुक्त करा लिया गया और इस अभियान के दौरान पुलिस गोलीबारी में घायल हुए आरोपी ने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया। बच्चों को बंधक बनाने के आरोपी की पहचान 50 वर्षीय रोहित आर्य के रूप में हुई। एक अधिकारी ने बताया कि आर्य पर पुलिस ने उस समय गोली चलाई जब वह 'एयर गन' से बच्चों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने बताया कि बाद में अस्पताल में आर्य की मौत हो गई।

घटना के बारे में जब अमरावती में पत्रकारों ने पूछा तो महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ▶▶ शेष पेज 6 पर

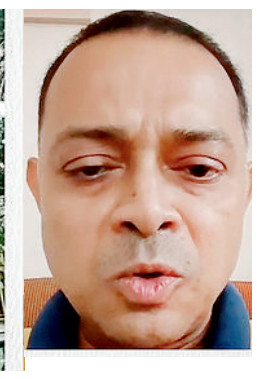

बंधक बनाने वाले ने कहा था उकसाया तो आग लगा दूंगा

आरोपी रोहित आर्य स्टूडियो में ही काम करता था। उसने एक वीडियो भी जारी किया था। इसमें उसने धमकी दी थी, मैं रोहित आर्य। मैंने आत्महत्या करने की जगह एक प्लान बनाया और कुछ बच्चों को यहां बंधक बनाया। मेरी कुछ ज्यादा मांगें नहीं हैं। मेरी कुछ नैतिक मांगें हैं। आपकी तरफ से एक छोटा सा कदम मुझे उकसा देगा और मैं पूरी जगह को आग लगाकर मर जाऊंगा। इससे बच्चों को बेवजह नुकसान होगा, वे निश्चित तौर पर डर जाएंगे। इसका जिम्मेदार मुझे न माना जाए।

कैसे पकड़ा गया आरोपी

इस बीच, स्टूडियो से बाहर आ रहे कुछ लोग घायल दिखाई दिए। राज्य भर के अलग-अलग जगहों से छात्र ऑडिशन के लिए यहां आए थे। पुलिस ने धैर्यपूर्वक आरोपी से बातचीत की। जब वह यह बातचीत कर रहा था, तभी उसे बड़ी ही चतुराई से हिरासत में ले लिया गया और बंधक बनाए गए बच्चों को सुरक्षित रिहा करा लिया गया।

आरोपी ने ऐसा क्यों किया

दरअसल आरोपी ने कई सरकारी परियोजनाओं में पैसा लगाया था। उसने काफी पैसा लगाया था। इसमें उसे घाटा हुआ था। इसके लिए वह सरकार और संबंधित विभाग को जिम्मेदार ठहरा रहा था। इसके लिए उसने सरकार से संवाद करने या अपना बचाव करने के लिए यह खतरनाक कदम उठाया।

आरोपी रोहित आर्य

रोहित आर्य पुणे का रहने वाला है। जब शिवसेना नेता दीपक केसरकर शिक्षा मंत्री थे, तब उसे एक स्कूल प्रोजेक्ट का टेंडर मिला था, लेकिन रोहित आर्य का आरोप है कि उसे उस प्रोजेक्ट के पैसे नहीं मिले। शुरुआती जानकारी अब सामने आ रही है कि जब दीपक केसरकर मंत्री थे, तब उन्होंने अक्सर उनके आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया था।

भारत की बेटियों ने सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को चटाई धूल

जेमिमा-हरमनप्रीत के धमाके से महिला वनडे विश्वकप के फाइनल में भारत

नवी मुंबई। भारत ने महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। टीम ने गुरुवार को 7 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराया। भारतीय टीम ने डीवी पाटिल स्टेडियम में 339 रन का टारगेट 48.3 ओवर में 5 विकेट पर चेज कर लिया। इसी के साथ भारत ने तीसरी बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। 2 नवंबर को उसका सामना साउथ अफ्रीका से होगा। जेमिमा रॉड्रिग्ज 127 और अमनजोत कौर 15 रन बनाकर नाबाद लौटीं। भारतीय टीम ने 59 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। यहां से जेमिमा रॉड्रिग्ज ने मोर्चा संभाला और टीम को जीत दिलाई। वे 134 बॉल पर 127 रन बनाकर नाबाद लौटीं। जेमिमा ने 14 चौके लगाए।

जेमिमा ने कप्तान हरमनप्रीत कौर (89 रन) के साथ 167, दीप्ति शर्मा (24 रन) के साथ 38, ऋचा घोष (26 रन) के साथ 46 और अमनजोत कौर (नाबाद 15 रन) के साथ नाबाद 31 रन की अहम साझेदारियां कीं। किम गार्थ को 2 विकेट मिले। जेमिमा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

जलसंचय जनभागीदारी के लिए बालोद जिले को 2 करोड़ का पुरस्कार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले ने नेशनल वाटर मिशन के अंतर्गत जल संचय जन भागीदारी अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस सफलता के लिए बालोद जिले को 2 करोड़ रुपयों का पुरस्कार मिला है। खास बात ये है कि जिले को यह उपलब्धि दिलाने में जिला कलेक्टर दिव्या मिश्रा का बड़ा योगदान रहा है। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने इस उपलब्धि के लिए बालोद जिला प्रशासन के कामकाज की सराहना की है। इसके साथ ही इस सफलता के लिए नेशनल वाटर कमीशन की मिशन डायरेक्टर अर्चना वर्मा ने पत्र जारी कर बधाई दी है। मिशन डायरेक्टर की ओर से दिव्या मिश्रा के नाम से जारी पत्र में कहा गया है कि हम बालोद ज़िले को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और श्रेणी 1 में जल संचय जन भागीदारी (जेएसजेबी) 1.0 पुरस्कार जीतने के लिए हार्दिक बधाई देते हैं, जिसमें जेएसजेबी के अंतर्गत जल संरक्षण कार्यों के लिए 2 करोड़ रुपये की नकद प्रोत्साहन राशि भी शामिल है। जल-सुरक्षित भविष्य के लिए आपके नेतृत्व और दृष्टिकोण तथा परिवर्तन लाने की आपकी क्षमता ने न केवल जल संरक्षण में, बल्कि व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

जशपुर के आदिवासी युवाओं ने खोला नया मार्ग, 12 घंटे में पूरी की चढ़ाई

हिमाचल की 5340 मीटर ऊंची जगतसुख पीक पर 'विष्णु देव रूट'

रायपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के आदिवासी युवाओं के एक दल ने भारतीय पर्वतारोहण के इतिहास में नया अध्याय जोड़ दिया है। इस दल ने हिमाचल प्रदेश की दूंगन घाटी (मनाली) में स्थित 5,340 मीटर ऊंची जगतसुख पीक पर एक नया आल्पाइन रूट खोला, जिसे छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल के सम्मान में "विष्णु देव रूट" नाम दिया गया है। ▶▶ शेष पेज 6 पर

खास खबर

नए पर्वतारोहियों के लिए अत्यंत कठिन : स्वप्निल

अभियान प्रमुख स्वप्निल राचेलवार ने बताया कि जगतसुख पीक का यह मार्ग नए पर्वतारोहियों के लिए अत्यंत कठिन और तकनीकी था। मौसम चुनौतीपूर्ण था, दृश्यता सीमित थी और ग्लेशियरों में छिपी दरारें बार-बार बाधा बन रही थीं। इसके बावजूद टीम ने बिना फिक्स ▶▶ शेष पेज 6 पर

सात नई क्लाइम्बिंग रूट्स भी खोले

"विष्णु देव रूट" के अलावा दल ने दूहंगन घाटी में सात नई क्लाइम्बिंग रूट्स भी खोले। इनमें सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि रही एक अनक्लाइम्ब्ड (पहले कभी न चढ़ी गई) 5,350 मीटर ऊंची चोटी की सफल चढ़ाई, जिसे टीम ने 'छुपा रुस्तम पीक' नाम दिया। इस पर चढ़ाई के मार्ग को 'कुर्कुमा' नाम दिया गया। जो हल्दी का वैज्ञानिक नाम है और भारतीय परंपरा में सहनशक्ति और उपचार का प्रतीक माना जाता है।

समाज की मुख्यधारा में लौटे एक महिला सहित तीन माओवादी

आत्मसमर्पित नक्सलियों को 50–50 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी गई

हरिभूमि न्यूज/कोण्डागांव जिले में खोखली माओवादी विचारधारा को त्यागकर समाज की मुख्यधारा में शामिल होने के उद्देश्य से तीन माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। इनमें एक महिला माओवादी भी शामिल है। आत्मसमर्पित महिला नक्सली पूर्वी बस्तर डिवीजन की सप्लाई टीम सदस्य थी, जबकि दो पुरुष माओवादी मातला एवं किसकोड़ो क्षेत्र में डीएकेएमएस सदस्य के रूप में सक्रिय थे।

आंतरिक मतभेद और विकास कार्यों से प्रभावित होकर किया आत्मसमर्पण

पुलिस के अनुसार, लगातार चल रहे नक्सल विरोधी अभियानों, संगठन के भीतर बढ़ते आंतरिक मतभेद, शीर्ष लीडरों के आत्मसमर्पण तथा सुरक्षित पारिवारिक जीवन जीने की इच्छा के चलते इन माओवादियों ने आत्मसमर्पण का निर्णय लिया। साथ ही छत्तीसगढ़ शासन की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति–2025 और नियद नेल्ला नार योजना' के व्यापक प्रचार, ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, बिजली, मोबाइल नेटवर्क और अन्य योजनाओं के लाभ से लोगों में प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ा है जिससे यह आत्मसमर्पण संभव हुआ।

सकारात्मक पुलिसिंग और विकास का परिणाम

आईजी बस्तर रेंज सुन्दरराज पी. एवं डीआईजी बस्तर अमित तुकाराम काम्बले के निर्देशन में कोंडागांव पुलिस द्वारा लगातार नक्सल विरोधी अभियान और सिविक एक्शन कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी, ग्राम स्तर पर संवाद और पुनर्वास नीति की जागरूकता से नक्सल प्रभावित इलाकों में लोगों का प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ा है। इसी के चलते अब माओवादी स्वेच्छा से आत्मसमर्पण कर शांति और विकास की राह पर लौट रहे हैं।

इन्होंने किया समर्पण

समर्पण करने वालों में सिरबत्ती उर्फ बत्ती कोर्राम पूर्वी बस्तर डिवीजन सप्लाई टीम सदस्य 1 लाख इनामी नक्सली, कई मामलों में संलिप्त। जगत राम यादव डीएकेएमएस सदस्य मातला क्षेत्र, पुलिस मुखबिरी के शक में हत्या के प्रकरण में शामिल। लच्छन डीएकेएमएस सदस्य किसकोड़ो क्षेत्र, मतदान सामग्री लूट और पुलिस पर हमले के कई मामलों में नामजद।

पुलिस अधीक्षक के समक्ष किया आत्मसमर्पण

आत्मसमर्पण कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा की उपस्थिति में आयोजित हुआ। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ऑप्स रूपेश डांडे, डीएसपी ऑप्स सतीश भार्गव, सीआरपीएफ 188वीं और 12वीं बटालियन के अधिकारी उपस्थित रहे। तीनों माओवादियों को शासन की नीति के तहत 50–50 हजार की प्रोत्साहन राशि तत्काल प्रदान की गई।

प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल मेकाहारा की हालत खराब, हाईकोर्ट ने कहा- सरकार को ध्यान देना चाहिए

मेकाहारा के गायनिक वार्ड में एक ही बेड पर दो प्रसूताओं को रखे जाने के मामले में हाईकोर्ट ने स्वत संज्ञान लिया

बिलासपुर। प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल मेकाहारा के गायनिक वार्ड में एक ही बेड पर दो प्रसूताओं को रखे जाने के मामले में हाईकोर्ट ने स्वत संज्ञान लिया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की बेंच ने कहा है कि स्थिति बेहद खराब है और सरकार को इस तरफ ध्यान देना चाहिए। हाईकोर्ट ने मामले में राज्य सरकार से जवाब मांगते हुए 6 नवंबर तक एडिशनल चीफ सेक्रेटरी को शपथ पत्र पेश करने कहा है। ध्यान रहे कि अंबेडकर अस्पताल में फैली अव्यवस्थाओं को लेकर हाई कोर्ट ने कुछ मामलों में स्वतः संज्ञान लेकर अस्पताल और स्वास्थ्य विभाग से पहले भी जवाब-तलब किया है। मई में 2 मामलों में स्वतः संज्ञान लेकर स्वास्थ्य सचिव को हाई कोर्ट ने तलब किया था।

ज्ञात हो कि मीडिया में इस तरह की खबरें आईं थीं कि 150 बिस्तर वाले इस वार्ड में बेड फुल हो गया। इसके चलते वार्ड नंबर 5 और 6 में एक-एक बेड पर दो-दो प्रसूताओं को रखा गया है। बच्चों को साथ लिए प्रसूताओं ने बेड के एक-एक हिस्से को सिरहाना बनाया है। इसे लेकर मरीजों के परिजनों ने खासी नाराजगी जताई, लेकिन बेड नहीं होने के कारण उन्हें आखिरकार शांत होना पड़ा। दरअसल, अस्पताल में औसतन हर घंटे एक डिलिवरी होती है। यानी एक दिन में सीजेरियन-नॉर्मल मिलाकर करीब 24 डिलिवरी होती है। अस्पताल के गायनी वार्ड में कुल 150 बेड हैं। किसी प्रसूता को एक दिन तो किसी को एक हफ्ते तक अस्पताल में भर्ती रखना पड़ता है। अब हालत यहां तक पहुंच गई है कि करीब 10 बेड पर दो-दो प्रसूताओं को शिशुओं के साथ सुलाया गया है। प्रसूता वार्ड में मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते ही अलग से 700 बिस्तर का मातृ-शिशु अस्पताल का निर्माण किया जाना है। इसके लेकर सारी प्रक्रियाएं पूरी हो चुकी हैं।

पहले भी हाईकोर्ट ने लगाई है फटकार

इससे पहले भी स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही पर हाईकोर्ट ने सरकार को फटकार लगाई है। इसमें पहला मामला अस्पताल परिसर और पार्किंग में मरीज के परिजनों के दिन-रात बिताने का था। दूसरे मामले में अस्पताल में सर्जरी में हो रही देरी को लेकर था। इसमें हाईकोर्ट ने स्वास्थ्य सचिव से शपथ-पत्र के साथ जवाब मांगा था। इसके बाद 28 मई को स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया अंबेडकर अस्पताल पहुंचे थे। इसके साथ ही अंबेडकर अस्पताल में एचआईवी पॉजिटिव मां के नाम का पोस्टर शिशु के पास चिपकाने को लेकर भी हाईकोर्ट ने नाराजगी जताई थी। कोर्ट ने अंबेडकर अस्पताल को मरीज को मुआवजा देने का आदेश दिया था। अस्पताल प्रबंधन ने मरीज को 2 लाख रुपए मुआवजा दिया था। मानवाधिकार आयोग ने अस्पताल में फ्रीजर खराब, शव को दफनाने 2 गज जमीन नहीं, इस खबर पर स्वतः संज्ञान लेकर सरकार के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर जवाब मांगा था।

भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती पर भाजपा की कार्यशाला

सीएम साय बोले- जनजातीय समाज में देश के लिए संघर्ष करने की परंपरा

कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में जनजाति गौरव दिवस एवं भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती पर कार्यशाला में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, जनजातीय गौरव दिवस की शुरुआत 2021 में हुई, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र की भाजपानीत सरकार ने इसे आधिकारिक तौर पर घोषित किया। प्रधानमंत्री ने 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुण्डा की स्मृति में जनजातीय गौरव दिवस मनाने का निर्णय लिया है। इस वर्ष भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में भी इसे भव्य रूप से मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, जनजातीय समाज का गौरवशाली इतिहास रहा है। यह सोचकर गर्व होता है कि अनेक महान स्वतंत्रता सेनानियों का जन्म जनजातीय समाज में हुआ। अपने देश के लिए संघर्ष करने की परम्परा जनजातीय समाज में प्रारंभ से रही है। शहीद वीर नारायण सिंह, गैंदसिंह, गुण्डाधूर जैसे अनेक महान नायकों ने अपना बलिदान दिया।

खास खबर

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने कहा, भगवान बिरसा मुण्डा का शौर्य हमें जीवन में साहस की राह दिखाता है। उन्होंने शोषण मुक्त समाज का सपना देखा था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हीं की परिकल्पना के अनुरूप प्रधानमंत्री जनमन योजना प्रारंभ कर विशेष पिछड़ी जनजाति लोगों के जीवन में समृद्धि लाने का प्रयास किया है। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव ने कहा, 15 नवंबर को जनजाति गौरव दिवस पूरे देश में मनाया जाएगा। भगवान बिरसा मुण्डा देश के इतिहास में ऐसे नायक रहे, जिन्होंने आदिवासी समाज की दिशा और दशा बदलकर रख दी। प्रदेश के मंत्री रामविचार नेताम ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान और बलिदान को सम्मानित किया है। उन्होंने कहा, भाजपा ने प्रदेश में आदिवासी मुख्यमंत्री बनाकर प्रदेश के जनजाति समाज को लोगों को गौरान्वित किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश विकास के नए आयाम गढ़ रहे हैं। कार्यशाला में प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, सांसद महेश कश्यप, प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, अखिलेश सोनी, डॉ. नवीन मार्कण्डेय, विधायक प्रबोध मिंज, पूर्व विधायक सुनीति राठिया एवं सुमित्रा मारकोले सहित मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

लैब टेक्नीशियनों को मिलेगा 2800 का ग्रेड पे

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण आदेश में राज्य सरकार को यह निर्देश दिया है कि सभी लैब टेक्नीशियनों को 2800 का ग्रेड पे प्रदान किया जाए। न्यायालय ने यह माना कि समान योग्यता, समान कार्य और समान दायित्व वाले कर्मचारियों को अलग-अलग वेतनमान देना प्राकृतिक न्याय और समानता के सिद्धांतों का उल्लंघन है। न्यायालय ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि याचिकाकर्ताओं का ग्रेड पे उनकी नियुक्ति की तिथि से 2800 निर्धारित किया जाए तथा दो माह के भीतर सभी बकाया राशि 6% वार्षिक ब्याज सहित अदा की जाए। इसके अतिरिक्त, भविष्य में वेतन निर्धारण भी इसी अनुसार करने का आदेश दिया गया।

याचिकाकर्ताओं की ओर से यह कहा गया कि 2 मई 2014 को जारी भर्ती विज्ञापन में लैब टेक्नीशियन के 26 पदों के लिए वेतनमान 5200–20200 के साथ 2800 ग्रेड पे स्पष्ट रूप से दर्शाया गया था। इसके बावजूद, चयन के बाद जारी नियुक्ति आदेशों में ग्रेड पे घटाकर 2400 कर दिया गया। याचिकाकर्ताओं ने इस परिवर्तन को मनमाना, अवैध और संवैधानिक समानता के अधिकार (अनुच्छेद 14) का उल्लंघन बताया। मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस दीपक कुमार तिवारी की एकलपीठ के समक्ष यह तथ्य प्रस्तुत किया गया कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा 30 मार्च 2013 और 7 मई 2013 को जारी आदेशों के माध्यम से कुछ पदों को 2800 और कुछ को 2400 ग्रेड पे के साथ स्वीकृत किया गया था। यही कारण था कि एक ही विज्ञापन और समान कार्य वाले कर्मचारियों के बीच वेतन असमानता उत्पन्न हुई।

यह याचिका अधिवक्ता मतीन सिद्दीकी द्वारा दाखिल की गई थी और अधिवक्ता दानिश सिद्दीकी ने इस मामले में याचिकाकर्ताओं की ओर से बहस की। उन्होंने तर्क दिया कि जब कार्य, योग्यता और उत्तरदायित्व एक समान हैं, तो वेतन में भेदभाव न केवल अनुचित है, बल्कि समान कार्य के लिए समान वेतन के संवैधानिक सिद्धांत के विपरीत भी है। राज्य की ओर से पेश अधिवक्ता ने भी स्वीकार किया कि प्रदेश के अन्य चिकित्सा महाविद्यालयों में लैब टेक्नीशियनों को पहले से ही 2800 का ग्रेड पे दिया जा रहा है, जैसा कि छत्तीसगढ़ चिकित्सा शिक्षा विभाग अलीपिक वर्गीय तृतीय श्रेणी सेवा भर्ती नियम, 2015 (राजपत्र में 25 सितंबर 2015 को प्रकाशित) के अनुसूची-1, क्रमांक 28 में स्पष्ट रूप से उल्लेखित है। न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि यह समझ से परे है कि एक ही पद के लिए दो अलग-अलग वेतन संरचनाएं कैसे बनाई जा सकती हैं। अदालत ने पाया कि चूकि 2015 के नियमों में लैब टेक्नीशियन के लिए ग्रेड पे 2800 निर्धारित है, इसलिए 2400 ग्रेड पे देना नियमविरुद्ध और अनुचित है।

प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में रीएजेंट की कमी, मांगा गया शपथ पत्र

इससे पूर्व टेंडर होने की बात कही गई थी, उसकी जानकारी मांगी गई

बिलासपुर। प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में रीएजेंट की कमी के मामले में हाईकोर्ट ने सीजीएमएसी को नया शपथ पत्र देने कहा है। इसमें बताना होगा कि रिएजेंट की कमी किस तरह से दूर की जा रही है। इसके साथ ही पिछली बार जो सीजीएमएसी ने इसके लिए टेंडर करने की बात कही थी उसमें क्या हुआ, इसकी जानकारी भी देनी होगी।

इधर शासन की ओर से कहा गया कि बाजार से रीएजेंट की खरीदी की जा रही है। सरकारी अस्पतालों विशेष रूप से जिला अस्पताल बिलासपुर में रीएजेंट की कमी पर सुनवाई चल रही है। मामले में आज चीफ जस्टिस की डीबी में हुई सुनवाई में सीजीएमएससी की ओर से बताया गया कि अब सीधे खुले बाजार से ही खरीदी हो रही है। ज्ञात हो कि रिएजेंट की कमी के कारण कई सरकारी अस्पतालों की लैब में खून की जांचें बंद होने से गरीब मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें मजबूरन निजी पैथालॉजी सेंटरों में जाकर जांच करवानी पड़ रही है, जो उनके लिए आर्थिक रूप से कठिन है। इस कमी के कारण बिलासपुर, बलौदाबाजार, कोरबा, दंतेवाड़ा, कवर्धा, गरियाबंद, मुंगेली, नारायणपुर, राजनांदगांव, सुकमा, बलरामपुर, और गौरेला पेंड्रा मरवाही सहित कई जिलों में रिएजेंट किट की कमी के कारण खून की जांचें बंद पड़ी हैं। मामले में हाईकोर्ट ने स्वतः लिया संज्ञान लिया है। अव्यवस्थाओं पर हाईकोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए कड़ी टिप्पणी की थी कि स्वास्थ्य विभाग में खरीदी गई लाखों की मशीनें सिर्फ रखने के लिए नहीं होनी चाहिए। इनसे जांच हो और नियमित समय पर रिपोर्ट मिले, इसकी व्यवस्था सरकार और स्वास्थ्य विभाग को करनी होगी। कोर्ट कमिश्नरों से भी जानकारी मांगी गई थी जिस पर उन्होंने कहा था कि, बायोकेमेस्ट्री मशीन और हार्मोनल एनालाइजर मशीन के लिए रीएजेंट की कमी है।

नवोदय के विद्यार्थी ने हॉस्टल में लगाई फांसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ गीदम

दंतेवाड़ा जिले के बारसूर नवोदय विद्यालय में छठवीं में पढ़ने वाले छात्र ने फांसी लगा ली। गुरुवार सुबह हॉस्टल बाथरूम के पीछे गमछे के फंदे से लटकता हुआ शव मिला। बताया जा रहा है कि वह एक दिन पहले ही छुट्टी से स्कूल लौटा था, तब से काफी उदास था। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। घटना बारसूर थाना क्षेत्र की है। मिली जानकारी अनुसार सुनील पोडियामी उम्र 11 वर्ष कटेकल्याण के गाटम का रहने वाला था। पिता खेती-किसानी का काम करते हैं। इसी साल छात्र का बारसूर नवोदय विद्यालय में एडमिशन हुआ था। वह दीपावली की छुट्टी पर घर गया हुआ था। एक दिन पहले 29 अक्टूबर को वह छुट्टी से घर लौटा था। परिजन उसे स्कूल में छोड़कर गए थे। साथी बच्चों की मानें तो वह काफी रो रहा था। वह स्कूल में रहना नहीं चाह रहा था, वह बहुत उदास था। वहीं आज सुबह उसने हॉस्टल बाथरूम के पीछे गमछे का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। स्कूल के अन्य बच्चों ने शव देखा और इसकी जानकारी स्कूल स्टाफ को दी गई। स्टाफ ने जानकारी पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। इस मामले में एसडीओपी गोविंद सिंह दीवान ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

क्र. विद्युत/2025 दिनांक 22.10.2025

कार्यालय नगर पालिक निगम, कोरबा द्वारा छत्तीसगढ़ अनुज्ञापन मंडल (विद्युत) में पंजीकृत/ए क्लास लाईसेंसी ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु फार्म-बी में (Online) आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
1	नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्रातर्गत राजीव गांधी ऑडिटोरियम में लाईट, पंखा एवं डी.जी. सेट का प्रदाय एवं स्थापना कार्य (जि.ख.न्या. मद) (प्रथम निविदा)	51.60	12.11.2025 (T.No. 177927)

उपरोक्त कार्यों की निविदा की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निगम के वेब साईट www.k1rbamunicipal.in पर भी देखी जा सकती है।

।। स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें।।

अधीक्षण अभियंता
नगर पालिक निगम कोरबा (छत्तीसगढ़)

बाक्सिंग रिंग में शराबपार्टी: 12 को चार्जशीट की अनुशंसा

बिलासपुर। रेलवे के बाक्सिंग रिंग में शराब और नानवेज पार्टी मामले की जांच पूरी हो गई है। जांच रिपोर्ट में स्पोर्ट्स सेल सचिव समेत 12 कोच व खेल प्रभारियों के शामिल होने की पुष्टि हुई है। मामले में दो रेलकर्मियों के खिलाफ मेजर पेनाल्टी चार्जशीट और 10 के खिलाफ माइनर चार्जशीट (आरोप पत्र) जारी करने की अनुशंसा की गई है। रेलवे स्टेशन के पास स्थित दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की बाक्सिंग रिंग में हुई शराब और नानवेज पार्टी होने का वीडियो वायरल होने के बाद रेलवे प्रशासन हरकत में आया। जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की गई। इस समिति में डिप्टी सीपीओ, डीआइजी और डीजीएम स्तर के अधिकारी शामिल किए गए थे। जांच के दौरान खेल प्रभारी और कोच को जोन कार्यालय में तलब कर उनके बयान दर्ज किए गए। इसके साथ ही घटना स्थल का भी निरीक्षण किया गया। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि बाक्सिंग रिंग में वास्तव में शराब और नानवेज पार्टी आयोजित की गई थी, जिसमें 12 रेलवे कर्मियों की मौजूदगी रही। समिति ने इसे गंभीर अनुशासनहीनता और संगठनात्मक मर्यादा का उल्लंघन माना है। जांच रिपोर्ट में 12 कर्मचारियों के खिलाफ चार्जशीट जारी करने की अनुशंसा की गई है, जिनमें दो पर मेजर पेनाल्टी और दस पर माइनर पेनल्टी की कार्रवाई प्रस्तावित है। श्रीकांत पाढ़ी, वाय नागू राव पर मेजर पेनल्टी चार्जशीट की अनुशंसा की गई है। इसी तरह सुभाष कुमार, बी अनिल कुमार, सुमित कुमार, पी तुलसी राव, विकास ठाकुर, पुरेंद्र साहू, ओपी यादव, पी ईश्वर राव, देवेंद्र यादव, पीके तिवारी पर माइनर चार्जशीट की अनुशंसा की गई है।

न्यायालय तहसीलदार सीपत, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

क्रमांक...../ स्टेनो / तह/2025-26 सीपत, दिनांक 17.10.2025

ईश्तहार का अखबार प्रकाशन

एतद् द्वारा सर्वसाधारण जनता ग्राम झलमला एवं मचखण्डा को सूचित किया जाता है कि आवेदक छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी रायपुर से वक्फ संपत्तियों को राजस्व अभिलेख में नामांतरण किये जाने बाबत आवेदन प्राप्त हुआ है, भूमि विवरण निम्नानुसार है-

क्र.	प्रकरण कमांक	ग्राम	वर्तमान भूमिस्वामी का नाम	खसरा नंबर	रकबा
1.	202510073300031	झलमला	शेख अब्दुल गफ्फार पिता शेख अहमद उल्ला	402/1	0.1940 हे.
2.	202510073300037	झलमला	मस्जिद सर्वराकार जमात	283/3	0.1380 हे.
3.	202510073300038	झलमला	मस्जिद मुस्लिम जमात सर्वराकार मुस्तावली पति/पिता / विभाग-फैज मोहम्मद पिता प्यार मोहम्मद	541/1, 600/2	0.4130 हे. 0.1130 हे.
4.	202510073300035	मचखण्डा	मस्जिद सर्वराकार सखावत अली वल्द बयात अली	135	0.3360 हे.
5.	202510073300036	मचखण्डा	शासकीय भूमि	571	0.0200 हे.

अत: उपरोक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति या अभिभाषक को किसी प्रकार की आपत्ति दावा पेश करना हो तो दिनांक 03.11.2025 तक या इसके पूर्व अपना आपत्ति दावा पेश कर सकते हैं, नियत तिथी के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 17.10.2025 को मेरे न्यायालय की पदमुद्रा से ईश्तहार का अखबार प्रकाशन जारी किया गया।

तहसीलदार
सीपत

स-45731

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)

मुख्य कार्यालय -साकेत भवन, आई.टी.आई. चौक, कोरबा (छ.ग.)

फोन नं. 07759-221288 फैक्स नं. 07759-221929 पो.बाक्स नं.-12 पिन कोड-495677

Website: www.korbamunicipal.in Email: corporationkorba@gmail.com

फा.क्र./प्र.मं.आ.यो/2025/8200 कोरबा, दिनांक 30/10/2025

// सूचना //

"मोर मकान-मोर आस" योजना अंतर्गत कार्पोरेशन में निर्मित/निर्माणाधीन 481 आवासीय फ्लैट्स आबंटन के लिए उपलब्ध है। आबंटन के लिए पंजीयन आवेदन पत्र कार्यालयीन दिवसो में दिनांक 31.10.2025 शाम 05 बजे तक नगर पालिक निगम, कोरबा कार्यालय के कक्ष क्रमांक 322 में आवेदन पत्र एवं नियम शर्ते प्राप्त किया जा सकता है।

उपलब्ध आवासीय फलैट्स की जानकारी निम्नानुसार है :-

स्थल का नाम	तल का विवरण	फ्लैट्स की संख्या	कारपेट एरिया (वर्ग फीट में)	अनुमानित मूल्य (लाख में)
कार्पोरेशन 481 आवास	भूतल	17	327.64	3.25
	प्रथम तल	23	327.64	3.25
	द्वितीय तल	23	327.64	3.25
	तृतीय तल	23	327.64	3.25
कुल योग		86		3.25

संपूर्ण रूप से भरे गये पंजीयन पत्र दिनांक 31.12.2025 शाम 05 बजे तक नगर पालिक निगम, कोरबा कार्यालय में जमा किया जा सकता है।

पंजीयन के उपरांत पात्र/अपात्र आवेदकों की सूची कार्यालय के सूचना पटल पर प्रदर्शित कर लॉटरी के माध्यम से आवासों का आबंटन किया जावेगा।

नोडल अधिकारी
(प्र.मं.आ.यो.)
नगर पालिक निगम, कोरबा (छ.ग.)

बिलासपुर

शुक्रवार, 31 अक्टूबर 2025

कार्तिक शुक्ल पक्ष दशमी
वर्ष : 25, अंक : 217
पृष्ठ : 10+6 = 16 मूल्य : 4.00***

मौसम
अधि. 29.4
न्यून. 25.0

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

जाति सूचक और अपमानजनक नाम वाले नगर, वार्ड, मोहल्ले और सड़कों के बदले जाएंगे नाम

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने सरकार से मांगी जानकारी

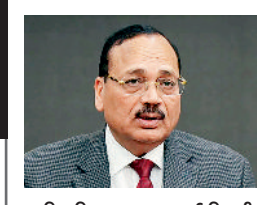

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि खास

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग नई दिल्ली ने राज्य सरकार से छत्तीसगढ़ के उन नगरों, वार्ड, मोहल्ले, बस्तियों और सड़कों के नाम मांगे हैं जो जातिसूचक या अपमान जनक हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने राज्य के सभी क्षेत्रीय संयुक्त संचालकों से यह जानकारी जुटाने के लिए कहा है।

छत्तीसगढ़ में गांवों के नाम अक्सर स्थानीय इतिहास, प्रकृति, या सामाजिक संरचनाओं से प्रेरित होते हैं। हालांकि, कुछ नाम जाति-आधारित (जैसे अनुसूचित जातियों के नाम) या अपमानजनक (जैसे तिरस्कारपूर्ण शब्द) लग सकते हैं, जो ऐतिहासिक रूप से दलित या निचली जातियों के बस्तियों को इंगित करते हैं। ये नाम सामाजिक भेदभाव को दर्शाते हैं और हाल के वर्षों में नाम बदलने की मांग बढ़ी है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने अगस्त 2025 में सभी राज्यों को जाति-सूचक या अपमानजनक नामों वाली जगहों की सूची तैयार करने और नाम बदलने की कार्यवाही की रिपोर्ट मांगी है। ▶▶| शेष पेज 6 पर

जाति सूचक अपमानजनक नाम

जाति सूचक या अपमानजनक नाम के संबंध में हालांकि अभी नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने जानकारी जुटाने का आदेश दिया है, लेकिन इस संबंध में कुछ उदाहरण मौजूद है। इनमें चमार बस्ती रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर (कई जगहों पर)। चमार (अनुसूचित जाति) समुदाय की बस्ती को इंगित करता है। यह नाम छुआछूत और भेदभाव का प्रतीक है। भंगी बस्ती, महासमुंद, ▶▶| शेष पेज 6 पर

नाम बदलने की पहल: राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के निर्देश के बाद, छत्तीसगढ़ सरकार ने 2025 में पंचायती राज विभाग को सूची तैयार करने का आदेश दिया। कुछ जगहों पर नाम बदल चुके हैं, जैसे महाराष्ट्र में 'भंगी पाड़ा' को 'वाल्मीकि नगर' बनाया गया। छत्तीसगढ़ में भी 'चमार बस्ती' को 'रविदास नगर' जैसे नाम सुझाए जा रहे हैं।

आयोग की पहल इसलिए

इस पूरे मामले में आयोग ने इसलिए पहल की है क्योंकि 10 जुलाई 2025 को एक शिकायत के माध्यम से आयोग के समक्ष आया। शिकायतकर्ता ने तर्क दिया कि देश के विभिन्न राज्यों में अनुसूचित जाति/जनजाति से जुड़े जाति-सूचक या अपमानजनक नामों (जैसे 'चमार बस्ती', 'भंगी टोला', 'चूहरा वाड़ा' आदि) का उपयोग समानता और मानव गरिमा के विरुद्ध है। आयोग ने इसकी सुनवाई 28 जुलाई 2025 को की थी।

24 नवंबर को लेंगे शपथ

न्यायमूर्ति सूर्यकांत नए प्रधान न्यायाधीश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

न्यायमूर्ति सूर्यकांत को बृहस्पतिवार को भारत का 53वां प्रधान न्यायाधीश नियुक्त किया गया और वह 24 नवंबर को पदभार ग्रहण करेंगे। केंद्रीय कानून मंत्रालय के न्याय विभाग ने एक अधिसूचना जारी करके उनकी नियुक्ति की घोषणा की। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति भूषण आर. गवई का स्थान लेंगे, जो 23 नवंबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत लगभग 15 महीने तक प्रधान न्यायाधीश के पद पर रहेंगे।

दिए हैं कई ऐतिहासिक फैसले

हरियाणा के हिसार जिले में 10 फरवरी, 1962 को एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे न्यायमूर्ति सूर्यकांत 24 मई, 2019 को शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीश बने। न्यायमूर्ति सूर्यकांत अनुच्छेद 370 को निरस्त करने, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, लोकतंत्र, भ्रष्टाचार, पर्यावरण और लैंगिक समानता पर ऐतिहासिक फैसले देने वाली पीठ में शामिल रहे हैं।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

डिजिटल अरेस्ट में गवाएं 1.2 करोड़, मौत

पुणे। पुणे में कथित तौर पर 'डिजिटल अरेस्ट' धोखाधड़ी में 1.2 करोड़ रुपए गंवाने वाले 83 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति की एक महीने बाद ही दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई।

धोखाधड़ी करने वालों ने खुद को पुलिस और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो कर्मी बताकर बुजुर्ग व्यक्ति और उनकी पत्नी को फंसाया था। दावा किया कि उनका नाम एक प्रमुख व्यक्ति से जुड़े धन शोधन मामले में सामने आया है।

चक्रवात 'मोंथा' से हुए नुकसान का आकलन

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार ने चक्रवात 'मोंथा' से हुए नुकसान का शुक्रवार से आकलन शुरू कर दिया। राजस्व एवं आपदा मंत्री सुरेश पुजारी ने कहा कि चक्रवात के कारण विभिन्न जिलों में धान की फसल, कपास की खेती और सब्जियों को भारी नुकसान हुआ है। आंध्र प्रदेश के तट पर मंगलवार शाम पहुंचे 'मोंथा' ने ओडिशा के 33 ब्लॉक और 11 शहरी इलाकों के लोगों को प्रभावित किया है। राज्य से आगे बढ़ चुका चक्रवात धीरे-धीरे कमजोर होकर विदर्भ क्षेत्र में कम दबाव के क्षेत्र में बदल गया है। सर्वेक्षण कार्य तीन दिन के भीतर पूरा होने की उम्मीद है।

नौरादेही अभयारण्य बनेगा चीतों का तीसरा घर

खंडवा। मप्र के सीएम मोहन यादव ने कहा कि राज्य में कूनो राष्ट्रीय उद्यान और गांधीसागर अभयारण्य के बाद नौरादेही अभयारण्य चीतों का तीसरा घर बनेगा। अफ्रीका के नामीबिया से चीते लाकर नौरादेही अभयारण्य में छोड़े जाएंगे।

यादव ने नर्मदा नदी पर बने इंदिरा सागर बांध के 'बैकवॉटर' (बांध की दीवार से टकराकर लौटने वाले पानी) में छह मगरमच्छ छोड़े जिनमें चार मादा और दो नर शामिल हैं। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने विधि-विधान से नर्मदा नदी की पूजा-अर्चना की।

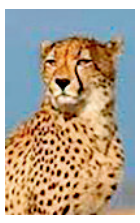

वाहन पलटने से चार यात्रियों की मौत

रांची। झारखंड के रांची जिले में बृहस्पतिवार को टायर फटने के कारण एक यात्री वाहन के पलटने से उस पर सवार चार लोगों की मौत हो गई जबकि 12 लोग घायल हो गए। राज्य की राजधानी से 45 किलोमीटर दूर बुंडू थाना क्षेत्र के गोसाईंडीह में दोपहर करीब दो बजे यह घटना हुई। वाहन में 16 लोग सवार थे और ये लोग विभिन्न आदिवासी समूहों की ओर से ताऊ मैदान में आयोजित आदिवासी जन आक्रोश रैली में भाग लेने के लिए जा रहे थे।घायलों को उपमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अमेरिका ने भारत को प्रतिबंधों से छह महीने की दी छूट

भारत की बड़ी डिप्लोमेटिक जीत, चाबहार बंदरगाह परियोजना पर अमेरिका से 'गिफ्ट'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

रूस के कच्चे तेल की वजह से भारत और अमेरिका के रिश्तों में बढ़ा तनाव कम होता नजर आ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को बड़ी राहत दी है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि अमेरिका ने ईरान स्थित चाबहार पोर्ट परियोजना के लिए प्रतिबंधों से छूट की अवधि बढ़ा दी है। भारत को छह महीने की छूट मिली है।

भारत सरकार ने बड़ी डिप्लोमेटिक जीत हासिल की है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि ये प्रतिबंध 29 सितंबर से लागू होने थे, लेकिन दोनों पक्षों के बीच बातचीत के बाद एक महीने की छूट दी गई। छह महीने की नयी छूट 29 अक्टूबर से प्रभावी होगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपनी साप्ताहिक प्रेस वार्ता में बताया, ईरान में चाबहार बंदरगाह के लिए हमें अमेरिकी प्रतिबंधों से छह महीने की छूट दी गई है। पिछले महीने, डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने ईरान में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण चाबहार बंदरगाह के संबंध में 2018 के प्रतिबंधों में छूट को रद्द करने के अपने फैसले की घोषणा की थी। ईरान के दक्षिणी छोर पर सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित चाबहार बंदरगाह के विकास में भारत एक प्रमुख भागीदार है। वर्तमान में, भारत इस बंदरगाह पर शाहिद बेहेश्टी टर्मिनल का संचालन कर रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग ने पिछले महीने ▶▶| शेष पेज 6 पर

1.4 अरब लोगों की ऊर्जा सुरक्षा

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, 'ऊर्जा स्रोत के व्यापक प्रश्न पर हमारी स्थिति सर्वविदित है। इस प्रयास में, हम अपने 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विविध स्रोतों से किफायती ऊर्जा प्राप्त करने की अनिवार्यता से निर्देशित हैं।

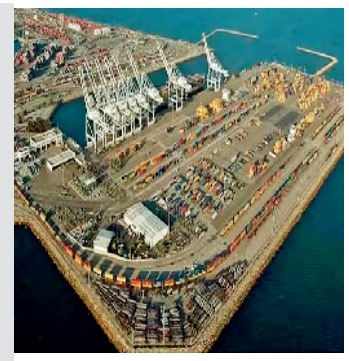

क्या थे अमेरिकी प्रतिबंध?

चाबहार बंदरगाह पर अमेरिका ने एक आदेश जारी कर कहा था कि वो 29 सितंबर से इस बंदरगाह को चलाने, पैसे देने या उससे जुड़े किसी काम में शामिल कंपनियों पर जुर्माना लगाएगा। हालांकि ट्रंप प्रशासन ने इस छूट को बाद में बढ़ाकर 27 अक्टूबर तक बढ़ा दिया था। पिछले तीन से चाबहार पोर्ट पर अमेरिकी प्रतिबंध लागू थे। अब इन प्रतिबंधों पर 6 महीने के लिए फिर से छूट दे दी गई है।

क्यों अहम है चाबहार बंदरगाह

चाबहार बंदरगाह भारत के लिए बेहद अहम है, क्योंकि यह पाकिस्तान को बाईपास करते हुए अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक सीधा व्यापार मार्ग उपलब्ध कराता है। भारत ने 2003 में इस प्रोजेक्ट का प्रस्ताव दिया था ताकि इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर के जरिए क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूत किया जा सके।

10 साल की लीज पर बंदरगाह

भारत ने 2024 में चाबहार बंदरगाह को ईरान सरकार से 10 वर्षों के लिए लीज पर लिया था। जिसके तहत भारत इस बंदरगाह पर 120 मिलियन डॉलर का निवेश करेगा, साथ ही 250 मिलियन डॉलर का सस्ता कर्ज देगा। यह बंदरगाह भारत को अफगानिस्तान, मध्य एसिया, रूस और यूरोप के साथ सीधे व्यापार करने में मदद करता है।

इधर, ट्रंप और जिनपिंग में हुई ट्रेड डील

बुसान। दक्षिण कोरिया के बुसान में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई बैठक कामयाब हो गई है। इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ने गुरुवार को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ व्यापक आर्थिक और व्यापारिक समझौतों की घोषणा की है। इस घोषणा में चीन के खिलाफ टैरिफ में 10 फीसदी की कमी, सोयाबीन की खरीद फिर से शुरू करना और दुर्लभ मृदा निर्यात के विवादास्पद मुद्दे पर एक महत्वपूर्ण सफलता शामिल है।

ट्रंप ने चीन पर 10% टैरिफ घटाया

मुजफ्फरपुर और छपरा में प्रधानमंत्री की रैली

पीएम मोदी बोले-कांग्रेस और राजद नेता कर रहे छठी मैया का अपमान

एजेंसी ▶▶| छपरा/मुजफ्फरपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को बिहार में विपक्षी दल कांग्रेस-राजद गठबंधन पर छठी मैया का अपमान करने, अयोध्या में राम मंदिर से समस्याएं होने और वोट बैंक तथा तुष्टिकरण की राजनीति के लिए घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री ने मुजफ्फरपुर और छपरा में अपनी रैलियों में यह टिप्पणी की। उनका यह बयान कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा बुधवार को यह आरोप लगाए जाने के एक दिन बाद आया है कि प्रधानमंत्री ने छठ पूजा के अवसर पर दिल्ली में यमुना में डुबकी लगाने की योजना बनाकर 'नाटक' करने की कोशिश की, लेकिन यह बात उजागर होने के बाद इसे स्थगित कर दिया गया कि नदी अस्वच्छ होने के कारण एक गड्ढा बनाकर उसमें साफ पानी भरा गया है। प्रधानमंत्री ने राज्य के लोगों से 'नरेन्द्र-नीतीश' गठबंधन में अपना विश्वास बनाए रखने का आग्रह किया।

- विपक्ष पर जमकर साधा निशाना

अपमान नहीं भूलेगा बिहार

मोदी ने कहा, देखिए, वोट मांगने के लिए ये लोग किस हद तक गिर सकते हैं। यह छठ पर्व का अपमान है जिसे बिहार सदियों तक नहीं भूलेगा। उन्होंने कहा, इन लोगों के मन में बिहार के लोगों के प्रति कितनी घृणा है, इसे देखिए। इनके एक नेता ने पंजाब के मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए एक सार्वजनिक रैली में कहा था कि बिहारियों को भगा दिया जाना चाहिए और कांग्रेस में एक बड़े परिवार की बेटी, जो अब संसद में हैं, इस पर खूब हंसी थीं और ताली बजाई थीं। उनका इशारा पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा की ओर था। प्रधानमंत्री ने कहा, विपक्षी गठबंधन 'इंडिया', राजद-कांग्रेस गठबंधन तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति के अलावा कुछ नहीं कर सकता और इसके लिए लिए वे घुसपैठियों को संरक्षण दे रहे हैं।

विपक्ष के घोषणा पत्र को बताया रेट चार्ज

पीएम मोदी ने आरोप लगाया, राजद-कांग्रेस का घोषणापत्र वास्तव में एक रेट चार्ट है, उनके वादे 'रंगदारी', फिरौती, भ्रष्टाचार, लूट के हैं।" मोदी ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस-राजद गठबंधन पांच 'क' - 'कट्टा', 'क्रूरता', 'कटुता', 'कुशासन' (कुशासन) और 'करप्शन' का प्रतीक है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा, "राजद की रैलियों में किस तरह के गाने बजाए जा रहे हैं? इनमें 'कट्टा', 'छुरा', 'दुनाली' और बहन-बेटियों के अपहरण की बात है। मोदी ने दावा किया कि राज्य में राजद शासन के दौरान 35,000-40,000 अपहरण हुए और गुंडे वाहन शोरूम लूटते थे।

प्रदेशभर में बड़ी कार्रवाई

सब इंजीनियर, पटवारी समेत चार को रिश्वत के साथ एसीबी ने दबोचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जांजगीर-चांपा

खास खबर

आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (एसीबी) बिलासपुर इकाई ने गुरुवार को जांजगीर-चांपा जिले में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए एसडीएम कार्यालय चांपा के भू अर्जन शाखा में पदस्थ अमीन (पटवारी) और ऑपरेटर को 1 लाख 80 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ ▶▶| शेष पेज 6 पर

डेढ़ साल में 36 वीं कार्रवाई

एसीबी सूत्रों के अनुसार, भ्रष्टाचार के खिलाफ यह मुहिम लगातार जारी है। पिछले डेढ़ साल में एसीबी बिलासपुर इकाई द्वारा यह 36वीं ट्रैप कार्रवाई है। बहरहाल दोनों आरोपियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7 और 12 के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

पीडब्लूडी का सब इंजीनियर पकड़ा गया

मनेन्द्रगढ़। एंटी करप्शन ब्यूरो अंबिकापुर की टीम ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए लोक निर्माण विभाग में पदस्थ सब इंजीनियर सीपी बंजारे को रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ लिया। आरोपी सब इंजीनियर ठेकेदार से फाइल पास कराने के नाम पर 30 हजार रूपए की मांग कर रहा था। ठेकेदार ने इसकी शिकायत एसीबी में की, जिसके बाद टीम ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाया और आरोपी को रंगेहाथ पकड़ने में सफलता प्राप्त की। मिली जानकारी के ▶▶| शेष पेज 6 पर

लिपिक 25 हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार

जगदलपुर/दरभा। तहसील दरभा में पदस्थ लिपिक को 25 हजार रुपए रिश्वत लेते एंटी करप्शन ब्यूरो ने रंगे हाथ पकड़ा है। प्राकृतिक आपदा की राशि दिलाने के एवज में पीड़ित से 25 हजार रुपए रिश्वत ले रहा था। रिश्वत मांगे जाने की शिकायत पीड़ित ग्रामीण ने एसीबी से की थी। रिश्वतखोर लिपिक को पकड़ने जाल बिछाया गया था। मामला तहसील कार्यालय दरभा का है, जहां पदस्थ सहायक ग्रेड 3 हेमकुमार पानिग्राही ने ▶▶| शेष पेज 6 पर

घटना के बाद चालक व उसमें सवार लोग कार छोड़कर फरार

हिट एंड रन : कार चालक ने सड़क किनारे खड़ी महिला को मारी टक्कर, फिर बाइक लिया चपेट में, तीनों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायगढ़

धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत हिट एंड रन का मामला गुरुवार को सामने आया है। सड़क किनारे खड़ी महिला को टक्कर मार कर भाग रहे कार के चालक ने कुछ दूरी पर सामने से आ रहे बाइक सवार दो युवकों को भी अपनी चपेट में ले लिया, जिससे तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद कार चालक व उसमें सवार लोग वाहन को घटनास्थल पर ही ▶▶| शेष पेज 6 पर

- धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र का मामला

परखच्चे उड़ने पर घूमी कार, तब रोकना पड़ा

स्थानीय लोगों की माने तो इस हादसे में और भी लोगों की जान जा सकती थी, क्योंकि कार की रफ्तार इतनी थी कि उसे देख कर नहीं लग रहा था कि चालक के ▶▶| शेष पेज 6 पर

जल्द पकड़ लेंगे आरोपी को

दुर्घटना को अंजाम देने के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया है। मृतकों के शव को पीएम के लिए अस्पताल भेजवाते हुए चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया गया है। कार पुलिस के कब्जे में है, उसी के आधार पर चालक और मालिक की पतासाजी की जा रही है, जल्द ही उन्हें पकड़ लिया जाएगा।

\- सुशांतो बनर्जी, डीएसपी पुलिस प्रवक्ता, रायगढ़

खुर्सीपारा थाना क्षेत्र की घटना

बहन से मिलने आया प्रेमी दोस्तों के साथ मिलकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

खुर्सीपार थाना अंतर्गत मांझी चौक खुर्सीपार में प्रेम प्रसंग के चलते एक युवक की हत्या कर दी गई। मृतक खुर्सीपार निवासी धीरज उर्फ विक्की सरोज (पासवान) बताया गया है। मामले में पुलिस ने प्रेमिका के भाई समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। मौके से तीन अन्य आरोपी फरार हो गए हैं। खुर्सीपार पुलिस ने बताया कि गुरुवार की सुबह युवती अपने घर पर अकेली थी, तभी मांझी चौक खुर्सीपार निवासी धीरज उससे मिलने पहुंचा। ▶▶| शेष पेज 6 पर

घटनास्थल पर हंगामा

घटना की खबर लगते ही मृतक के परिजन तुरंत मौके पर पहुंचे। घटना स्थल पर हंगामा भी हुआ। घायल धीरज को लेकर अस्पताल ले जाने का प्रयास किया गया, तब तक धीरज की मौत हो चुकी थी। युवक और उसकी प्रेमिका का मकान एक ही मोहल्ले में है। घटनास्थल पर फॉरेंसिक की टीम भी पहुंची थी। बहरहाल पुलिस ने मामले में अपराध दर्ज कर लिया है। विवेचना जारी है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा-हिंदी में हों रोजमर्रा के कामकाज

एम्स के डॉक्टरों को हिंदी में लिखना होगा मरीजों का पर्चा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एम्स में अब डॉक्टर मरीजों के पर्चे हिंदी में लिखेंगे। स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि डॉक्टरों को डेली के कामकाज में हिंदी का इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। जब पर्चे और दवाइयों का नाम हिंदी में लिखा जाएगा तो मरीज और उनके परिवार को आसानी होगी। अक्सर देखा गया है कि अंग्रेजी में लिखी दवा या परामर्श मरीज समझ नहीं पाते, जिससे इलाज में दिक्कत आती है।

अब यह बाधा काफी हद तक कम होगी और मरीज आसानी से जान पाएंगे कि कौन-सी दवा कब लेनी है।

हर विभाग में भविष्य की तैयारी

एम्स जैसे बड़े संस्थानों को धीरे-धीरे हर विभाग में हिंदी का इस्तेमाल शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। छात्रों को हिंदी में मेडिकल पढ़ाई का विकल्प मिलेगा और डॉक्टरों को मरीजों से बातचीत व पर्चा लिखने में हिंदी अपनाने की सलाह दी गई है। इसके लिए पूरा खाका तैयार किया जा चुका है।

इन छात्रों को भी होगा फायदा

इस पहल से उन छात्रों को सबसे ज्यादा मदद मिलेगी जिन्हें अंग्रेजी समझने में दिक्कत होती है। अब वे अपनी भाषा में पढ़ाई कर पाएंगे। वहीं मरीजों के लिए भी यह राहत की बात होगी क्योंकि डॉक्टर जब हिंदी में परामर्श और दवा लिखेंगे तो उन्हें और उनके परिवारों को समझने में आसानी होगी।

हिंदी में भी कर सकेंगे मेडिकल पढ़ाई

स्वास्थ्य मंत्रालय ने एम्स को निर्देश दिया है कि मेडिकल शिक्षा के लिए हिंदी किताबें खरीदी जाएं, साथ ही शोध कार्यों में भी हिंदी का प्रयोग बढ़ाया जाए। न सिर्फ पढ़ाई बल्कि संस्थान के पत्राचार और रिसर्च रिपोर्ट्स में भी हिंदी को प्राथमिकता दी जाएगी। एम्स को मिलने वाले पत्रों का जवाब भी हिंदी में दिया जाएगा। जरूरत पड़ने पर अंग्रेजी अनुवाद भी भेजा जा सकेगा। मंत्रालय का मानना है कि इस कदम से स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता बढ़ेगी और आम लोगों के लिए चिकित्सा सुविधाएं अधिक आसान हो जाएंगी।

चिंतन

भारत पर दबाव बनाने को कड़े फैसले ले रहे ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दोगली नीति पर चल रहे हैं। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गुणगान करते हैं तो अगले ही पल भारत और भारतियों के खिलाफ किसी फैसले को अमल में ले आते हैं। वे लगातार भारत के खिलाफ चुभती बातें बोल रहे हैं। कभी पाकिस्तान की तारीफ करते हैं और कभी यह कहते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे कहा है कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद करेगा। दिवाली पर भारतीय प्रधानमंत्री को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि भारत रूस से तेल का आयात कम करेगा, जबकि भारत ने ऐसा कोई फैसला नहीं लिया है। इसके बाद उन्होंने रूस की दो बड़ी तेल कंपनियों पर पाबंदी लगा दी। इसके चलते भारत का रूस से तेल खरीदना कठिन हुआ ही साथ में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल के दाम भी बढ़ गए। भारत पर 25+25 टैरिफ लगाने के बाद वे एक के बाद एक भारत विरोधी फैसले ले रहे हैं। ये वही डोनाल्ड ट्रंप हैं, जिन्हें राष्ट्रपति चुनाव में जी भरकर भारतीय समुदाय के लोगों ने वोट दिए, लेकिन राष्ट्रपति बनते ही भारत के खिलाफ खड़े हो गए। अब ट्रंप प्रशासन ने ऑटोमैटिक वर्क परमिट एक्सटेंशन की सुविधा खत्म कर दी है। इसका सबसे बड़ा झटका अमेरिका में काम करने वाले भारतीयों को लगेगा। इसका मतलब ये हुआ कि अगर किसी का वर्क परमिट कल खत्म हो रहा है, तो वो आज खुद ही ऑटोमेटिक नहीं बढ़ेगा। अभी तक ये होता था कि अगर किसी का वर्क परमिट खत्म हो जाता था, उसे ऑटोमैटिक 540 दिनों का एक्सटेंशन मिल जाता था और इस दौरान उसे अपने परमिट का नवीनीकरण करवाना पड़ता था, लेकिन अब ऐसा नहीं हो सकेगा। इसीलिए सवाल ये उठ रहे हैं कि क्या अब वर्क परमिट खत्म होने का बाद नौकरी चली जाएगी और क्या अमेरिका ही छोड़ना पड़ेगा। इस फैसले को लेकर अमेरिका में भारतीय पेशेवरों में खासी बेचैनी हैं। वो लोग भी खासे उलझन में हैं जिन्होंने अनुबंध आधार पर नौकरी पा रखी है। पहले होता यह था कि किसी कंपनी से अनुबंध आधार पर जॉब के बाद वे दूसरी कंपनी में चले जाते थे। अब उनके लिए परेशानी होगी। ट्रंप प्रशासन के इस फैसले का गंभीर असर उन हजारों भारतीय प्रोफेशनल्स पर होगा, जो एच-1बी वीजा, एच-4 स्पाउस परमिट, या ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग पर अमेरिका में काम कर रहे हैं। इसके अलावा, जो भारतीय नागरिक ग्रीन कार्ड के लिए सालों से इंतजार कर रहे हैं, उन्हें अब हर बार वर्क परमिट रिन्यूअल में देरी होने पर नौकरी खोने का जोखिम झेलना पड़ेगा। यह नियम अमेरिका में वर्क परमिट रिन्यूअल की प्रक्रिया में एक बड़ा बदलाव है। अब यदि यूएस सिटीजनशिप एंड इमीग्रेशन सर्विस समय पर आवेदन अप्रूव नहीं करेगा तो कर्मचारी अपनी मौजूदा नौकरी तुरंत खो देगा और फिर उसे अमेरिका में रहने का अधिकार भी नहीं मिलेगा। वे नौकरी खत्म होते ही अवैध की श्रेणी में आ जाएंगे। वैसे भी मौजूदा प्रक्रिया के मुताबिक, वर्क परमिट रिन्यूअल में तीन से बारह महीने तक का समय लग सकता है। ये इस बात पर भी निर्भर करता है कि नौकरी क्या है और वो किस क्लास में आता है। इस बीच, जो कर्मचारी समय पर रिन्यूअल नहीं करा पाएंगे, उन्हें अवैध कर्मचारी या अवैध नागरिक माना जाएगा। अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे युवाओं के साथ ट्रंप प्रशासन क्या सलूक कर रहा है, ये पूरी दुनिया देख चुकी है। अब ट्रंप ने यह फैसला केवल और केवल भारत पर दबाव बनाने के लिए किया है, ताकि भारत उनकी शर्तों को माने, लेकिन वो ये नहीं जानते कि यह नया भारत है, जो अपनी शर्तों पर चलता है। कोई दबाव उसे झुका नहीं सकता।

जयंती विशेष

आचार्य दीप चन्द भारद्वाज

राष्ट्रीय एकता के सुदृढ़ स्तंभ कहलाए वल्लभभाई पटेल

सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के नडियाद क्षेत्र में एक आत्मनिर्भर कृषक परिवार में हुआ था। प्राथमिक शिक्षा प्राप्त करने के उपरांत इन्होंने स्वाध्याय के माध्यम से ही शिक्षा प्राप्त की। 1910 में मिडिल टेबल लंदन में अध्ययन करने के लिए गए। उच्च सम्मान के साथ वहां पर दो वर्ष तक रहकर परीक्षा उत्तीर्ण की। 1913 में पुनः भारत लौटे, अहमदाबाद रहकर वकालत के क्षेत्र में यह तेजी से आगे बढ़े। अपनी योग्यता तथा दृढ़ परिश्रम के बल पर आपराधिक कानून के अग्रणी बैरिस्टर बनकर उभरे। 1917 से 1924 तक पटेल अहमदाबाद नगर पालिका के आयुक्त रहे तथा 1924 से 1928 तक नगर पालिका अहमदाबाद के अध्यक्ष भी रहे। सन 1928 में बारडोली सत्याग्रह में वल्लभ पटेल ने जमींदारों और किसानों के आंदोलन का दृढ़तापूर्वक नेतृत्व किया, जिससे उनकी ख्याति पूरे भारत में राष्ट्रवादी नेता के रूप में होने लगी। अंग्रेज सरकार ने किसानों के लगान में 22% की वृद्धि की थी जिसके विरोध में पटेल के नेतृत्व में यह बारडोली का किसान आंदोलन विराट रूप लेकर उभरा। अंग्रेज सरकार ने आंदोलन को कुचलने के लिए कठोर कदम उठाए परंतु लौह पुरुष पटेल के आगे अंग्रेज सरकार को झुकना पड़ा। इस सत्याग्रह आंदोलन की सफलता के बाद वहां की महिलाओं ने वल्लभभाई पटेल को किसानों का 'सरदार' की उपाधि दी जो हमेशा के लिए उनके नाम के साथ जुड़ गई। बारडोली के आंदोलन के सफल नेतृत्व ने तथा सरदार की उपलब्धि ने पटेल को गांधी के बाद भारत का दूसरा प्रसिद्ध राष्ट्रीय नेता बना दिया। अंग्रेज सरदार पटेल को अपने सबसे खतरनाक शत्रु के रूप में मानते थे। पटेल को स्वावलंबन, दृढ़ परिश्रम, आत्म संयम जैसे गुण बचपन से ही परिवार की विरासत में मिले थे। अपनी कार्यशैली तथा फौलादी व्यक्तित्व के कारण सरदार पटेल भारतीय जनमानस की पहली पसंद थे। सन 1931 में कराची में हुए कांग्रेस के अधिवेशन की इन्होंने अध्यक्षता की। अपनी कर्तव्यनिष्ठता, ईमानदारी, राष्ट्रभक्ति की भावना ने सरदार पटेल को भारतीय राष्ट्रीय राजनीति का लब्ध प्रतिष्ठित नेता बना दिया था। यही कारण है कि सरदार पटेल का नाम तीन बार कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए प्रांतीय समितियों के माध्यम से भेजा गया परंतु महात्मा गांधी ने जवाहरलाल नेहरू के प्रति अपना स्नेह होने के कारण सरदार पटेल को पीछे रखकर नेहरू को अध्यक्ष बनाया। सरदार पटेल निष्काम, निस्वार्थ भाव से भारत वर्ष की स्वतंत्रता को समर्पित थे। उन्होंने सदैव गांधी के द्वारा चलाए गए सभी आंदोलन में अपना योगदान दिया। सरदार पटेल एक प्रतिष्ठित वकील, दूरदर्शी राजनीतिज्ञ थे। दृढ़ इच्छा शक्ति, साहस, त्वरित निर्णय लेने की क्षमता तथा ठोस व्यक्तित्व उनके विशेष गुण थे। अपनी कुशाग्र बुद्धि के बल पर इन्होंने वकालत के क्षेत्र में भी प्रतिष्ठा प्राप्त की। वल्लभ जी ऐसे मुकदमे लड़ते थे जिनमें निर्दोष को फसाया गया हो तथा जिसे अपने अकाट्य तर्कों से काटा जा सके। महात्मा गांधी भी सरदार पटेल के फौलादी व्यक्तित्व से प्रभावित थे इसलिए उन्होंने वल्लभभाई पटेल को लौह पुरुष की उपाधि प्रदान की थी। इतिहासकारों ने पटेल जी को बिस्मार्क ऑफ इंडिया का नाम दिया है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात वल्लभ जी भारत के पहले उप प्रधानमंत्री तथा गृह मंत्री जैसे पदों पर सुशोभित रहे। सन 1947 में भारत तो आजाद हो गया था परंतु सबसे बड़ी समस्या जो अंग्रेज चालाकी से छोड़ गए थे वह थी बिखरी हुई 562 रियासतें। इन सभी रियासतों को भारतीय गणराज्य में विलय करना एक चुनौती पूर्ण कार्य था। वल्लभ भाई पटेल ने इस कार्य को अपनी सूझबूझ और विवेक के द्वारा अधिक से अधिक राजवाड़ों को पेंशन तथा अन्य लाभ देकर इन्होंने हटा दिया परंतु प्रतिरोध करने वाली रियासतों में मुख्य रूप से जूनागढ़, कश्मीर तथा हैदराबाद यह तीन प्रमुख थे। जूनागढ़ में जनमत संग्रह करवा कर इन्होंने भारत में शामिल करवाया। कश्मीर के शासक महाराजा हरि सिंह स्वतंत्र रूप से अलग रहना चाहते थे परंतु पाकिस्तानी कव्वाली सुना अचानक आक्रमण कर देने पर सरदार पटेल ने उनकी सहायता की और फिर 1947 में कश्मीर को भारत में मिला दिया गया। हैदराबाद के निजाम में वल्लभ पटेल का प्रतिरोध किया तथा अंत में वहां पर भी सेना भेज कर हैदराबाद रियासत को भारत वर्ष में मिल लिया गया। विश्व इतिहास में एक व्यक्ति भी ऐसा नहीं हुआ जिसने इतनी बड़ी संख्या में राज्यों का एकीकरण करने का साहस किया हो। इतनी विशाल संख्या में बिखरी हुई रियासतों के एकीकरण के असंभव कार्य को सरदार पटेल ने अपने फौलादी व्यक्तित्व के बल पर संभव बनाकर भारतवर्ष की राष्ट्रीय एकता और अखंडता को सुदृढ़ता प्रदान की।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जयंती विशेष

डॉ. किशोर अग्रवाल

हे लौह पुरूष ! राष्ट्र आपका कृतज्ञ है

सरदार पटेल ने एक बार कहा था कि एकता के बिना मनुष्य बल कोई शक्ति नहीं है, जब तक वह उचित रूप से समन्वित और संगठित ना हो जाए, तब वह एक आध्यात्मिक शक्ति बन जाता है। उनके लिए राष्ट्र की सच्ची शक्ति केवल सीमाओं में नहीं बल्कि उसके लोगों की एकता में निहित थी । 2014 में भारत सरकार ने सरदार पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की। इसका उद्देश्य देशवासियों में एकता की भावना को पुनर्जीवित करना और पटेल की "एक भारत श्रेष्ठ भारत" की दृष्टि को सम्मानित करना था। इस दिन शैक्षणिक संस्थानों से लेकर सेना और विभिन्न समुदायों में देशभर में "रन फॉर यूनिटी" सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रदर्शनी और शपथ समारोह आयोजित किए जाते हैं।

सैकड़ों रियासतों में बंटे और आपस में लड़ते झगड़ते अनेक राजाओं को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्ति मिल भी जाती तो क्या अखण्ड भारत का यह स्वरूप होता जिसे हम भारतीय गणराज्य के रूप में जानते हैं। अनेक क्रांतिकारियों के बलिदान, गांधीजी के लगातार आंदोलन व तत्कालीन प्रणेताओं की कूटनीतियों से अंग्रेज पस्त होकर देश आजाद तो कर गये पर इन बिखरे राज्यों व अपनी अपनी सत्ता की सार्वभौमिकता को ही सर्वोपरि मानने वाले अलग-अलग राज्यों से एक अखंड भारत के निर्माण की परिकल्पना एक वृहत स्वप्नदृष्टा ही कर सकता था। देश का सौभाग्य हैं कि तब हमारे देश मे लौहपुरुष सरदार पटेल जैसा स्वप्न दृष्टा मौजूद था, जिसके पास एक पैनी दृष्टि, विवेकपूर्ण सोच और अपने निर्णयों को लागू करा लेने की दृढ़ संकल्प शक्ति थी।

दृढ़ निश्चय से वे धीरे-धीरे 560 से अधिक रियासतों का अखंड भारत में विलय करते गए। जूनागढ़, जम्मू कश्मीर और हैदराबाद के विलय लिए उन्होंने अपनी सारी योग्यता लगायी तब जाकर ये बड़ी रियासतें भारत का अंग बन पायी और भारत वर्तमान स्वरूप में आ पाया। यह एक ऐसा कार्य था जिसके लिए अद्वितीय कूटनीति, साहस और दृढ़ निश्चय की आवश्यकता थी। उनकी स्थिर दृष्टि और दृढ़ संकल्प ने उन्हें लौह पुरुष का खिताब दिलाया। हर साल 31 अक्टूबर को भारत राष्ट्रीय एकता दिवस मनाता है ताकि उनकी जयंती का सम्मान किया जा सके। एक ऐसा नेता जिनकी दूर दृष्टि और दृढ़ निश्चय ने एक एकीकृत भारत की नींव रखी।

सरदार पटेल ने एक बार कहा था कि एकता के बिना मनुष्य बल कोई शक्ति नहीं है, जब तक वह उचित रूप से समन्वित और संगठित ना हो जाए, तब वह एक आध्यात्मिक शक्ति बन जाता है। उनके लिए राष्ट्र की सच्ची शक्ति केवल सीमाओं में नहीं बल्कि उसके लोगों की एकता में निहित थी । 2014 में भारत सरकार ने सरदार पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की। इसका उद्देश्य देशवासियों में एकता की भावना को पुनर्जीवित करना और पटेल की "एक भारत श्रेष्ठ भारत" की दृष्टि को सम्मानित करना था। इस दिन शैक्षणिक संस्थानों से लेकर सेना और विभिन्न समुदायों में देशभर में "रन फॉर यूनिटी" सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रदर्शनी और शपथ समारोह आयोजित किए जाते हैं। वैसे तो स्वतंत्रता प्राप्त होने के पश्चात ही सरदार पटेल का यथेष्ठ सम्मान देश को करना था और उनका महत्व स्थापित करना था। 2014 में सरकार ने इस लौह पुरुष को सम्मानित किए जाने की मुकम्मल व्यवस्था की। उस दिन मुख्य समारोह गुजरात के एकता नगर स्थित "स्टैचू ऑफ यूनिटी" पर आयोजित किया जाता है जो भारत की शक्ति साहस और सामूहिक संकल्प का प्रतीक है। यह स्टैचू विश्व में सबसे ऊंचा 182 मीटर ऊंचाई का बनाया गया है जिसे देखकर भारत की छाती गर्व से फूल उठती है।

सरदार पटेल का कहना था "धर्म के मार्ग पर चलो सत्य और न्याय के मार्ग पर क्योंकि वही सभी के लिए सही मार्ग है।" उनके ये शब्द हमें याद दिलाते हैं कि भारत के सामाजिक ताने-बाने में न्याय, परस्पर सम्मान और

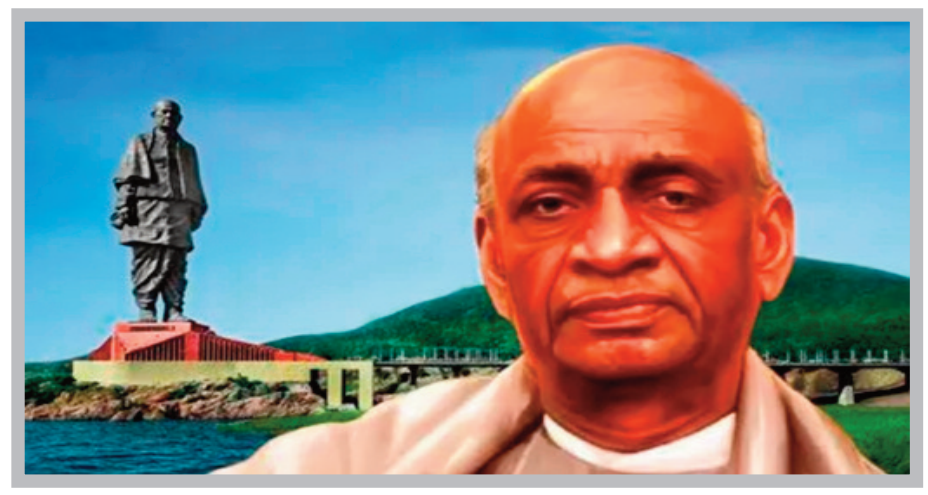

शांति बनाए रखना हम सब की साझा जिम्मेदारी है। एकता दिवस उस भारत के विचार को पुनर्स्थापित करता है जो अपनी विविधता के कारण फलता फूलता है ना कि उसके बिना। यह दिन हर नागरिक को राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पण की याद दिलाता है। भारत की सांस्कृतिक विविधता को समझने और भाषा क्षेत्र और धर्म के बीच बंधन मजबूत करने का आवाहन करता है।

यद्यपि एकता दिवस में वाद-विवाद, निबंध प्रतियोगिता, परेड और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं किंतु मात्र इन औपचारिकताओं से मूल उद्देश्य की प्राप्ति नहीं होती। आज जब भारत क्षेत्रीय असमानताओं ,सामाजिक विभाजनों और वैचारिक मतभेदों जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है, तब एकता दिवस का संदेश और भी महत्वपूर्ण हो जाता है यह केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं है ,राष्ट्रीय एकता और सामूहिक प्रगति की भावना को पुनर्जीवित करने का अवसर है। यह संदेश देता है कि भारत चाहे जितना विशाल और विविध हो उसका दिल और आत्मा एक है इसे आत्मसात करने की आवश्यकता है। पटेल के शब्द आज भी प्रेरणादायक है वह कहा करते थे "मेरी केवल एक इच्छा है कि भारत एक अच्छा उत्पादक बने और देश में कोई भूखा ना रहे किसी की आंखों में आंसू ना हो।" उनका दयालू राष्ट्रवाद सेवा और एकता पर आधारित नेतृत्व का सर्वोत्तम उदाहरण है। विखंडित हो रहे विश्व समुदाय के लिए यह दिन और श्री पटेल के विचार एक अखंड विश्व की कल्पना को साकार करते हैं। विभाजित होती दुनिया में पटेल का उदाहरण हमें अनुशासन एकजुटता और सामूहिक नियति में विश्वास का संदेश देता है। लौह पुरुष पटेल की कल्पित एकता कोई स्थिर आदर्श नहीं बल्कि एक जीवंत शक्ति है उनके यह शब्द आज भी गूंजते हैं कि कार्य ही पूजा है, श्रम ही ईश्वर है और जो व्यक्ति सही भावना से कार्य करता है वह सदैव शांत और प्रसन्न रहता है। ये वचन हर पीढ़ी को राष्ट्र की प्रगति और एकता में योगदान देने का आव्हान करते हैं। सरदार वल्लभभाई पटेल की विरासत इतिहास से परे है। वह भारत की आत्मा में जीवित है। हर वर्ष एकता दिवस यह सुनिश्चित करता है कि यह भावना कभी मंद ना पड़े। भारत सदैव एक रहे और पटेल का स्वप्निल सामंजस्य सदैव हमारा मार्गदर्शक बना रहे। इन शब्दों से न केवल भारत बल्कि विश्व को भी प्रेरणा लेनी चाहिए ताकि विश्व में जो विभाजन के लकीरें खींची हैं, उनसे उबरकर विश्व भी एक शांतिपूर्ण कुटुंब बन सके।

-लेखक छत्तीसगढ़ पुलिस के रिटायर्ड डीआईजी हैं।

कैसे हो जीवन की यात्रा सुखमय

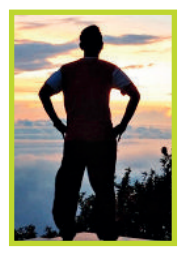

संकलित

दर्शन

मनुष्य का पूरा जीवन ही यात्रामय है। हम प्रायः दूसरों के दिखाए रास्तों पर ही चलते हैं, लेकिन जब मनुष्य अंतर्मन की यात्रा करता है, तब यहां किसी प्रकार के कोई पदचिह्न नहीं होते। इस यात्रा पर चलने से हम सब प्रकार की आसक्ति से मुक्त हो जाते हैं। श्वास को देखे बिना शरीर को ठीक तरह से समझ नहीं सकते, देख नहीं सकते। शरीर को देखे बिना मन को नहीं देख सकते। मन को देखे बिना आभामंडल को नहीं देख सकते और आभामंडल को देखे बिना प्राण को नहीं देख सकते। जो हमने यात्रा प्रारंभ की है। यात्रा के लिए हमने एक मार्ग चुना है। मार्ग पर हर कोई चलता है। हम भी चलते थे और चल रहे हैं। हर मार्ग पर पदचिह्न होते हैं, किंतु आज हमने एक ऐसा मार्ग चुना है, जिसमें कोई पदचिह्न नहीं है। पदचिह्न होने का अर्थ है- अनुसरण होना। जहां अनुसरण नहीं होता, वहां कोई पदचिह्न भी नहीं होता। हमारा मार्ग बिना पदचिह्न का मार्ग है। इसमें कोई किसी का अनुसरण नहीं करता। एक चिंतन आता है और उसका संस्कार बन जाता है। एक प्रवृत्ति होती है और उसका संस्कार बन जाता है। एक शब्द आता है और उसका संस्कार बन जाता है। चिंतन चला जाता है, प्रवृत्ति चली जाती है, शब्द चला जाता है, किंतु वे अपने पीछे चिह्न छोड़ जाते हैं। जो छोड़ा जाता है, उसकी आवृत्तियां होती रहती हैं। संस्कार शेष रह जाते हैं। किंतु हमने ऐसे मार्ग पर यात्रा शुरू की है, जिसमें कोई अनुसरण नहीं है, पदचिह्न नहीं है। जब चलने वाला अपने मार्ग से आसक्त हो जाता है, तब पदचिह्न शेष रह जाते हैं।

सवाल का जवाब चाहिए तो रहें मौन

संकलित

प्रेरणा

मौन रहना न केवल कई समस्याओं का समाधान हो सकता है, बल्कि कई जिज्ञासाओं का जवाब भी हो सकता है। गौतम बुद्ध के अनुसार, मौन केवल चुप रहना नहीं होता, बल्कि यह भीतर की यात्रा है। जब मन शांत होता है, तब बोधि (ज्ञान) का द्वार खुलता है। एक बार एक विद्वान ब्राह्मण मौलुंकपुत्र, जो पांच सौ शिष्यों के साथ आया था, बुद्ध के पास पहुंचा। उसके मन में अनेक प्रश्न थे। जैसे कि, क्या आत्मा और शरीर एक ही हैं या अलग-अलग? संसार शाश्वत है या अस्थायी? मृत्यु के बाद क्या होता है? इन प्रश्नों को लेकर मौलुंकपुत्र बुद्ध के पास पहुंचे और बोले- भगवन! आपको मुझे इन प्रश्नों के जवाब देने ही होंगे। बुद्ध ने उसकी आंखों में देखा और कहा - मैं तुम्हारे प्रश्नों का उत्तर दूंगा, लेकिन एक शर्त है। एक वर्ष तक मौन रहो, ध्यान करो और भीतर के शोर को शांत करो। जब तुम्हारे भीतर की बातचीत रुक जाए, तब तुम पूछना और मैं उत्तर दूंगा। मौलुंकपुत्र दुविधा में पड़ गया। इतने प्रश्न, इतनी जिज्ञासा और एक वर्ष का मौन! पास बैठे बुद्ध के शिष्य सारिपुत्र हंस पड़े। उन्होंने कहा - मुझे भी यही शर्त दी गई थी। मैं पांच हजार शिष्यों का गुरु था। एक वर्ष मौन रहा और जब समय आया, तो कोई प्रश्न ही नहीं बचा। बुद्ध ने उत्तर देने का वादा निभाया, लेकिन तब मुझे कुछ पूछने की जरूरत ही नहीं रही। मौलुंकपुत्र ने मौन स्वीकार किया। एक वर्ष ध्यान में डूबा रहा। भीतर का कोलाहल शांत हुआ। प्रश्न गल गए। एक वर्ष बाद बुद्ध ने पूछा - अब तुम पूछ सकते हो। मौलुंकपुत्र मुस्कराया और बोला - अब कोई प्रश्न ही नहीं बचा।

अंतर्मन

आज की पाती

जाम से कब मिलेगा निजात

पुराना धमतरी रोड, संजय नगर से आगे बढ़ते ही जाम मिलता है। वापसी पर फिर जाम की स्थिति बनी रहती है। भाठागांव में जब से अंतर्राज्यीय बस अड्डा आया। यहां की यातायात व्यवस्था बदहाल हो गई। सड़कों पर दुकानदारों का बेजा कब्जा भी जाम की वजह बन रही है। ऐसे में लोगों को आने-जाने में दिक्कतें हो रही है। समस्या पर किसी का ध्यान नहीं है। एक-दो दिन औपचारिकता पूरी करके प्रशासन फिर मुंह फेर लेता है।

-कृष यादव, रायपुर

ट्रेंड

संविधान मिटाने की कोशिश

संविधान को मिटाने-हटाने की कोशिश भाजपाई और उनके संगी-साथी कभी रूप बदलकर करते हैं तो कभी नया मुखौटा लगाकर। पीडीए संविधान की रक्षा के लिए वचनबद्ध है क्योंकि संविधान ही हमारी ढाल और संविधान ही संजीवनी है।

-अखिलेश यादव, सांसद, सपा

आस्था का अपमान

बिहार में राहुल गांधी ने अपने चुनाव प्रचार की शुरुआत जिस तरीके से की है, वह न केवल राजनीतिक अपरिपक्वता का प्रतीक है, बल्कि बिहार और दिल्ली के करोड़ों छठ श्रद्धालुओं की लोक आस्था का अपमान है। उनका यह बयान घोर निंदनीय है।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

राहुल गांधी विदेशी नेता

देशी नहीं, विदेशी नेता है राहुल गांधी। उन्होंने 2015 से 2019 के बीच 247 विदेश यात्राएं की। औसतन हर एक साल 50 से अधिक विदेशी यात्राएं। इसमें वह यात्राएं शामिल नहीं हैं जो उन्होंने चोरी से की। ऐसे नेता पर देश कभी भरोसा नहीं कर सकता।

- केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम, उप्र

मूल्यांकन और मूल्य

मूल्यांकन और मूल्य एक ही नहीं हैं। मूल्यांकन और वास्तविक मूल्य के बीच की विशाल खाई एक गहरी खाई की तरह इतनी चौड़ी होती जा रही है कि यह हमारे वित्तीय बाजारों को निगल सकती है।

- शेखर कपूर, फिल्मकार

करंट अफेयर

सक्रिय रूप से यूरेनियम संवर्धन नहीं कर रहा ईरान

संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था के प्रमुख ने बताया कि ऐसा प्रतीत नहीं होता कि ईरान सक्रिय रूप से यूरेनियम का संवर्धन कर रहा है, लेकिन एजेंसी ने हाल में देश के परमाणु स्थलों पर फिर से गतिविधियां देखी हैं। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक राफेल मारियानो ग्रॉसी ने 'एसोसिएटेड प्रेस' से कहा कि ईरानी परमाणु स्थलों तक पहुंच न होने के बावजूद, निरीक्षकों को उपग्रह चित्रों में ऐसी कोई गतिविधि नहीं दिखी है जिससे यह संकेत मिले कि इस्लामिक गणराज्य ने जून में इजराइल के साथ 12 दिन के युद्ध के बाद अपने यूरेनियम संवर्धन को पहले से अधिक तेज किया है। ग्रॉसी ने न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक साक्षात्कार में कहा, हालांकि, 60 प्रतिशत संवर्धित परमाणु सामग्री अब भी ईरान में है। और यह उन बिंदुओं में से एक है जिस पर हम चर्चा कर रहे हैं क्योंकि हमें वहां वापस जाकर यह पुष्टि करनी होगी कि सामग्री वहां है और उसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए इस्तेमाल तो नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा, यह बहुत-बहुत महत्वपूर्ण है। ग्रॉसी ने कहा कि हालांकि, निरीक्षकों ने उन जगहों के आसपास गतिविधियां देखी है जहां भंडार रखा गया है। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त पहुंच के बिना, आईएईए को उपग्रह चित्रों पर निर्भर रहना पड़ता है, जो केवल कुछ ही जानकारी दिखा सकते हैं।

ऑफ बीट

महाराजा चार्ल्स और महारानी कैमिला नेसडेन मंदिर पहुंचे

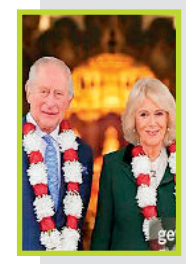

ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय और महारानी कैमिला ने लंदन में बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर, जिसे नेसडेन मंदिर के नाम से जाना जाता है, की 30वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रार्थना और धार्मिक अनुष्ठानों में हिस्सा लिया। महाराजा (76) का स्वागत मुख्य पुजारी साधु योगविवेकदास स्वामी द्वारा पारंपरिक नादचड़ी या शांति और मैत्री के प्रतीक पवित्र धागा बांधने की रस्म के साथ किया गया। प्रवेश द्वार पर अपने जूते उतारने वाले राजपरिवार के सदस्यों को मोतियों से बंधे फूलों की माला पहनाई गई, जिसके बाद उन्हें अलंकृत मंदिर परिसर का भ्रमण कराया गया - यह यूरोप का पहला पारंपरिक हिंदू पत्थर मंदिर है, जिसका उद्घाटन अगस्त 1995 में हुआ था। मंदिर के प्रमुख देवता भगवान स्वामीनारायण की पवित्र प्रतिमा पर 11 वर्षीय स्कूली छात्र देव पटेल ने पुष्पांजलि अर्पित की, जबकि महाराजा ने हाथ जोड़कर नमस्कार किया। उन्होंने दक्षिण-पूर्व लंदन से आए पटेल परिवार द्वारा भगवान स्वामीनारायण के किशोर रूप श्री नीलकंठ वर्णी महाराज के अभिषेक समारोह का अवलोकन करने के बाद आभार व्यक्त किया और उपस्थित लोगों को दिवाली की शुभकामनाएं दीं। दिवाली का त्योहार 20 अक्टूबर को था। साधु योगविवेकदास ने अपने स्वागत भाषण में कहा, यह मंदिर ईश्वर का घर है।

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

वारंगल, तेलंगाना

कोलकाता

कमजोर पड़ा मोंथा, लेकिन कई राज्यों में भारी बारिश

चक्रवाती तूफान तेलंगाना पर कमज़ोर होकर गहरे दबाव के क्षेत्र में बदला

आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और उड़ीसा में काफी नुकसान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दो तीन दिनों तक कहर बरपाने के बाद, भीषण चक्रवाती तूफ़ान लगातार कमजोर हो रहा है। लेकिन, इसका असर कई राज्यों में देखा जा रहा है। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार में भी बारिश जारी है। यूपी के लखनऊ-कानपुर समेत 15 शहरों में बारिश हो रही है। काशी में बारिश से जलभराव हो गया है। नेपाल तक इस चक्रवात का असर है। मोन्था के प्रभाव से हुई अत्यधिक बारिश के बाद तेलंगाना के वारंगल और हनमकोंडा कस्बे गुरुवार को जलमग्न रहे। यह तूफ़ान तटीय आंध्र प्रदेश और उससे सटे तेलंगाना पर कमज़ोर होकर एक गहरे दबाव के क्षेत्र में बदल गया। चक्रवात 'मोंथा' का असर शनिवार तक बने रहने की संभावना है।

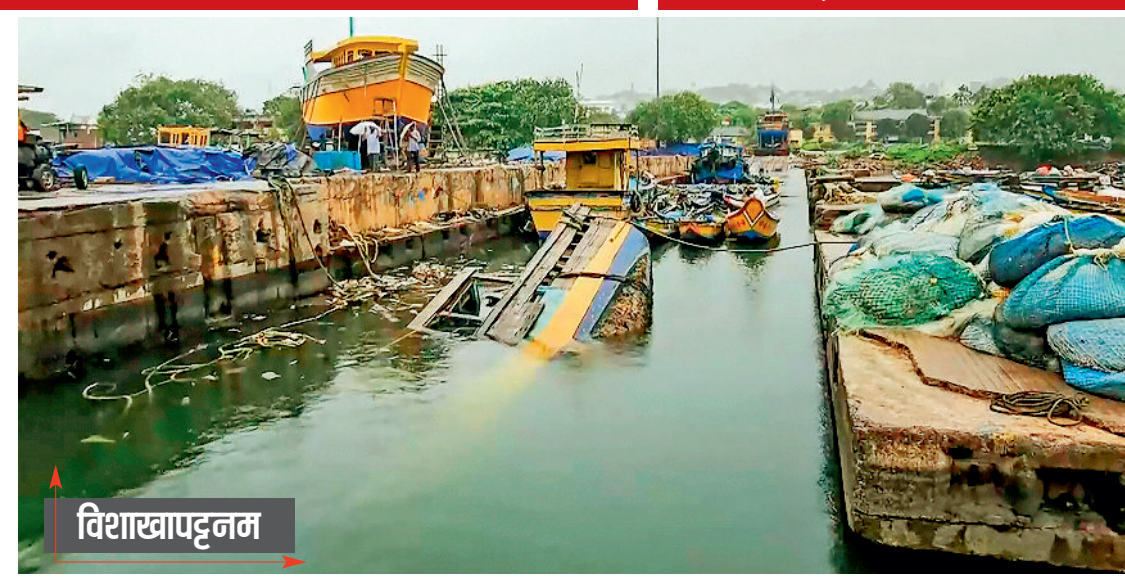
विशाखापट्टनम

डेढ़ लाख एकड़ में फसल बर्बाद

चक्रवात मोन्था ने आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और उड़ीसा में काफी नुकसान किया है। आंध्र प्रदेश में तीन लोगों की मौत हो गई, 42 मवेशी मारे गए और करीब 1.5 लाख एकड़ में खड़ी फसलें बर्बाद हो गईं। तेलंगाना के कई हिस्सों में तेज बारिश जारी है। सूर्यापेट में पेड़ गिरने से बाइक सवार की मौत हो गई। खम्मम जिले में एक ट्रक ड्राइवर के बह जाने की भी खबर है।

नेपाल में 'मोंथा' बरपा रहा कहर

उधर, नेपाल में चक्रवात 'मोन्था' के असर से लगातार बारिश और बर्फबारी हो रही है। नेपाली मौसम विभाग ने 26 जिलों में बाढ़ और भूस्खलन का अलर्ट जारी किया है। वहां 'मोन्था' के असर से लगातार बारिश और बर्फबारी हो रही है। मौसम विभाग ने 26 जिलों में बाढ़ और भूस्खलन का अलर्ट जारी किया है। कोशी, मधेश और बागमती प्रांतों की नदियों में जलस्तर तेजी से बढ़ने की आशंका जताई गई है। इस बीच, मनांग जिले में भारी बर्फबारी के बाद नेपाली सेना ने 1,500 से ज्यादा फंसे पर्यटकों को सुरक्षित निकाला।

बिहार विधानसभा चुनाव

नालंदा की सभा में बोले गृहमंत्री शाह

'ये चुनाव उस 'जंगलराज' को रोकने के लिए, जो अपना वेष बदलकर आएगा'

बिहार में 6 व 11 नवंबर को होगी वोटिंग, 14 को नतीजे

एजेंसी ▶▶| नालंदा

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण से पहले सियासी संग्राम तेज हो गया है। बिहार के नालंदा जिले के हिलसा में जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जमकर महागठबंधन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, ये चुनाव किसी को विधायक या मंत्री बनाने के लिए नहीं हैं। ये चुनाव उस 'जंगलराज' को रोकने के लिए हैं, जो अपना वेष बदलकर आएगा। लालू-राबड़ी के शासन में 38 नरसंहार हुए। नालंदा के कई लोग मौत के घाट उतरे गए थे। किडनैपिंग, हत्या, लूट जैसे गैरकानूनी काम होते थे। लेकिन नीतीश ने इस धंधे पर रोक लगा दिया और लालू के आतंक को समाप्त कर दिया।

शाह ने गुरुवार को लखीसराय, मुंगेर और नालंदा में जनसभा को संबोधित किया। मुंगेर में उन्होंने कहा कि, कहा जाता है कि मुंगेर में सीता माता ने छठ पूजा की थी। देश-दुनिया में लोगों ने छठ पूजा की। कल राहुल बाबा आए थे उन्हें ये सब नहीं पता कैसे पता होगा। उनका ननिहाल इटली में है। वो कह रहे हैं छठ मइया की पूजा एक ड्रामा है। नौटंकी है। मोदी जी का आप अपमान करो तब तक तो ठीक है, लेकिन राहुल भइया आपने छठ मइया का अपमान किया है। बिहार की जनता अपना पर्चा जरूर दिखाएगी। कांग्रेस वालों ने जब-जब मोदी जी के लिए अपशब्द कहे तब-तब देश की जनता ने जवाब दिया है। राहुल बाबा की यात्रा में मोदी जी की मां को गाली दी। 2002 से 2025 तक का इतिहास है जब-जब मोदी का अपमान हुआ, कमल का फूल उतना ही खिला है। शाह ने कहा कि, ना बिहार में CM की कुर्सी खाली है। ना ही देश में पीएम की कुर्सी खाली है। यहां नीतीश हैं। वहां मोदी हैं। लालू और सोनिया अपने बेटों को पीएम और सीएम बनाने का सपना छोड़ दें तो अच्छा होगा।

'इस मर्द से ज्यादा दम उस महिला में था' इंदिरा का जिक्र कर मोदी पर निशाना

राहुल ने कहा, 'मोदी डरपोक, उनमें कहने का दम नहीं कि ट्रंप झूठ बोल रहे'

हरिभूमि न्यूज.नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'ऑपरेशन सिंदूर' रुकवाने का दावा करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 50 बार अपमान किया है, लेकिन मोदी 'डरपोक' हैं और उनमें यह कहने का दम नहीं है कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं। राहुल गांधी ने बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम के समय का उल्लेख करते हुए कहा, '1971 में अमेरिका ने अपनी नौसेना का सातवां बेड़ा भेजा, लेकिन इंदिरा गांधी ने साफ कह दिया था कि हम आपकी नौसेना से नहीं डरते, हमें जो करना होगा, हम करेंगे।'' उन्होंने आगे कहा, 'इंदिरा गांधी महिला थीं, लेकिन इस मर्द (मोदी) से ज्यादा दम उस महिला (इंदिरा गांधी) में था।' राहुल ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाने संबंधी ट्रंप के दावे का हवाला देते हुए कहा, 'अमेरिकी राष्ट्रपति ने 50 बार भारत के प्रधानमंत्री का अपमान किया...ट्रंप ने कहा कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर रुकवाया। अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा कि सात विमान गिराए गए। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी में यह कहने का दम नहीं है कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं।'

तहव्वुर राणा को लेकर भारत ने अमेरिका से मांगी मदद

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

26/11 मुंबई हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा से जुड़ी हुई बड़ी खबर है। भारत ने मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर राणा के पाकिस्तान कनेक्शन की जांच में अमेरिका से मदद मांगी है। इस संबंध में एनआईए ने अमेरिकी अधिकारियों को औपचारिक रूप से सवाल भेजे हैं ताकि राणा के पाकिस्तानी-कनाडाई मूल के संबंधों की जानकारी मिल सके. सूत्रों के मुताबिक, इस मामले में अमेरिका की ओर से जवाब का इंतजार है। लंबे समय से अमेरिका में बंद राणा को 10 अप्रैल 2025 को अमेरिकी मार्शल्स ने दिल्ली लाकर एनआईए के हवाले कर दिया था। राणा पर भारत में कुल 10 गंभीर आपराधिक धाराओं के तहत केस दर्ज है। इन धाराओं में हत्या, आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होना और भारत में साजिश रचना जैसे संगीन आरोप शामिल हैं।

बता दें कि 26 नवंबर 2008 को पाकिस्तान से समुद्री रास्ते भारत पहुंचे 10 आतंकवादियों ने मुंबई में हमला किया था। करीब 60 घंटे तक चले हमले में ताज होटल, ओबेरॉय होटल, शिवाजी टर्मिनस और नरीमन हाउस यहूदी केंद्र को निशाना बनाया गया था। इस हमले में 166 लोगों की मौत हुई थी, जबकि सैकड़ों लोग घायल हुए थे। अब सबकी निगाहें 7 अगस्त पर टिकी हैं, जब पटियाला हाउस कोर्ट यह साफ करेगा कि तहव्वुर राणा को अपने परिवार से बातचीत कर निजी वकील रखने की अनुमति दी जाएगी या नहीं. हालांकि, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) तथा तिहाड़ जेल प्रशासन ने अपने जवाब में उसे अनुमति नहीं दिए जाने की बात कही है।

लालू राज में मिला अंधकार, एनडीए राज में हीरा बना विकास का आधार : नड्डा

पटना। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गुरुवार को बिहार के बख्तियापुर विधानसभा क्षेत्र के हरनौत में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जिस भी राज्य में एनडीए की सरकार आए वाहन विकास हुआ जहां नहीं आई वहाँ विकास रुक सा गया। लालू राज में बिहार अंधकार में था। आज बिहार को जब हम देखतेहैं मोदी के आशीर्वाद और नीतीश कुमार की मेहनत से बिहार अग्रणी राज्य की सूची में जुड़ गया है। यह परिवर्तन आपकी वोट कि ताकत से आती है। उन्होंने सभी से जनता दल यूनाइटेड के उम्मीदवार को जीतने की अपील की। उन्होंने आधारभूत संरचना में बिहार में आए बड़े बदलाव को सभी को बताया। उन्होंने कहा कि हाई वे, इंटरनेट, रेलवे और एयरपोर्ट को विकसित किया गया है, जो विकास के माध्यम है। उन्होंने मखाना बोर्ड, भागलपुरी सिल्क, मधुबनी पेंटिंग को विश्व स्तर तक पहुँचने के लिए सरकार के प्रयासों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि राजद के दौर में तेल पिलावन , लाठी घुमावन रैली की गई। जिसके माध्यम से खौफ, डर पैदा कर शासन चलाना चाहते थे। बिहार में अपहरण उद्योग चलता था। उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल को रंगदारी, जंगलराज और दादागिरी की पार्टी बताया।

बिहार को कब्जाना चाहता है एनडीए, विकास की नीयत नहीं

पटना। पटना में महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने एनडीए पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि गृह मंत्री अमित शाह कहते हैं कि बिहार में जमीन की दिक्कत है, इसलिए उद्योग नहीं लग सकते। मैंने ऐसा गृह मंत्री नहीं देखा जो खुद अपने बयान से बिहार के युवाओं का मनोबल गिराए। असल में, इनके पास बिहार को विकास की राह पर ले जाने की नीयत ही नहीं है। तेजस्वी ने कहा कि भाजपा और उसके सहयोगी बिहार को कब्जाना चाहते हैं, सुधारना नहीं, और राज्य के बेटे ही बिहार के असली हितैषी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एनडीए के पास बिहार के विकास की नीयत नहीं है और अब जनता समझ चुकी है कि महागठबंधन ही बिहार का असली हितैषी है। तेजस्वी ने कहा कि एनडीए आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश कर रहा है, पर बिहार की जनता अब जाग चुकी है और अपना हक खुद तय करेगी। उन्होंने चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाया और आरोप लगाया कि आचार संहिता के बीच महिलाओं को पैसा देकर एनडीए मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश कर रहा है।

MUNICIPAL COUNCIL BHATGAON, DISTRICT-SURAJPUR

E-Procurement Tender Notice

Main Portal: https://eproc.cgstate.gov.in,
UDD Portal: https://uad.cg.gov.in
NO:1287/NIT/BHATGAON/S/2025-26 BHATGAON Dated-29/10/2025

Online bids are invited for the following works of Items up to:

Start Date and Time 29/10/2025 (Start date & time of Bid preparation) at 17:31 PM on wards.

NO.	SYSTEM TENDER NO	Name of Work	Probable Amount of Contract
1	178249	Construction of mini stadium at ward no. 05	Rs. 190.40 Lacs

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-proc Portal https://eproc.cgstate.gov.in on Sub Portal of Urban Administration and development Department. https://eproc.cgstate.gov.in from (Start Time) Date 29-10-2025 17:31 PM and Bid Due Date & Time 14-11-2025 Before 17.30 PM onwards.

Chief Municipal Officer
Municipal Council Bhatgaon
District-Surajpur (C.G.)

1 से 15 नवंबर तक मनाया जाएगा 'भारत पर्व'

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि इस बार सरदार पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर भव्य आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हर साल राष्ट्रीय एकता दिवस पर विशाल परेड का आयोजन किया जाएगा। इस परेड में केंद्रीय शस्त्र बलों सहित विभिन्न राज्यों की पुलिस टीमें भी शामिल होंगी। गृह मंत्री अमित शाह ने पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अब हर साल सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में हर 31 अक्टूबर को गुजरात के एकता नगर में भव्य परेड आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में 1 से 15 नवंबर तक भारत पर्व 2025 मनाया जाएगा। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को सुबह सात बजकर 55 मिनट से शुरू होने वाली पहली परेड में हिस्सा लेंगे। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस ने देश को सरदार वल्लभभाई पटेल को भुलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी, उनकी कोई मूर्ति या स्मारक नहीं बनवाया। महात्मा गांधी के साथ सरदार पटेल भारत के स्वतंत्रता संग्राम की रीढ़ थे।

'दिल्ली दंगे स्वतःस्फूर्त नहीं मकसद था सत्ता परिवर्तन'

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में उमर खालिद, शरजील इमाम, मीरान हैदर, गुलफिशा फातिमा और अन्य आरोपियों की जमानत का विरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट में दाखिल करने के लिए एक हलफनामा तैयार किया है। पुलिस का दावा है कि यह हिंसा एक सुनियोजित 'सत्ता-परिवर्तन अभियान' का हिस्सा थी। पुलिस के अनुसार, दंगे स्वतःस्फूर्त नहीं थे। हलफनामे में, पुलिस ने कहा है कि यह देश में शांति भंग करने और वैश्विक स्तर पर भारत की छवि को नुकसान पहुँचाने का एक सुनियोजित प्रयास था। यह घटनाक्रम दिल्ली सुप्रीम कोर्ट द्वारा 2020 की हिंसा से संबंधित यूएपीए मामले में खालिद और अन्य को जमानत देने से इनकार करने के बाद आया है। पुलिस ने कहा कि उन्होंने गवाहों के बयान, दस्तावेज और तकनीकी साक्ष्य एकत्र किए हैं जो आरोपियों को 'सांप्रदायिक आधार पर रची गई एक गहरी साजिश' से जोड़ते हैं। पुलिस का कहना है कि यह अशांति नागरिकता (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ असंतोष को हथियार बनाकर 'भारत की संप्रभुता और अखंडता पर प्रहार करने के लिए रची गई थी'। दिल्ली पुलिस ने कहा कि हिंसा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान उनकी भारत यात्रा के समय को ध्यान में रखकर की गई थी, ताकि अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया जा सके और देश की नकारात्मक छवि बनाई जा सके। पुलिस ने कहा कि सीएए मुद्दे को 'शांतिपूर्ण विरोध के रूप में कट्टरपंथीकरण उत्प्रेरक के रूप में इस्तेमाल करने के लिए सावधानीपूर्वक चुना गया था।' दिल्ली पुलिस ने उमर खालिद, शरजील इमाम, मीरान हैदर और गुलफिशा फातिमा सहित याचिकाकर्ताओं पर 'तुच्छ आवेदनों' और 'सुनियोजित असहयोग' के माध्यम से मुकदमे की कार्यवाही में व्यवस्थित रूप से देरी करने का आरोप लगाया है।

BAJAJ FINANCE

सोने के गहनों की नीलामी के लिए समाचार पत्र में सार्वजनिक सूचना

बजाज फाईनान्स लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालयः मुंबई–पुणे रोड, अकुर्दी, पुणे–411035

BFL सभी ऋणियों और सर्वसाधारण को सूचित करता है कि गोल्ड लोन लेते समय ऋणी ने बतौर सेक्युरिटी अपने लोन खाते में सोने के गहने गिरवी रखे और बार–बार नोटिस दिए जाने के बावजूद जो ऋणी लोन की राशि चुकाने या आवश्यक मार्जिन देने में विफल रहे उनके गहने 'जहां है जैसा है और जो है जैसा है' आधार पर नीलाम किए जाएंगे। निविदा करने वालों से अनुरोध है कि नीचे दी गई शर्तों का पालन करें:

(क) क्यूआर कोड स्कैन कर सार्वजनिक सूचना (लोन, गहनों का सकल वजन, स्थान और नीलामी की तिथि) की सम्पूर्ण जानकारी देखें।
(ख) सार्वजनिक नीलामी से संबंधित निविदा के सभी नियम और शर्तें (''टी एण्ड सी'') वेबलिंक http://172.30.1.235:3000/?WOUB2QG9WU के माध्यम से पढ़ें;
(ग) नियम और शर्तें समझ लें और उसके बाद ही नीलामी की तिथि या उससे पहले बतौर अग्रिम जमा राशि रु.25,000 फंड ट्रांसफर (एनईएफटी/आरटीजीएस/बजाज गोल्ड ऑक्शन ऐप) कर दें;
(घ) नीलामी के स्थान पर सुबह 10 बजे तक व्यक्तिगत उपस्थिति दर्ज करें; तथा
(ङ) नीलामी के स्थान पर अपना पहचान और पते का वैध प्रमाण लेकर आएं।
(च) नीलामी की दिन में दोपहर 12 बजे के बाद नीलामी में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
(छ) शाखा प्रबंधक/नीलामीकर्ता को बोली लगाने वालों की भागीदारी स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार है, यदि वे निर्धारित समय सीमा में भाग नहीं लेते हैं, चाहे वे अग्रिम राशि जमा राशि (ईएमडी) का भुगतान कर चुके हो।

स्कैन करें

नीलामी के स्थान और तिथि में परिवर्तन, यदि कोई हो, तो उसकी सूचना नीलामी केंद्र पर प्रदर्शित की जाएगी। आपका निविदा करना उपरोक्त शर्तों पर सहमत होना माना जाएगा। यदि सार्वजनिक नीलामी से बिक्री निलंबित/निरस्त होती है तो बीएफएल ऋणी(ऋणियों) के कहने पर निजी तौर पर गहनों की बिक्री करने का अधिकार भी सुरक्षित रखती है। अतिरिक्त जानकारी के लिए हमसे इस ईमेल आईडी पर संपर्क करे – gold.auction@bajajfinserv.in

(10-12-25): भिलाई जीई रोड; PBX2G0L14291335. बिलासपुर अग्रसेन चौक; PGJ8G0L14254372, 14320575. (11-12-25) अंबिकापूर – अम्बेडकर चौक; PLI4G0L14071723, 14130562. (12-12-25) बिलासपुर मुंगेली नाका; PCZ5G0L13979684, 14088584, 14206332, 14245419. बिलासपुर - सरकंडा; P42HG0L13912666, 13910541, 13976641, 13976992, 14030281, 14097033, 14136626, 14130742, 14203522, 14247552. (15-12-25) कोरबा – सीएसईबी चौक; PEQ2G0L13860306, 13875061, 13976746, 14033030, 14134135, 14184415, 14226745, 14293690. (16-12-25) दुर्ग – स्टेशन रोड; P08IG0L14081322, 14178208, 14253936. कटघोरा - BGL; P25EG0L14070345, 14096568, 14249619, 14312264, 14338231. (17-12-25) मनेन्द्रगढ़ - BGL; PV99G0L13927430, 13977616, 14055743, 14071963, 14097629, 14138380, 14138884, 14177186, 14276181, 14273115, 14312726. रायगढ़ – जगतपूर; PLI6G0L14155845. (18-12-25) रायपूर – पाचपेडी नाका; PLI9G0L14174627, 14322489. रायपुर – पियांक टावर; PEN5G0L13884873, 13978651, 14040630, 14336076. (19-12-25) रायपुर - टेलीबांधा रोड; PF45G0L13879382, 13908465, 13980347, 14018012, 14038467, 14034311, 14058547, 14061650, 14050631, 14185556, 14173822, 14244999, 14294305. राजनंदगाँव–ग्रेट ईस्टर्न रोड; PEN6G0L14091568, 14201985, 14222469.

बजाज फाईनान्स लिमिटेड

छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल
पर्यावास भवन, नार्थ ब्लाक, सेक्टर–19, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर (छ.ग.)

// सर्व संबंधित को सूचना //

भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली की ई.आई.ए. अधिसूचना दिनांक 14/09/2006 (यथा संशोधित) के अन्तर्गत सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेसर्स मॉ कुदरगढ़ी स्टील्स प्राईवेट लिमिटेड, ग्राम-सपनादर, तहसील- मैनपाट, जिला सरगुजा (छ.ग.) स्थित खसरा क्रमांक 1, 2/1, 2/2, 3, 27, 37, 38, 39/1, 39/2, 44, 45, 46, 47/1, 47/2, 47/3, 47/4, 47/5, 48, 49, 50, 51, 52/1, 53, 65, 66, 297, 303, 303, 303, 1/3, 1/28, 1/19, 1/20, 1/21, 1/26, 81, 82, 83, 84, 85, 86/4, 86/1, 86/2, 86, 86/5, 92/7, 92/4, 2/5, 92/6, 92/21, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106/7, 106/9, 106/2, 106, 106/3, 106, 106/1, 106, 106/5, 106, 106/8, 107, 108, 109/4, 109/1, 109/1, 109/3, 110, 111, 112, 113, 115, 116, 117, 118, 119/5, 119/5, 119/5, 119/5, 119/5, 119/5, 119/4, 20, 121/30, 121/32, 160 / 4 एवं 307/309 कुल क्षेत्रफल 171.136 हेक्टेयर में माईनिंग ऑफ बाक्साईट उत्खनन क्षमता- 1,27,800 टन प्रतिवर्ष की पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई बावत् मुख्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर में आवेदन किया गया है। उक्त परियोजना के संबंध में आपत्तियां / सुझाव / विचार, टीका-टिप्पणियाँ, इस सूचना के जारी होने के दिनांक से 30 दिवस के भीतर क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल, कन्या परिसर रोड, शासकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय के पास, नमनाकला गंगापुर, अंबिकापुर, जिला सरगुजा (छ.ग.) के कार्यालय में मौखिक या लिखित रूप से कार्यालयीन समय में प्रस्तुत की जा सकती है। इन परियोजना के लिए लोक सुनवाई दिनांक 02/12/2025 को समय 11:00 बजे स्थल - शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कमलेश्वरपुर के समीप हैलीपैड मैदान ग्राम- कमलेश्वरपुर, तहसील-मैनपाट, जिला सरगुजा (छ.ग.) में नियत की गई है। यह भी सूचित हो कि :-

1. लोक सुनवाई में सम्मिलित होने वाले व्यक्तियों द्वारा मास्क का उपयोग किया जावेगा तथा समय-समय पर सेनेटाईजर का उपयोग किया जाना अनिवार्य होगा।
2. कोरोना वायरस के नियंत्रण एवं रोकथाम हेतु शासन द्वारा जारी समस्त दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन किया जाना अनिवार्य होगा।

ई.आई.ए. अधिसूचना दिनांक 14/09/2006 (यथा संशोधित) के प्रावधानों के अनुसार ड्राफ्ट ई.आई.ए. रिपोर्ट, कार्यपालक सार की प्रतियां (हिन्दी व अंग्रेजी में) एवं इसकी सी.डी. (साफ्ट कॉपी) जन सामान्य के अवलोकन / पठन हेतु डॉयरेक्टर, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोरबाग रोड, नई दिल्ली, साईंटिस्ट 'डी', एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, अरण्य भवन, नार्थ ब्लाक, सेक्टर-19 नवा रायपुर अटल नगर, जिला-रायपुर, कार्यालय कलेक्टर, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत कार्यालय, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, अनुविभागीय अधिकारी (रा.). कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) मैनपाट, जिला सरगुजा (छ.ग.), खनिज अधिकारी, कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, कार्यालय महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, सरपंच / सचिव, ग्राम पंचायत सपनादर, कमलेश्वपुर, बिसरपानी, समनिया, रोपाखार, कुनिया, कर्दना, मालतीपुर, गोविन्दपुर, सुपलगा, तह. -मैनपाट, जिला सरगुजा (छ.ग.), सदस्य सचिव, मुख्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल, पर्यावास भवन, नार्थ ब्लाक, सेक्टर-19 नवा रायपुर अटल नगर, जिला-रायपुर (छ.ग.) एवं क्षेत्रीय अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल, कन्या परिसर रोड, शासकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय के पास नमनाकला गंगापुर, तह.-अंबिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.) में रखी गई है।

हस्ता/- सदस्य सचिव
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल
नवा रायपुर अटल नगर, जिला-रायपुर (छ.ग.)

खड़गे के गृहक्षेत्र में आरएसएस मार्च को अनुमति

बेंगलुरू। कर्नाटक के यादगीर जिले के गुरमितकल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को पथ संचलन निकालने की अनुमति मिल गई है। यह इलाका कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का गृह क्षेत्र माना जाता है। प्रशासन ने बुधवार को आदेश जारी कर 1 नवंबर (शुक्रवार) को होने वाले इस मार्च के लिए मंजूरी दी। यह आयोजन आरएसएस की शताब्दी वर्षगांठ के मौके पर हो रहा है। यादगीर जिला प्रशासन ने पथ संचलन की मंजूरी देते समय 10 सख्त शर्तें लगाई हैं। आरएसएस के मार्च का जो रास्ता तय किया गया है, उसमें सम्राट सर्कल, एपीएमसी सर्कल, हनुमान मंदिर, मराठवाड़ी, पुलिस स्टेशन रोड, मिलन चौक और सिहिनेहरू बावी मार्केट मेन रोड से होते हुए राम नगर में इसका समापन होगा। पथ संचलन के दौरान पूरे मार्ग पर पुलिस बल तैनात रहेगा।

भारतीय स्टेट बैंक | क्षेत्रीय व्यावसायिक कार्यालय क्षेत्र-1, बलराम टाकीज के समीप, सिंधी कॉलोनी, बिलासपुर 495001 (छ.ग.)

भारतीय स्टेट बैंक की शाखा हेतु व्यवसायिक भवन की आवश्यकता है

भारतीय स्टेट बैंक की ओर से **एसबीआई क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय बिलासपुर** के अंतर्गत नवीन शाखा हेतु स्थान गौरव पथ, रिंग रोड नंबर 2, बिलासपुर, तहसील - बिलासपुर, जिला- बिलासपुर (छ.ग.) 495001 में नीचे दिए विवरण के अनुसार अच्छी दृश्यता, पर्याप्त बिजली व पानी सहित सभी सुविधाओं से सुसज्जित भू-तल पर वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में फ्लाट, तैयार निर्मित परिसर के मालिकों से प्रस्ताव आमंत्रित करता है। परिसर में पर्याप्त पार्किंग क्षेत्र और अग्रभाग होना चाहिए। इच्छुक परिसर मालिक/ पावर ऑफ अटॉर्नी धारक जो बैंक की आवश्यकताओं के अनुसार परिसर में परिवर्धन और परिवर्तन के लिए सहमत है, वे तकनीकी बोली (Technical Bid) और मूल्य बोली (Financial Bid) के आधार पर बैंक के निर्धारित प्रारूप में दो अलग अलग मुहरबंद लिफाफों पर तकनीकी बोली (Technical Bid) और मूल्य बोली (Financial Bid) लिखकर **क्षेत्रीय प्रबन्धक, भारतीय स्टेट बैंक के पक्ष में, क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय, भारतीय स्टेट बैंक क्षेत्र-1, बिलासपुर, बलराम टाकीज के समीप, सिंधी कॉलोनी, बिलासपुर 495001 (छ ग)** में **दिनांक 20.11.2025 दोपहर 03:00 बजे तक** अपने प्रस्ताव जमा करावें । तकनीकी मूल्य बोली और मूल्य बोली का प्रारूप हमारी आधिकारिक वेबसाइट **https://www.sbi.co.in** में प्रोक्यूरमेंट न्यूज से डाउनलोड किया जा सकता है या **दिनांक 20.11.2025** तक किसी भी कार्यदिवस में बैंकिंग समय में व्यक्तिगत रूप से अधोहस्ताक्षरित/ क्षेत्रीय प्रबंधक के कार्यालय से एकत्र किया जा सकता है। Procurement News के तहत हमारी वैबसाइट **https://www.sbi.co.in/web/sbi-in-the-news/procurement-news** पर अपलोड किए गए प्रारूप के अलावा किसी भी बोली पर विचार नहीं किया जाएगा। देर से या अधूरे मिले प्रस्तावों को स्वीकार नहीं किया जाएगा । सार्वजनिक क्षेत्रों की एकाइयों/ सरकारी विभागों को प्राथमिकता दी जाएगी। अन्य सेवा शर्तें एवं नियम Procurement News के तहत हमारी वैबसाइट **https://www.sbi.co.in** पर अपलोड किए गए टेंडर नोटिस अनुसार रहेगी। एसबीआई किसी भी/ सभी प्रस्तावों को बिना कारण बताये स्वीकार करने या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

क्र. सं.	वांछित/ पसंदीदा स्थान	बिजली कनैक्शन	वांछित क्षेत्रफल (वर्गफुट में लगभग)	अग्र भाग (लगभग)
1	गौरव पथ, रिंग रोड नंबर 2, बिलासपुर मुख्य मार्ग और भूतल पर, स्थान - बिलासपुर, तहसील- बिलासपुर, जिला- बिलासपुर (छ.ग) 495001	30 KW / शाखा कि आवश्यकता अनुसार	3000 वर्गफीट लगभग (बिल्ड अप एरिया), वाहन पार्किंग शेड क्षेत्रफल 1000 वर्ग फीट लगभग एवं जेनरटर हेतु 80-100 वर्गफीट.	30-40 फिट

सहायक महाप्रबंधक (क्षेत्रीय प्रबंधक)
भारतीय स्टेट बैंक, क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय, बिलासपुर

रोचक / शिखर चंद जैन

बच्चों के मन को भाती प्यारी-अनोखी डॉल्स

बच्चो, तुम सभी को डॉल्स यानी गुड़ियों से खेलने में बहुत मजा आता होगा, है न! तुम ही नहीं दुनिया के अनेक देशों में रहने वाले बच्चे भी डॉल्स के संग खेलना पसंद करते हैं। जानो, देश-दुनिया में फेमस कुछ प्यारी-अनोखी डॉल्स के बारे में।

अमेरिका की बार्बी डॉल्स

बार्बी डॉल को अमेरिका की बिजनेस वूमेन रूथ हैंडलर ने 1959 में तैयार किया था। पहली बार्बी डॉल ने चमकीले लाल होंठों के साथ एक स्मार्ट काले और सफेद धारीदार छोटी पोशाक पहनी थी, जो हॉलीवुड एक्ट्रेस मर्लिन मुनरो से प्रेरित थी। धीरे-धीरे बार्बी डॉल्स लोगों, खासकर बच्चों के बीच लोकप्रिय होने लगी। आज बार्बी डॉल केवल अमेरिका ही नहीं दुनिया भर के अनेक देशों में सबसे अधिक पसंद की जाने वाली डॉल मानी जाती है। *

कर्नाटक की चन्नापटना डॉल्स

चन्नापटना खिलौने, लकड़ी से बनने वाले खिलौने और गुड़िया का एक विशेष रूप है, जो कर्नाटक के रामनगर जिले के चन्नापटना शहर में निर्मित किए जाते हैं। चन्नापटना को गोम्बेगाला ऊरू यानी खिलौनों के शहर के नाम से भी जाना जाता है। इन लकड़ी के खिलौनों को चन्नापटना में लाने का श्रेय मैसूर के शासक टीपू सुल्तान को दिया जाता है। उन्होंने स्थानीय कलाकारों को लकड़ी के खिलौने बनाने का प्रशिक्षण देने के लिए फारस से कलाकारों को आमंत्रित किया था, जिससे इस उद्योग को स्थानीय स्तर पर फलने-फूलने में मदद मिली। चन्नापटना खिलौने पूरी तरह रसायन मुक्त यानी केमिकल फ्री होते हैं। इन्हें सब्जियों और पौधों से निकाले गए जैविक रंगों और प्राकृतिक रंगों से रंगा जाता है। आजकल इन्हें बनाने में चंदन और आम की लकड़ी का उपयोग किया जाता है। इनका आकार अधिकतर गोल और कुंद किनारों वाले घनाकार होता है, इसलिए ये बच्चों के लिए पूरी तरह सुरक्षित हैं। चन्नापटना ट्वॉयज को जीआई टैग प्राप्त है। *

जापान की दारुमा डॉल्स

दारुमा, एक पारंपरिक गोल, खोखली डॉल है। यह लचीलेपन, सौभाग्य और आध्यात्मिक एकाग्रता का प्रतीक है। आमतौर पर इनका रंग लाल होता है, लेकिन इसके डिजाइन अलग-अलग होते हैं। इसकी खासियत यह है कि इसकी आंखों में पुतलियां (प्यूपिल्स) नहीं होतीं। लोग इस डॉल से अपनी विश मांगते हैं, जब उनकी विश पूरी हो जाती है तो वे इसकी आंखों में कलर भरते हैं और इसकी पुतलियां बनाते हैं। यह डॉल सफलता तक हार न मानने के लिए प्रचलित एक जापानी मुहावरे 'सात बार गिरती है, आठ बार उठती है' का प्रतीक है। इस डॉल को अगर तुम गिराओगे, तो यह गिरने के बाद फिर से सीधी खड़ी हो जाती है। जापान में नए साल की शुरुआत में लोग दारुमा डॉल्स खरीदते हैं। इसकी एक पुतली पर रंग भरते हुए अपनी कोई इच्छा (विश) मांगते हैं। जब वह इच्छा पूरी हो जाती है, तो गुड़िया की दूसरी पुतली पर भी रंग भर दिया जाता है। इस डॉल को जापान में 'लकी चार्म' माना जाता है। *

आंध्र प्रदेश की कोंडापल्ली डॉल्स

कोंडापल्ली खिलौने या कोंडापल्ली डॉल्स का इतिहास बड़ा ही दिलचस्प है। 16वीं शताब्दी में जब आर्य क्षत्रियों का समुदाय राजस्थान से कोंडापल्ली आया था तो वे अपने साथ खिलौने बनाने की कला भी लाए। पौराणिक मान्यता है कि उन्हें इसे बनाने का कौशल भगवान शिव ने सिखाया था। मंदिरों में इन खिलौनों को कोंडापल्ली बमालू कहा जाता है। ये खिलौने ग्रामीण भारत और हिंदू देवताओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। ये खिलौने टेला पोनिकी (सफेद चंदन की लकड़ी) के बने होते हैं। कोंडापल्ली गुड़िया या खिलौने को बड़ी खूबसूरती से तराशा और रंगा जाता है। अंतिम चरण में इसे अलसी के तेल में डाला जाता है, जिससे यह पानी से खराब नहीं होती। कोंडापल्ली डॉल के एक सेट में 24 डॉल्स मौजूद होती हैं। ये डॉल्स ग्रामीण समाज के विभिन्न वर्गों, जैसे- मछुआरे, पुजारी, जनजातीय लोग, किसान, संगीतकार आदि का चित्रण करती हैं। कई बार इन डॉल्स को कुछ इस तरह बनाया जाता है कि इसके टुकड़े जैसे- शरीर, सिर, कान, सूंड़ और पूंछ आदि अलग-अलग बने होते हैं और फिर उन्हें सोने के तार से जोड़ा जाता है। कोंडापल्ली डॉल्स, आंध्र प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा हैं। कोंडापल्ली डॉल्स आंध्र प्रदेश के जीआई टैग हस्तशिल्प के रूप में भी पंजीकृत हैं। *

बच्चो, हनी बेजर इतना बुद्धिमान, बेखौफ और जुझारू एनिमल है कि जंगल का राजा शेर भी आमतौर पर इससे नहीं टकराता! आकार में छोटे, लेकिन साहस, बुद्धि और ताकत से भरपूर इस अनोखे जंतु के बारे में जानो कुछ अमेजिंग-इंटरेस्टिंग बातें।

बुद्धिमान-साहसी-निडर हनी बेजर

अनोखा जंतु

रेखा शाह आरबी

बच्चो, जंगल में एक से एक आक्रामक, शिकारी और जहरीले जीव-जंतु निवास करते हैं। जंगलों में ही पाया जाने वाला हनी बेजर कई सारी खूबियों से युक्त एक लड़ाका (फाइटर) और बेखौफ जानवर है।

नहीं डरता किसी से: हनी बेजर एक निडर शिकारी जानवर है। जंगल का कोई भी जानवर, चाहे वो कितना भी विशाल, शक्तिशाली या जहरीला क्यों न हो, अगर इससे टकराए, तो यह पलटकर जोरदार वार करता है। यह इतना शक्तिशाली होता है कि कछुए के मजबूत खोल को अपने जबड़े से चीर-फाड़ देता है। यह अपनी मोटी खाल, नुकीले दांत और शक्तिशाली लंबे पंजे के बल पर अपने दुश्मनों को तगड़ी चुनौती देने की ताकत रखता है। आमतौर पर शेर भी हनी बेजर का शिकार नहीं करता, क्योंकि यह देर तक शेर का सामना करने की हिम्मत और ताकत रखता है।

निवास-शारीरिक बनावट और जीवन काल: हनी बेजर का वैज्ञानिक नाम 'मेलिवोरा कैपेंसिस' है। यह भारतीय उपमहाद्वीप से लेकर दक्षिण पश्चिम-एशिया और अफ्रीका में पाया जाता है। भारत में इसे 'बिज्जु' भी कहा जाता है। अपने देश में यह मुख्य रूप से उत्तर भारत के तालाब, नदियों के कगारों पर 25-30 फुट लंबी मांद बनाकर रहता है।

शारीरिक बनावट की बात करें, तो हनी बैजर के शरीर का ऊपरी भाग भूरा, बगल और पेट काला, माथे पर सफेद चौड़ी धारी होती है। इसकी त्वचा बहुत अधिक मोटी (गैंडा, जिराफ, भैंस जैसे जानवरों से भी अधिक मोटी) होती है। इसके पैरों में 5 मजबूत नाखून होते हैं, जो इसे जमीन खोदने में और मांद बनाने में मदद करते हैं। आमतौर पर वयस्क नर हनी बेजर का वजन 9 से 16 किलोग्राम और मादा हनी बेजर का वजन 5 से 10 किलोग्राम होता है। इसकी अनुकूलन क्षमता इसे अलग-अलग और कठोर परिस्थितियों में भी जीवित रहने में सक्षम बनाती है। हनी बेजर लगभग 24 वर्षों तक जीवित रहता है।

हनी बेजर बहुत बुद्धिमान भी होता है। यह शुतुरमुर्ग के अंडों को तोड़ने के लिए पत्थरों का इस्तेमाल करता है। यह दीमक के टीलों पर जाकर लकड़ियां ठोकने के लिए भी पत्थर का इस्तेमाल करता है। *

बुद्धिमान और माहिर शिकारी

हनी बेजर मूल रूप से सांप, बिच्छू, पक्षी, कीड़े, छोटे स्तनधारी, वनस्पति और फल खाता है। हनी बेजर मुश्किल से मुश्किल हालातों में भी भोजन ढूंढ़ने में माहिर होता है। यह दबे हुए शिकार को खोदकर निकाल लेता है। शहद और लार्वा के लिए मधुमक्खियों के छत्ते पर धावा बोल देता है। शिकार कौशल के अलावा यह भागने में भी माहिर होता है। जरूरत पड़ने पर पेड़ों पर चढ़ सकता है। पानी में तैर भी सकता है। मतलब कि यह हर सिचुएशन के हिसाब से अपने आप को ढाल लेता है।

कविता / डॉ. फहीम अहमद

गौरैया

अच्छी लगती है गौरैया,
चीं-चीं की यह तेरी धुन!
तिनका-तिनका जोड़ सुहाना
नीड़ बना लेती कैसे?
नन्हा-मुन्ना घर बनने में,
लगते नहीं तनिक पैसे।
मुझे सिखा दे यही कला तू
मेरी इतनी विनती सुन!
सूरज के उगने से पहले,
नींद तुम्हारी खुल जाती।
मीठी-मीठी हवा बहे तो,
काया तेरी धुल जाती।
बैठ डाल पर चुपके-चुपके,
नई सुबह के सपने बुन!
यहां-वहां से, कहां-कहां से,
लाती है तू चुन-चुन के।
लाकर रोज खिलाती है तू
बच्चों को दाने-दुनके।
मुझे बहुत अच्छा लगता यह
तेरा मेहनत वाला गुन!

हंसगुल्ले

मोनू : इस बार दिवाली पर मैंने एक रॉकेट छोड़ा तो वो सीधा आकाश से जा टकराया।
सोनू (हैरानी से) : अरे! फिर क्या हुआ?
मोनू : फिर क्या, आकाश की मम्मी ने मुझे खूब डांटा और मेरी मम्मी से भी मेरी शिकायत कर दी।
-संभव, रायपुर

चिंटू : अगर आलू किसी की हेल्प करे तो उसे क्या कहेंगे?
मिंटू : क्या कहेंगे?
चिंटू : दयालु।
-पलक, बिलासपुर

सोनू : ऐसी कौन-सी चाय है, जिसे पीने के बाद बहुत बुरा लगता है?
मोनू (देर तक सोचने के बाद) : मुझे नहीं पता, तुम बता दो।
सोनू : गिल्टी।
-कोमल, दुर्ग

जीके क्विज-177

1. किस विश्वप्रसिद्ध फुटबॉलर को साल 2025 का गोल्डन बूट अवार्ड मिला?
2. हाल ही में कहां दीपावली के अवसर पर 26 लाख से भी अधिक दीये जलाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया?
3. सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती को किस दिवस के रूप में मनाते हैं?
4. पिछले दिनों किस तिथि को संयुक्त राष्ट्र दिवस मनाया गया?
5. विश्व प्रसिद्ध पुष्कर मेला किस राज्य में आयोजित होता है?
6. कौन-सा जीवाणु (बैक्टीरिया) दूध को दही में बदल देता है?
7. स्वतंत्र भारत के प्रथम रेल मंत्री कौन बने थे?
8. टेलीस्कोप (दूरबीन) की खोज किसने की थी?
9. विक्टोरिया मेमोरियल भारत के किस शहर में स्थित है?
10. प्रसिद्ध हिंदी उपन्यास 'गोदान' के लेखक कौन हैं?

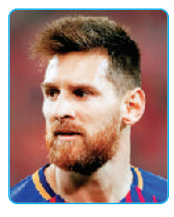

बच्चों, जीके क्विज-177 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-176 का उत्तर : 1.मारिया कोरिना मचाडो, 2.ज्ञानेश कुमार, 3.संयुक्त राज्य अमेरिका, 4.न्यूटन, 5.शतरंज, 6.विटामिन ए, 7.दुग्ध उत्पादन, 8.इंदिरा प्वॉइंट, 9.अरुणाचल प्रदेश, 10.लैक्टोमीटर

जीके क्विज-176 का सही उत्तर देने वाले : तनिष्क-राजनांदगांव, कबीर-हिसार, आद्या-उमरिया, अविनाश-ईमेल से, रमेश-बैकुंठपुर, रजनी-बलरामपुर, श्रद्धा-ईमेल से, कुसुम-बेमेतरा, प्रियांक-बलौदा बाजार, सोहम-कांकेर

कहानी

क्षमा शर्मा

नन्हे अंतरिक्ष ने इतनी जोरों से किक मारी कि उसकी फुटबॉल ना जाने कहां गायब हो गई। दादाजी ने कहा कि लगता है स्पेसशिप बनकर चांद पर चली गई है। यह सुनकर भोले-भाले अंतरिक्ष ने भी फुटबॉल पर बैठकर स्पेस पर जाने की सोची। स्वयं ही नहीं, घर के और लोगों को भी स्पेस पर ले जाने की सोची। लेकिन अंतरिक्ष की फुटबॉल गई कहां, क्या वह उसे मिली? पढ़ो, बहुत मजेदार कहानी।

अंतरिक्ष की फुटबॉल

अंतरिक्ष के बड़े से बगीचे में तरह-तरह के गुलाब, लाल-पीले गेंदे और गुड़हल के गुलाबी फूल खिले हुए थे। बगीचे में हरी-हरी घास थी। शाम के समय कभी पापा, कभी बुआ, कभी मम्मा के साथ अंतरिक्ष टेनिस, बैडमिंटन या फुटबॉल खेलता था। टीवी पर फुटबॉल खिलाड़ियों को देख वैसे ही करतब करने की कोशिश करता। वह अकसर अपने दादाजी से बोलता, 'मैं रोनाल्डो बनूंगा, ऐसे गोल मारूंगा।' कहकर वह अपनी फुटबॉल की तरफ दौड़ता और जोर से किक जमाता। फुटबॉल कभी ऊपर टेरेस पर गिरती, कभी नीम के पेड़ में उलझ जाती। एक रात जब आसमान में पूरा चांद उगा था, अंतरिक्ष ने खेल-खेल में फुटबॉल उछाली, तो वह कहीं अटक गई। उसने फुटबॉल खोजने की कोशिश की लेकिन नहीं मिली।

'कहां गई?' अंतरिक्ष ने मम्मा से पूछा। वह बोलीं, 'कहां गई होगी, बाहर चली गई होगी। अब सवेरे जाकर खोजना।'

बुआ ने कहा, 'क्या पता आसमान में जो एक बड़ा पक्षी उड़ता हुआ दिख रहा था, वही उसे अपनी चोंच में दबाकर उड़ गया हो।'

दादाजी बोले, 'अरे वो पक्षी नहीं, वो जो तीन खरगोश बगीचे में घूमते हैं, हो सकता है, उनमें से कोई उसे मुंह में दबाकर भाग गया हो। अपने बच्चों और दोस्तों के साथ खेल रहा हो।' पापा ने बहुत अलग बात कही, 'मुझे तो लगता है, इसकी फुटबॉल स्पेसशिप बनकर चांद पर चली गई है।'

'स्पेसशिप..!' अंतरिक्ष मुस्कराया फिर कुछ सोचता हुआ बोला, 'अगर मैं उस पर बैठा होता तो मैं भी चांद पर चला जाता।' उसकी बात सुन पापा हंसे। 'ठीक है, मैं अपनी दूसरी फुटबॉल लाता हूं। वह भी स्पेसशिप बन जाएगी। मैं दादाजी के साथ उस पर बैठकर चांद पर जाऊंगा।' अंतरिक्ष ने चहकते हुए कहा। 'फिर वहां क्या करोगे?' पापा ने पूछा। 'दादाजी से मैथ्स पढ़ूंगा। होमवर्क भी कर लूंगा। सुना है चांद पर आइसक्रीम के पहाड़ हैं। खूब आइसक्रीम भी खाऊंगा। आपके लिए भी ले आऊंगा।' अंतरिक्ष ने मजे से जवाब दिया। 'और जब नींद आएगी तो..?' दादी ने पूछा। 'नींद आएगी तो सो जाऊंगा।' अंतरिक्ष ने झट से जवाब दिया। 'मगर कैसे सोओगे। तुम्हें तो तब तक नींद ही नहीं आती, जब तक अपने बिस्तर पर न सोओ। और मम्मा तुम्हें कोई कहानी न सुनाए।' दादी बोलीं। अंतरिक्ष तुरंत बोला, 'वहां मेरे दादाजी होंगे न। वो कहानी सुना देंगे।' अंतरिक्ष एक पल रुककर यह भी बोला, 'मेरे साथ मम्मा, पापा, दादी, मेरी बुआ सब साथ चलेंगे। पूरी छुट्टियां हम वहीं रहेंगे।' 'जितना बड़ा तू, उससे छोटी तेरी फुटबॉल। उसमें बैठकर कौन-कौन जाएगा? उसके लिए तो असली वाला स्पेसशिप लाना पड़ेगा। लेकिन कहां मिलेगा स्पेसशिप?' दादाजी ने पूछा।

'पापा दिलवा देंगे मुझे। मैं उसे चलाना भी सीख लूंगा।' अंतरिक्ष बोला। तभी बगीचे में खड़-खड़ सुनाई दी। देखा कि एक खरगोश गमले में लगी गोभी को खाने के लिए चढ़ा था। उसने दूसरा गमला गिरा दिया। गमला टूट गया था। सारी मिट्टी बिखर गई। 'दादाजी खरगोश!' अंतरिक्ष चिल्लाया। दादाजी बाहर आए और जोर-जोर से खरगोश को डांटते हुए पूछने लगे, 'क्यों भई, अंतरिक्ष की फुटबॉल कहां छिपाकर आए हो? जल्दी वापस लाओ। तुम्हें मालूम नहीं, उसे अपनी फुटबॉल से स्पेसशिप बनाना है और चांद पर जाना है।' कहते हुए दादाजी खरगोश की तरफ बढ़े, तो वह भागकर गमले के पीछे छिप गया और मौका पाते ही गायब हो गया। दादाजी बोले, 'देखो तुम्हारी फुटबॉल लेने गया है। अभी दे जाएगा।' 'लेकिन वह तो चांद पर चली गई।' अंतरिक्ष ने अपनी गोल गोल आंखें घुमाईं। 'क्या पता न गई हो। इसके पास हो। नहीं लाया, तो हो सकता है, जो तुम कह रहे हो वही ठीक हो।' दादाजी को अंतरिक्ष से फुटबॉल की बातें करते बहुत मजा आ रहा था। 'अंतरिक्ष आकर दूध पियो। सोने का समय हो गया। सबेरे टेनिस खेलने जाना है।' मम्मा कह रही थीं।

पापा उसके लिए दूध ले आए। अपने कमरे की तरफ बढ़ते हुए अंतरिक्ष रह-रह कर चांद को देख रहा था। उसे लग रहा था कि गोल चांद ही कहीं उसकी फुटबॉल तो नहीं। वह सोते वक्त बार-बार मम्मा से यही पूछ रहा था, 'अगर फुटबॉल चांद बन गई है, तो वह पीली कैसे हो गई? वह तो लाल थी और इतनी चमक क्यों रही है?' अंतरिक्ष के सोने के बाद दादाजी बाहर गए तो पड़ोस की सिंधु आंटी पेड़ों के बीच से झांकती हुई बोलीं, 'अरे, यह अंतरिक्ष की फुटबॉल हमारे ड्रम में आकर गिर गई थी। अभी पानी निकालने लगे तो दिखाई दी।' पापा ने उसे अंतरिक्ष की कुर्सी पर रख दिया। दादी बोलीं, 'सबेरे उठेगा तो पूछेगा कहां से आई?' 'कह देंगे कि चांद आकर दे गया। कह गया है कि एक रात वह अंतरिक्ष को खुद आकर ले जाएगा।' बुआ ने हंसते हुए धीरे से कहा। रात बहुत हो गई थी। अंतरिक्ष भी मीठे सपनों में खोया था। वह हाथ-पांव फेंक रहा था, जैसे कि फुटबॉल के पीछे दौड़ रहा हो। *

कविता

सूर्यकुमार पांडेय

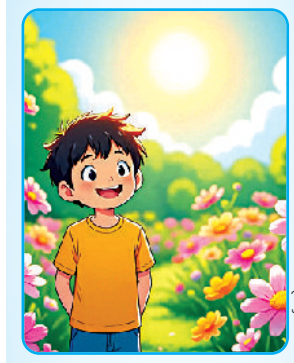

एआई इमेज

हम अच्छे इंसान बनें

बनना है तो चांद बनें,
शीतलता बिखरा दें हम ।
बनना है तो पवन बनें,
घर-घर मस्ती ला दें हम।
बनना है तो धूप बनें,
सबमें गरमाहट भर दें।
बनना है तो मेघ बनें,
धरती पर बारिश कर दें।
बनना है तो फूल बनें,
सभी ओर खुशबू बिखरे।
बनना है तो रूप बनें,
जो हर रोज नया निखरे।
अगर चाहते हैं दुनिया में,
हम भी बड़े-महान बनें।
उसकी पहली शर्त यही है,
हम अच्छे इंसान बनें।

रंग भरो-188

रंग भरो-188 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

मयंक, गुना

तमन्ना, कोरबा

ईशान, ईमेल से

हिताक्षी, महेंद्रगढ़

आस्तिका, चांपा

आन्या, दुर्ग

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

अनिकेत-बिलासपुर, प्रियंका-रायपुर, राजन-भोपाल, कोमल-रोहतक, लोकेश-जबलपुर, कुसुम-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, सोहम-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, राकेश-बालोद, साकेत-हिसार

रंग भरो 189

बच्चो, यहां एक लड़के और जिराफ का एक प्यारा-सा ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। तुम इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।

कॉग्निजेंट भारतीय बाजार में संभावना तलाश कर रही

नई दिल्ली। अमेरिका स्थित सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी कॉग्निजेंट भारतीय बाजार में उतरने की संभावनाओं पर विचार कर रही है। नैस्डेक सूचीबद्ध कंपनी कॉग्निजेंट के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) जतिन दलाल ने कहा, '' कॉग्निजेंट का निदेशक मंडल एवं प्रबंधन दल नियमित रूप से शेयरधारक मूल्य बढ़ाने के अवसरों का आकलन करता है।

चिप बनाने वाली कंपनी 'एनवीडिया' ने रचा इतिहास, 5 ट्रिलियन डॉलर मार्केट कैप

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिका स्थित बड़ी टेक चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया कॉर्प के शेयरों में वॉल स्ट्रीट में 5 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई। इसी के साथ कंपनी का मार्केट कैप 5 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 420 लाख करोड़ रुपए) को पार कर गया।

- एनवीडिया ने तीन माह पहले ही 4 ट्रिलियन डॉलर का आंकड़ा पार किया था

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की जबरदस्त उछाल के बीच अमेरिकी चिप निर्माता एनवीडिया ने यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। महज तीन महीने पहले ही एनवीडिया ने 4 ट्रिलियन डॉलर का आंकड़ा पार किया था। इस उपलब्धि के साथ कंपनी अब दुनिया की सबसे बड़ी सार्वजनिक रूप से लिस्टेड कंपनी बन गई है।

कंपनी एनवीडिया कॉर्प का पूंजीकरण 420 लाख करोड़ रुपए हुआ

500 अरब डॉलर के नए चिप ऑर्डर

कंपनी के सीईओ जेनसन हुआंग ने मंगलवार को खुलासा किया कि एनवीडिया को हाल ही में 500 अरब डॉलर (42 लाख करोड़ रुपए) के नए चिप ऑर्डर मिले हैं। इसके साथ ही कंपनी ने कई बड़े साझेदारी सौदे भी घोषित किए। जैसे- उबर के साथ मिलकर रोबोटैक्सी प्रोजेक्ट पर काम करेगी। नोकिया में 1 अरब डॉलर का निवेश, ताकि दोनों मिलकर 6G तकनीक पर काम कर सकें। इसके अलावा, अमेरिकी ऊर्जा विभाग के साथ साझेदारी कर 7 नए एआई सुपरकंप्यूटर बनाए जाएंगे।

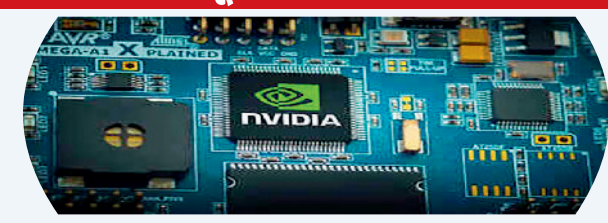

भारत, जापान और ब्रिटेन के जीडीपी से भी ज्यादा मूल्य : अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के आंकड़ों के अनुसार, कंपनी का मार्केट वैल्यू भारत, जापान और यूनाइटेड किंगडम के जीडीपी से भी अधिक हो गया है। यह आंकड़ा इस बात का संकेत है कि कैसे एआई अब केवल तकनीकी नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक शक्ति का केंद्र बनता जा रहा है।

शेयरों में जबरदस्त तेजी

बुधवार को एनवीडिया के शेयर शुरुआती कारोबार में 207.86 डॉलर तक पहुंच गए। कंपनी के 24.3 अरब शेयरों के आधार पर इसका बाजार पूंजीकरण 5.05 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गया। साल 2023 की शुरुआत से ही एनवीडिया के शेयरों में रिकॉर्ड उछाल देखा गया है। इसका सबसे बड़ा कारण एआई चिप्स की वैश्विक मांग में विस्फोटक बढ़ोतरी है।

एआई क्रांति का अगुवा बना एनवीडिया

एनवीडिया की यह छलांग उस एआई क्रांति को दर्शाती है जिसने दुनिया की तकनीकी तस्वीर को पूरी तरह बदल दिया है। विशेषज्ञ इसे आईफोन क्रांति के बाद का सबसे बड़ा तकनीकी बदलाव मान रहे हैं। जैसे एप्पल ने आईफोन लांच के बाद 1, 2 और 3 ट्रिलियन डॉलर का मूल्य हासिल किया था, वैसे ही एनवीडिया अब एआई युग की नई एप्पल बनती दिख रही है।

विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) ने जारी किए आंकड़े

ऊंची कीमतों के कारण 2025 की तीसरी तिमाही में देश में सोने की मांग 16% घटी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश में वर्ष 2025 की जुलाई-सितंबर तिमाही में सोने की मांग मात्रा के हिसाब से 16 प्रतिशत घटकर 209.4 टन रह गई। यह गिरावट सोने की ऊंची कीमतों के कारण उपभोक्ताओं की खरीदारी में कमी के चलते आई। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

उद्योग निकाय के अनुसार, इस साल की तीसरी तिमाही में सोने की कुल मांग घटकर 209.4 टन रह गई, जो पिछले साल समान अवधि में 248.3 टन थी। हालांकि, इस दौरान मूल्य के हिसाब से मांग 1,65,380 करोड़ रुपये से 23 प्रतिशत बढ़कर 2,03,240 करोड़ रुपये हो गई, जो सोने की कीमतों में तेजी को दर्शाता है।

आभूषण की मांग 117.7 टन रही

दुनिया के दूसरे सबसे बड़े सर्राफा बाजार में सोने के आभूषणों की मांग में 31 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जो 171.6 टन से घटकर 117.7 टन रह गई। हालांकि, आभूषणों की खरीद का मूल्य लगभग 1,14,270 करोड़ रुपये पर स्थिर रहा, क्योंकि खरीदारों ने बढ़ी हुई कीमतों के अनुसार अपने खर्च को समायोजित कर लिया।

अंतरराष्ट्रीय कीमतें 3456.5 डॉलर प्रति औंस रही

इसमें आयात शुल्क और जीएसटी शामिल नहीं है। अंतरराष्ट्रीय कीमतें औसतन 3,456.5 डॉलर प्रति औंस रहीं, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 2,474.3 डॉलर प्रति औंस थीं। जैन ने कहा, "मात्रा में 16 प्रतिशत की गिरावट आई है, लेकिन मूल्य में 23 प्रतिशत की ऐतिहासिक बढ़ोतरी हुई है। इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

- मांग मात्रा के हिसाब से घटकर 209 .4 टन रह गई
- सोने की ऊंची कीमतों के कारण उपभोक्ताओं ने खरीदारी कम की
- सोने के आभूषणों की मांग में 31 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई

देश में सोने की औसत कीमत 46 फीसदी बढ़ी : विश्व स्वर्ण परिषद के भारत के क्षेत्रीय मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सचिन जैन ने कहा, यह भारतीय उपभोक्ताओं के बीच मूल्य के दीर्घकालिक भंडार के रूप में सोने के प्रति बढ़ती रणनीतिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।' तिमाही के दौरान देश में सोने की औसत कीमत 46 प्रतिशत बढ़कर 97,074.9 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई, जो एक साल पहले की समान तिमाही में 66,614.1 रुपये थी।

निवेश मांग में मजबूती देखी गई : डब्ल्यूजीसी ने कहा कि इस दौरान निवेश मांग में उल्लेखनीय मजबूती देखी गई, जो मात्रा के हिसाब से 20 प्रतिशत बढ़कर 91.6 टन हो गई तथा मूल्य के हिसाब से 74 प्रतिशत बढ़कर 51,080 करोड़ रुपये से 88,970 करोड़ रुपये हो गई।

सरकार यूएई के साथ सोने का कोटा आवंटित करेगी

सरकार ने कहा कि भारत और यूएई के बीच मुक्त व्यापार समझौते के तहत सोने के लिए शुल्क दर कोटा (टीआरक्यू) का आवंटन प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के आधार पर किया जाएगा। इस समझौते के तहत भारत टीआरक्यू के तहत एक प्रतिशत शुल्क या शुल्क रियायत के साथ यूएई से सालाना 200 मीट्रिक टन तक सोना आयात करने पर सहमत हुआ था।

आवंटन बोली प्रक्रिया के आधार पर किया जाएगा

भारत-यूएई व्यापार समझौते के तहत सोने के लिए टीआरक्यू आवंटन की प्रक्रिया में संशोधन करते हुए विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक व्यापार नोटिस में कहा कि 'सीईपीए (व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता) के तहत सोने के लिए टीआरक्यू का आवंटन प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के आधार पर किया जाएगा।'

आनलाइन आवेदन कर सकेंगे

इसमें यह भी कहा गया कि पात्र आवेदक को हॉलमार्किंग के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) और जीएसटी के साथ पंजीकृत होना चाहिए। इसमें आगे कहा गया कि टीआरक्यू के तहत सोने के आयात पर विचार नहीं किया जाएगा। पात्र आवेदक डीजीएफटी वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

केनरा बैंक का जुलाई-सितंबर तिमाही मुनाफा 19 फीसदी बढ़ा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक का जुलाई-सितंबर तिमाही में शुद्ध लाभ 19 प्रतिशत बढ़कर 4,774 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का पिछले वर्ष की इसी तिमाही में मुनाफा 4,015 करोड़ रुपये रहा था। केनरा बैंक ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय सालाना आधार पर 34,721 करोड़ रुपये से बढ़कर 38,598 करोड़ रुपये हो गई। ब्याज आय सालाना आधार पर 29,740 करोड़ रुपये से बढ़कर 31,544 करोड़ रुपये हो गई। जुलाई-सितंबर तिमाही में बैंक की शुद्ध ब्याज आय घटकर 9,141 करोड़ रुपये रह गई, जबकि एक साल पहले यह 9,315 करोड़ रुपये थी। परिचालन आय भी बढ़कर 8,588 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 7,654 करोड़ रुपये थी। परिसंपत्ति गुणवत्ता के संदर्भ में बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) सितंबर, 2025 के अंत में सकल अग्रिम के 2.35 प्रतिशत तक कम हो गईं।

स्तन कैंसर जागरूकता माहः अक्टूबर में महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए जागरूक बनें

रायपुर। अक्टूबर माह को हर वर्ष स्तन कैंसर जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर संजीवनी कैंसर केयर फाउंडेशन, रायपुर की ओर से एक विशेष जागरूकता अभियान आयोजित किया गया, जिसमें वरिष्ठ कैंसर सर्जनों ने स्तन कैंसर के लक्षण, कारण, जोखिम कारक और **self-examination** के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी।

डॉ. यूसुफ मेमन, सीनियर कैंसर सर्जन ने बताया कि स्तन कैंसर भारत में महिलाओं में सबसे अधिक पाए जाने वाले कैंसरों में से एक है। उन्होंने बताया कि हर साल लाखों महिलाओं में स्तन कैंसर का पता चलता है, लेकिन दुख की बात यह है कि उनमें से कई मामलों का पता देर से चलता है। यदि महिलाएं समय-समय पर अपनी जांच करवाएं और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं, तो इससे मृत्यु दर में भारी कमी लाई जा सकती है। डॉ. मौ रॉय, सीनियर कैंसर सर्जन, क्लिनिकल डायरेक्टर व डॉ अर्पण चतुर्मोहता, सर्जिकल डायरेक्टर ब सीनियर कैंसर सर्जन ने बताया कि स्तन कैंसर के शुरुआती लक्षणों को अक्सर महिलाएं नजरअंदाज कर देती हैं। उन्होंने कहा की स्तन में गांठ, आकार में बदलाव, त्वचा पर झुर्रियां या रेडनेस, निप्पल से स्राव या खिंचाव – ये सभी शुरुआती संकेत हैं जिन पर तुरंत ध्यान देना चाहिए। जितनी जल्दी जांच होगी, उतनी ही जल्दी इलाज संभव है। डॉ अनिकेत ठोके, कीमोथेरेपी विशेषज्ञ व कैंसर सर्जन डॉ विवेक पटेल तथा डॉ कल्याण पांडेय ने सेल्फ ब्रेस्ट एग्जामिनेशन की सरल विधि समझाते हुए कहा की हर महिला को महीने में एक बार आईने के सामने स्वयं जांच करनी चाहिए। यह आदत जीवन बचा सकती है। किसी भी बदलाव को महसूस होते ही डॉक्टर से परामर्श लेना जरूरी है। रेडिएशन ऑकोलॉजिस्ट डॉ रमेश कोठारी व डॉ सतीश देवांगन तथा कैंसर सर्जन डॉ विकास अग्रवाल ने बताया कि कैंसर से डरने के बजाय उसे समझना और उसका सामना करना जरूरी है। उन्होंने बताया की आज के दौर में स्तन कैंसर का इलाज बहुत उन्नत हो चुका है। सर्जरी, कीमोथैरेपी, रेडिएशन और टारगेटेड थेरेपी जैसी आधुनिक तकनीकें मरीजों को एक नया जीवन देती हैं। जरूरत है तो सिर्फ जागरूकता और समय पर कार्रवाई की। विशेषज्ञों ने जागरूकता की कमी को सबसे बड़ी चुनौती बताया।

टाटा मोटर्स ने थिंक गैस के साथ साझेदारी की

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स ने भारत में लंबी दूरी एवं भारी सामान ढोने वाले ट्रकों के लिए तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) भरने की व्यवस्था को मजबूत करने के वास्ते शहरी गैस वितरण कंपनी थिंक गैस के साथ साझेदारी की है। दोनों साझेदारों ने इस उद्देश्य के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी के उपाध्यक्ष एवं व्यवसाय प्रमुख (ट्रक) राजेश कौल ने कहा कि भारत टिकाऊ एवं कुशल माल ढुलाई की दिशा में आगे बढ़ रहा है। ऐसे में एलएनजी लंबी दूरी और भारी सामान ढोने वाले ट्रकों के लिए एक आकर्षक समाधान प्रस्तुत करता है। कौल ने कहा, '' थिंक गैस के साथ इस साझेदारी के माध्यम से हमारा लक्ष्य परिवेश को मजबूत करना, ईंधन भरने के बुनियादी ढांचे तक विश्वसनीय पहुंच सुनिश्चित करना और बेड़े के संचालकों को विश्वास के साथ एलएनजी अपनाने में सक्षम बनाना है।''

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। कारोबार के विस्तार में किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। स्वास्थ्य को लेकर परेशानी बनी रहेंगी।

वृष — मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। नौकरी के परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि मिलेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

मिथुन — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। परिश्रम अधिक रहेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। सुखद समाचार की प्राप्ति होगी।

कर्क — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु अति उत्साही होने से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती है। संतान को कष्ट होगा।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध से बचें। सम्पत्ति में वृद्धि हो सकती है। माता का साथ मिलेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अज्ञात भय से परेशान रहेंगे।

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे।

तुला — मन में आशा-निराशा के भाव हो सकते हैं। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। यात्रा सुखद रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। सेहत का का ध्यान रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी विशेष कार्य के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। व्यर्थ की चिंता रहेंगी।

मकर — क्रोध से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। आय में वृद्धि होगी। किसी सम्पत्ति से भी धन मिल सकता है। मित्रों से भेंट हो सकती है।

कुंभ — रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में सुधार होगा। परिवार का साथ मिलेगा। परिवार की किसी महिला से धन की प्राप्ति होगी।

मीन — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च अधिक रहेंगे। भाइयों से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)

एसईसीएल/म.प्र./भू.रा./2025/750 दिनांक 03.10.2025

सूचना

एसईसीएल कोरबा क्षेत्र के प्रस्तावित अंबिका ओपन कॉस्ट परियोजना के ग्राम- करतली के प्रभावित भू-विस्थापितों को एसईसीएल में नौकरी प्रदान करने आरंभ है, जिसमें से निम्नलिखित 05 भू-विस्थापितों द्वारा रोजगार के बदले एकमुश्त वित्तीय सहायता राशि प्राप्त करना चाहते है के नामों में अंतर पाया गया है। इसका विवरण इस प्रकार है:-

क्रं.	घटते क्रम की सूची क्रं.	खातेदार का नाम/पिता का नाम	अर्जित खसरा नं.	अर्जित रकबा (ए.)	नामांकित व्यक्ति का नाम/पिता का नाम नामांकन फार्म में	संबंध	सीबीए स्टटमेंट-V	बी-1(वर्ष 2008-09 से 2012-13)	पी-2 (वर्ष 2008-09 से 2012-13)	नामांकन फार्म में खातेदार का नाम	सहमति/शपथ पत्र	वंशवृक्ष	आधार कार्ड	निवास प्रमाण पत्र	जाति प्रमाण पत्र	शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र
1	64	बुधवार सिंह पिता भूरा सिंह	185/1, 467	1.24	राज कुमार पिता इंजोर सिंह	पोता	बुधवार सिंह/भूरासिंह	बुधवार सिंह व. भूरासिंह	बुधवारा सिंह व. भूरासिंह	बुधवार सिंह पि. भूरासिंह	राम कुमार पिता श्री अंजोर सिंह, राम सिंह तिहारो सामबाई श्यामा, रमा पिता स्व. अंजोर सिंह, समलकुंवर पति स्व. अंजोर सिंह	बुधवार सिंह पिता भूरासिंह समल कुंवर पत्नी, राम कुमार, रामसिंह, तिहारो बाई, श्यामा बाई, रमा बाई	राम कुमार आत्मज अंजोर सिंह	राजकुमार पिता अंजोर सिंह	राजकुमार पिता अंजोर सिंह	-
2	67	गोविन्द सिंह पिता कंचन सिंह	559/1	1.19	मनीराम पिता स्व. गोविन्द सिंह	पुत्र	गोविन्द सिंह/कंचन सिंह	गोविन्द सिंह व. कंचन सिंह गोड़	गोविन्द पिता कंचन सिंह	गोविन्द सिंह पिता कंचन सिंह	राजकुमार, मनीता पिता स्व. गोविन्द सिंह, सहोद्रा बाई पति स्व. गोविन्द सिंह, मनीराम पिता स्व. गोविन्द सिंह	गोविंद सिंह पिता कंचन सिंह, सहोद्रा बाई पत्नी गोविंद सिंह, राजकुमार, मनीराम, मनिता पिता गोविंद सिंह	मनीराम आत्मज गोविन्द सिंह	-	-	मनीराम आत्मज गोविन्द सिंह
3	96	बीर सिंह पिता दुलार सिंह	158/1, 508/1, 511/5 kh, 512/32, 513/3	0.92	राम कुमार कमरो	पुत्र	बीर सिंह/दुलार सिंह	बीर सिंह व. दुलार सिंह गोड़	बीर सिंह व. दुलार सिंह	बीर सिंह पिता दुलार सिंह	रामकुमार पिता स्व. बीर सिंह, लच्छन, बसंत बाई कोरम, बचन कुंवर पिता बीर सिंह, शांति कमरो पति स्व. बीर सिंह, तिरिथराम कमरो पिता स्व. बीर सिंह	बीर सिंह पिता दुलार सिंह, शांति कमरो पत्नी, तिरिथराम, रामकुमार, लक्षन, बसंत बाई कोराम, बचन कुंवर पिता बीर सिंह	राजकुमार कमरो आत्मज बीर सिंह	-	राजकुमार कमरो पिता बीर सिंह	-
4	79	अमोल सिंह पिता परमानंद	596/7, 606/11, 627/3, 598/7	1.03	ललिता पति अमोल सिंह	पत्नी	अमोल सिंह/परमानंद	अमोल सिंह व. परमानंद	अमोल सिंह व. परमानंद	अमोल सिंह पिता परमानंद	ललिता सलाम पति अमोल सिंह, अमोल सिंह सलाम पिता परमानंद	अमोल सिंह पिता परमानंद, हेल्विक सिंह सलाम पिता अमोल सिंह, ललिता सलाम पति अमोल सिंह	ललिता सलाम द्वारा अमोल सिंह सलाम	ललिता सलाम पति अमोल सिंह	ललिता पिता शंकर सिंह	ललिता पिता शंकर सिंह
5	71	बिरझा बाई पति प्रहलाद	629/6, 643/3	1.15	मीना पिता बुंदेल सिंह	पोती	बिरझा बाई पत्नी प्रहलाद	बिरझा व. प्रहलाद	बिरझा बाई पति प्रहलाद	बिरझा बाई	मीना पिता बुन्देल सिंह, बिरझा बाई पति प्रहलाद सिंह, बिरझाा बाई पति प्रहलाद सिंह, बुंदेल सिंह, मानमती, कीर्तिबाई पिता प्रहलाद सिंह, इन्द्रजीत सिंह, सुरजीत सिंह, मधु मंजू, पिसरान बुन्देल सिंह	बिरझा बाई पति प्रहलाद सिंह, बुन्देल सिंह, मानमती, कीर्ति बाई माता बिरझा बाई, इन्द्रजीत सिंह, मधु, मंजू, सुरजीत सिंह, मीना पिता बिन्देल सिंह	मीना आत्मज बुंदेल सिंह	मीना पिता बुन्देल सिंह	मीना पिता बुन्देल सिंह	मीना पिता बुन्देल सिंह

उपरोक्त विर्णत नामों के अंतर एवं भू-स्वामियों द्वारा रोजगार के बदले एकमुश्त वित्तीय सहायता राशि लेने के संदर्भ में यदि किसी को आपत्ति है तो अपनी आपत्ति प्रकाशन तिथि से सात (07) दिवसों के अंदर इस कार्यालय को सूचित करें। समय-सीमा समाप्त होने पर किसी प्रकार की आपत्तियों को स्वीकार नही किया जायेगा।

महाप्रबंधक, एसईसीएल, कोरबा क्षेत्र

शब्द पहेली - 6033

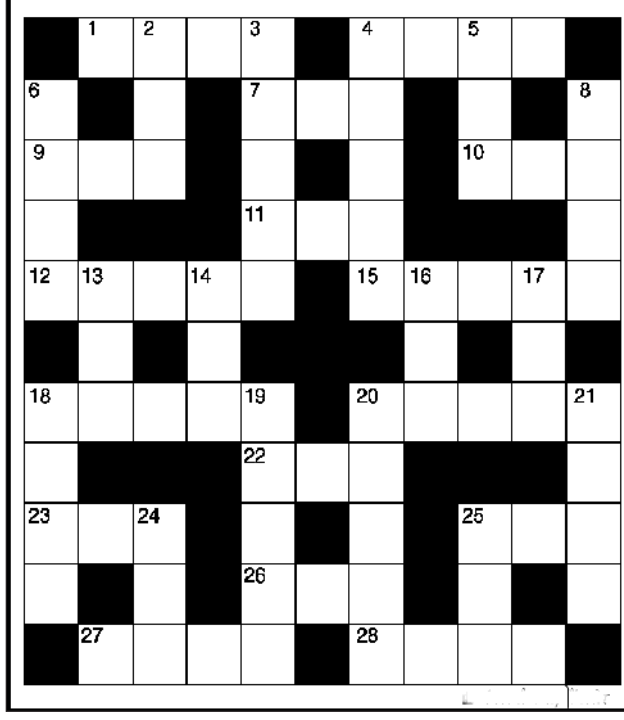

बाएँ से दाए-
1. बेजोड़-4
4. परिचय, निशान-4
7. कला-3
9. सज्जनता, चरित्र, आदर्श-3
10. प्रथा, रिवाज-3
11. उपस्थिति-3
12. सेन्धमार-5
15. शयनागार, बेडरूम, आरामगाह-3,2
18. तड़के, सुबह सवेरे-5
20. चुगली करना-2,3
22. मैला, गंदा-3
23. रसद, आहर पदार्थ-3
25. प्रणाम, नमस्कार-3
26. तोलने का यंत्र, तकड़ी-3
27. स्थायी, प्राचीन-4
28. हुकूमत, राजगद्दी-4

ऊपर से नीचे
2. मुलाकात, मिलाप-3
3. खून से लथपथ-5
4. लालन-पालन-5
5. सेवक, नौकर, दास-3
6. धोखेबाज-4
8. समान, एक जैसा-4
13. पंकज, जलज-3
14. आघात, चोट-3
16. भरोसा, विश्वास-3
17. कुली, पालकी वाहक-3
18. जुर्म, गुनाह-4
19. स्वदेश वासी-5
20. शतपदी, कनखजूरा-5
21. अहमक, मूर्ख-4
24. स्नान करना-3
25. सम्मान, पगड़ी-3

शब्द पहेली -6032 का हल

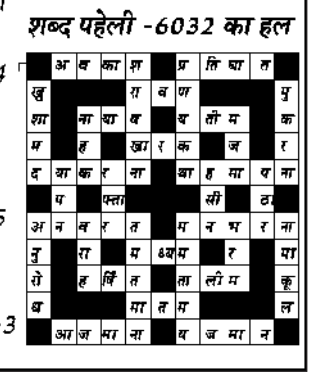

सूडोकु नवताल - 6043

कठिन

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6042 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

प्रथम पृष्ठ का शेष

सज गया मेला...

जवानों का जत्था मंगलवार से रायपुर पहुंच चुका है और उन्होंने मोर्चा संभाल लिया है। एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह के अनुसार अभनपुर तथा नवा रायपुर से सटे 15 किलोमीटर के एरिया को हाई अलर्ट जोन घोषित किया गया है। जिन ग्रामीण इलाकों को हाई अलर्ट जोन घोषित किया गया है, उन क्षेत्रों को जोन में बांटकर पुलिस जवानों की तैनाती की जाएगी।

आज से आवाजाही ...

रायपुर आएंगे, उसी दिन बंद रहेगा। एयरपोर्ट पहुंचने वाले लोगों की बारीकी से जांच होगी। इसीलिए शनिवार को एयरपोर्ट जाने वालों को समय से एक घंटा पहले पहुंचने कहा जा रहा है।

ऑडिशन देने आए...

ने कहा कि जल्द ही विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। उनके पास गृह विभाग भी है। पुलिस उपायुक्त दत्ता नलावडे ने बताया, दोपहर करीब डेढ़ बजे पवई पुलिस थाने को सूचना मिली कि महावीर क्लासिक बिल्डिंग में एक व्यक्ति ने 17 बच्चों को बंधक बना लिया है।

हिमाचल की 5340...

टीम ने यह चढ़ाई बेस कैंप से केवल 12 घंटे में पूरी की। वह भी आल्पाइन शैली में, जो तकनीकी रूप से अत्यंत कठिन मानी जाती है। यह ऐतिहासिक अभियान सितंबर 2025 में आयोजित हुआ, जिसका आयोजन जशपुर प्रशासन ने पहाड़ी बकरा एडवेंचर के सहयोग से किया। इस अभियान को हीरा ग्रुप सहित अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों का सहयोग प्राप्त हुआ। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि इस दल के पांचों पर्वतारोही पहली बार हिमालय की ऊंचाइयों तक पहुंचे थे। सभी ने देशदेखा क्लाइम्बिंग एरिया में प्रशिक्षण प्राप्त किया, जो जशपुर प्रशासन द्वारा विकसित भारत का पहला प्राकृतिक एडवेंचर खेलों के लिए समर्पित प्रशिक्षण क्षेत्र है। विश्वस्तरीय मानकों को सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने भारतीय और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों को जोड़ा, जिनमें बिलासपुर के पर्वतारोही एवं मार्गदर्शक स्वप्निल राचेलवार, न्यूयॉर्क के रॉक क्लाइम्बिंग कोच डेव गेट्स, और रनर्स एक्सपी के निदेशक सागर दुबे शामिल रहे। इन तीनों ने मिलकर तकनीकी, शारीरिक और मानसिक दृष्टि से युवाओं को तैयार करने के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम बनाया। दो महीनों की कठोर तैयारी और बारह दिनों के अभ्यास पर्वतारोहण के बाद टीम ने यह चुनौतीपूर्ण चढ़ाई पूरी की। यह अभियान केवल एक पर्वतारोहण उपलब्धि नहीं, बल्कि उस सोच का प्रतीक है कि भारत के गाँवों और आदिवासी क्षेत्रों से भी अंतरराष्ट्रीय स्तर की सफलता प्राप्त की जा सकती है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि "भारत का भविष्य गाँवों से निकलकर दुनिया की ऊँचाइयों तक पहुंच सकता है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के साथ अब जशपुर को एक सतत एडवेंचर एवं इको-टूरिज़्म केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। **ये रहे पर्वतारोही दल में शामिल**-अभियान का नेतृत्व स्वप्निल राचेलवार ने किया, उनके साथ राहुल ओगरा और हर्ष ठाकुर सह-नेता रहे।

ये रहे पर्वतारोही...

(आईएएस) से मिला। तकनीकी सहायता डेव गेट्स, अर्नेस्ट वेंटुरिनी, मार्टा पेड्रो (स्पेन), केल्सी (यूएसए) और ओयविंड वाई. बो (नॉर्वे) ने दी। पूरे अभियान का डॉक्यूमेंटेशन और फोटोग्राफी ईशान गुप्ता की कॉफी मीडिया टीम ने किया। प्रमुख सहयोगी और प्रायोजक संस्थानों में पेट्ज़ल, एलाइड सेफ्टी इक्विपमेंट, रेड पांडा आउटडोर्स, रेक्की आउटडोर्स, अडवेनम एडवेंचर्स, जय जंगल प्राइवेट लिमिटेड, आदि कैलाश होलिस्टिक सेंटर, गोल्डन बोल्डर, क्रैग डेवलपमेंट इनिशिएटिव और मिस्टिक हिमालयन ट्रेल शामिल रहे।

नए पर्वतारोहियों के...

रोप या सपोर्ट स्टाफ के यह चढ़ाई पूरी की। यही असली आल्पाइन शैली है। यह अभियान व्यावसायिक पर्वतारोहण से अलग था। जहां पहले से तय मार्ग और सहायक दल पर निर्भरता होती है। इस दल ने पूरी तरह आत्मनिर्भर रहते हुए नई मिसाल कायम की। अभियान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिली। स्पेन के प्रसिद्ध पर्वतारोही टोती वेल्स, जो इस अभियान की तकनीकी कोर टीम का हिस्सा थे और स्पेन के पूर्व वर्ल्ड कप कोच रह चुके हैं, ने कहा कि "इन युवाओं ने, जिन्होंने जीवन में कभी बर्फ नहीं देखी थी, हिमालय में नया मार्ग खोला है। यह साबित करता है कि सही प्रशिक्षण और अवसर मिलने पर ये पर्वतारोही विश्वस्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं।

जाति सूचक और...

यह 2024 के सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर आधारित है, जिसमें 'चमार', 'कंजर', 'चूहरा' और 'भंगी' जैसे शब्दों को आधिकारिक रिकॉर्ड से हटाने का निर्देश दिया गया। छत्तीसगढ़ में भी ऐसे कई गांव हैं, लेकिन पूर्ण आधिकारिक सूची अभी सार्वजनिक नहीं है।

जाति सूचक अपमानजनक...

जांजगीर-चांपा, भंगी (अनुसूचित जाति, सफाईकर्मी समुदाय) से जुड़ा। चूहरा टोला बस्तर, कांकेर चूहरा (दलित उप-जाति) का संकेत। यह नाम उत्तर भारत से प्रभावित है और सामाजिक अपमान को दर्शाता है। महार वाड़ा, राजनांदगांव, कोरबा, महार (अनुसूचित जाति) समुदाय की बस्ती। महाराष्ट्र से सटा होने के कारण यह नाम प्रचलित, लेकिन अपमानजनक माना जाता है। डोमपाड़ा, सरगुजा, जशपुर डोम (अनुसूचित जाति, अंत्येष्टि से जुड़ी) का संकेत। आदिवासी-दलित मिश्रित क्षेत्रों में पाया जाता है।

भारत की बड़ी...

कहा था कि चाबहार बंदरगाह का संचालन करने वाले और अन्य संबंधित गतिविधियों में शामिल लोगों को 29 सितंबर से अमेरिका ईरान स्वतंत्रता और प्रसार-रोधी अधिनियम (आईएफसीए) के तहत प्रतिबंधों का सामना करना पड़ेगा।

सब इंजीनियर, पटवारी...

पकड़ लिया। दोनों आरोपी एक किसान से मुआवजा राशि के भुगतान और बैंक से निकालने में मदद के नाम पर अवैध वसूली की मांग कर रहे थे। जानकारी के अनुसार ग्राम रायपुरा (जिला सक्ती) निवासी किसान बुधराम धीवर ने 16 अक्टूबर को शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी और उसकी बहन की जमीन ग्राम कोसमंदा (जिला जांजगीर) में राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण के लिए अधिगृहित की गई थी। इसके एवज में दोनों को कुल 35,64,099 की मुआवजा राशि अगस्त 2025 में संयुक्त बैंक खाते में प्राप्त हुई थी। भुगतान के बाद भू अर्जन शाखा के अमीन बिहारी सिंह और ऑपरेटर राजकुमार देवांगन ने किसान से 1.80 लाख रिश्वत की मांग की। किसान ने रिश्वत देने से इंकार करते हुए एसीबी से इसकी शिकायत की। शिकायत का सत्यापन सही पाए जाने पर एसीबी ने ट्रैप की योजना बनाई। जिसके तहत गुरुवार 30 अक्टूबर को प्रार्थी बुधराम धीवर को ट्रैप के तहत 1.80 लाख रुपए की चिन्हांकित राशि देकर एसडीएम कार्यालय भेजा गया। इसके साथ ही ऐसी भी की टीम भी वही तैनात रही। इस दौरान जैसे ही आरोपी पटवारी बिहारी सिंह ने रिश्वत की रकम हाथ में ली, एसीबी की टीम, डीएसपी एसीबीअजितेश सिंह के नेतृत्व में, मौके पर पहुंची और दोनों आरोपियों को रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। एसीबी ने आरोपियों से रिश्वत की पूरी राशि बरामद कर ली है।

पीडब्लूडी का सब...

अनुसार मनेन्द्रगढ़ संभाग अंतर्गत पदस्थ यह सब इंजीनियर लंबे समय से ठेकेदारों से निर्माण कार्यों के भुगतान एवं फाइल अग्रेषण के नाम पर अवैध वसूली कर रहा था। हाल ही में विभाग के एक ठेकेदार ने अपने कार्य की बिल फाइल को विभागीय कार्यालय से पारित कराने के लिए संपर्क किया। सब इंजीनियर ने फाइल आगे बढ़ाने और बिल भुगतान सुनिश्चित करने के नाम पर 30 हजार रूपए की मांग की। ठेकेदार ने रिश्वत देने की बजाए सीधे एसीबी से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई। मिली जानकारी के अनुसार एसीबी टीम ने शिकायत की पुष्टि के लिए पूर्व जांच की, जिसमें आरोप सही पाया गया। इसके बाद एसीबी की विशेष टीम ने गुरूवार को सब इंजीनियर को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। जैसे ही ठेकेदार ने तय रकम 21 हजार रूपए आरोपी को सौंपी, टीम ने मौके पर पहुंचकर उसे रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। टीम ने आरोपी के हाथों से रिश्वत की राशि जब्त की, जिसकी पुष्टि फिनॉलफ्थलीन परीक्षण से करने की कही गई। टीम ने कार्यालय की भी तलाशी ली, जहां से कई दस्तावेज और फाइलें बरामद की । प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार किया है। एसीबी अधिकारियों के अनुसार आगे की जांच में यह भी पता लगाया जाएगा कि क्या आरोपी ने पहले भी अन्य ठेकेदारों से इसी तरह वसूली की थी या नहीं। लोक निर्माण विभाग में इस गिरफ्तारी से हड़कंप मच गया है। वहीं ठेकेदार संघ के सदस्यों ने एसीबी की कार्रवाई की सराहना की है और कहा है कि ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। कई ठेकेदारों ने बताया कि विभाग में फाइल चलाने के नाम पर लंबे समय से रिश्वतखोरी का बोलबाला सुनने को मिल रहा था, जिससे छोटे ठेकेदारों को काफी परेशानी होती है। एसीबी अधिकारियों के अनुसार आरोपी सब इंजीनियर के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। उसे न्यायालय में पेश किया जाएगा, जहां से आगे की न्यायिक प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

लिपिक 25 हजार...

सर्पदंश से मृत महिला के परिजनों से शासन से स्वीकृत 4 लाख रुपए की सहायता राशि दिलाने के बदले 50 हजार रुपए की मांग की थी। डीएसपी रमेश मरकाम ने बताया कि मामला दरभा थाना क्षेत्र का है। पीड़ित सामनाथ बघेल की पत्नी रामबती बघेल की मौत सर्पदंश से हुई थी। बाबू ने फाइल आगे बढ़ाने के नाम पर रिश्वत मांगी थी। गुरूवार को जब कर्मचारी हेमकुमार पानीग्राही पीड़ित के बड़े भाई से रिश्वत की अंतिम किश्त के रूप में 25 हजार रुपए ले रहा था, तभी एसीबी की टीम ने उसे रंगे हाथ दबोच लिया। टीम ने रिश्वत की राशि और अन्य साक्ष्य मौके से जब्त किए है। एसीबी डीएसपी ने बताया कि इस कार्रवाई के बाद आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

हिट एंड रन :...

छोड़कर फरार हो गए। यह घटना रास्ते पर संचालित एक ढाबे की सीसीटीवी में कैद हो गई है। हालांकि ढाबे की मालकिन अभी मौजूद नहीं है। ऐसे में उसके लौटने के बाद ही पूरे मामले की जांच होगी। दूसरी ओर रायगढ़ जिले में जनवरी से अब तक 581 सड़क हादसों में 330 लोगों की जान चली गई है और 463 लोग घायल हैं। पुलिस के मुताबिक गुरुवार की दोपहर कापू तरफ से एक कार काल बनकर धरमजयगढ़ की तरफ आ रही थी। कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि उसके आसपास से गुजरने वाले लोग थर्रा गए थे। दोपहर करीब साढ़े 12 बजे जैसे ही वाहन खम्हार चाल्हा चौक के पास पहुंची, तब कार के चालक ने सड़क किनारे खड़ी महिला ललिता मिंज पति सुखसाय मिंज 35 वर्ष, निवासी ग्राम रामपुर थाना धरमजयगढ़ को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे महिला हवा में छिटककर दूर जा गिरी। दुर्घटना के बाद भी चालक ने कार नहीं रोकी बल्कि स्पीड और बढ़ा दी। कुछ ही दूरी पर सामने से आ रहे बाइक सवार फकीर मोहन पटेल पिता जगबंधु पटेल 37 वर्ष निवासी परसदा छोटे, चौकी कनकबीरा जिला सारंगढ़ व अमित किंडो पिता अगस्तु किंडो 26 वर्ष, निवासी सुगापानी पोस्ट कमलेश्वरपुर जिला अंबिकापुर को भी अपनी चपेट में ले लिया। तीनों की ही मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद चीख-पुकार मच गई और इसी का फायदा उठाकर कार चालक व उसमें सवार लोग भाग निकले। **जैक लेकर लौट रहे थे और चली गई जान**-जानकारी सामने आई है कि बाइक सवार अमित किंडो जेसीबी ड्राइवर व फकीर मोहन सुपरवाइजर थे। दोनों कापू क्षेत्र में चल रहे सड़क निर्माण में ठेकेदार के अंडर काम करते थे। किसी वाहन का टायर पंचर होने से दोनों जैक लेने के लिए खम्हार आए थे, जहां से वो वापस लौट रहे थे। बाइक फकीर मोहन चला रहा था, इस दौरान काल बन कर आई कार ने उनकी सांसें छीन ली। **मिरीगुड़ा की है कार, चला रही थी लड़की**- पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कार क्रमांक सीजी 13 बीई 1285 मिरीगुड़ा धरमजयगढ़ की है और वह किसी सुरेश कुमार कहार के नाम पर है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार को एक लड़की चला रही थी और उसमें तीन से चार लोग सवार थे, जिन्हें भागते वक्त लोगों ने देखा है। वहीं यह कार उक्त मार्ग में गुरुवार को ही तीन से चार बार गुजरी है। बैंक के एक कर्मचारी ने अपने बयान में पुलिस को यह बात बताई है।

परखच्चे उड़ने पर...

कंटोल कार पर है। बाइक से टकराने के बाद कार के परखच्चे उड़ गए और सामने का हिस्सा क्षतिग्रस्त होने पर कार सड़क से विपरीत दिशा में मुड़ गई, जिससे कार को रोकना पड़ा। वरना सड़क पर चलने वाले और भी लोग इसकी चपेट में आ सकते थे।

बहन से मिलने...

ये बात प्रेमिका के परिजन में भाई सिद्धांत चौधरी, सूरज समेत तीन अन्य को मिली। पांचों ने मिलकर धीरज की हत्या का प्लान तैयार किया। अचानक युवती के घर पांचों आरोपी पहुंच गए। धीरज को देखते ही पिटाई शुरू कर दी। डंडे-राड से बेदम पीटा। उसके शरीर के विभिन्न हिस्सों में गंभीर चोट आई, जिससे उसकी मौत हो गई।

कार्यालय नगर पंचायत धरमजयगढ़ जिला रायगढ़ (छ.ग.)

क्रमांक/820 / न.पं/लो.नि.वि./2025-26 — धरमजयगढ़ दिनांक 29/10/2025

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पंचायत धरमजयगढ़ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सि.नि.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि रू. (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि	निविदा
1	178262	CONSTRUCTION OF SUMPWELL WITH BOUNDARY WALL	19.91	21.11.25	प्रथम निविदा
2	178266	EXTENSION AND CONSTRACTION OF TRANSPORTING FACILITY IN BUS STAND AT N.P. DHARAMJAIGARH	98.03	14.11.25	द्वितीय निविदा
3	178267	SELECTION PLACEMENT AGENCY FOR SUPPLY OF LABOUR OF DIFFERENT CATEGAORIES HIGH SKILLED,SKILLED, SEMI SKILLED AND UNSKILLED	79.00	14.11.25	द्वितीय निविदा

उपरोक्त निर्माण कार्य / प्लेसमेंट श्रमिक प्रदाय की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई- प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत धरमजयगढ़

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल — Skin Care
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं: • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट — रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार की एलर्जी — डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital — Chest & Allergy Centre — वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

मोतियाबिंद — आयुष्मान कार्ड सुविधा — SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं। — अष्टविनायक हॉस्पिटल — आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल — डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA — भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

असली केंदवा मलहम — दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
घमंडी दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है। 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- जयराम नगर मस्तूरी में नए पैट्रोल पम्प पर काम करने के लिए लड़के, लड़कीयों एवं मैनेजर की आवश्यकता है अनुभवी व्यक्ति सम्पर्क करें- 80857 41414 (39015)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए सेल्स गर्ल की आवश्यकता है सम्पर्क करें- अमित थ्रेड गोल बाजार (अन्दर में) बिलासपुर 98279 23507 (39014)

आवश्यकता है- रायपुर में इंडस्ट्रियल मोटर /जनरेटर सर्विस सेंटर में आईटीआई इलेक्ट्रीशियन तथा वाइंडिंग कार्य हेतु वाइंडर, हेल्पर तथा मार्केटिंग कार्य हेतु युवक की आवश्यकता है। संपर्क 7869096500,7898900131 (465)

आवश्यकता है- थोक सब्जी मंडी में कार्य हेतु कम्प्यूटर ऑपरेटर- 1पद (वेतन 9000 से 12000), कलेक्शन मैन- 2पद (वेतन- 12000 से 20000) योग्यतानुसार सम्पर्क करें- सुबह 10 से दोपहर 12बजे तक 9893599044 (39018)

आवश्यकता है- कंस्ट्रक्शन लाइन मे कार्य करने हेतु अनुभवी साइड सुपरवाइजर 1पद एवं फिल्ड वर्क हेतु युवक 1पद की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सुबह 10 से 12बजे तक 9893599044 (15339)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य एवं कम्प्यूटर आपरेटर हेतु फिमेल केन्डीडेट की आवश्यकता सैलरी 5500 से 7000 केवल फ्रेशर ही संपर्क करें 8602396507 (39010)

आवश्यकता है- सीमेन्ट दुकान में और ऑफिस में कार्य के लिए दो अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 8801035000, 88010 36000 (39013)

आवश्यकता है-OMI कम्पनी में ऑफिस हेतु लड़के लड़कियों की। योग्यता 10वीं से ग्रेजुएट उम्र 18 से 28, आय 8500 से 18000 रहना खाना, पता- न्यू बस स्टैण्ड तिफरा बिलासपुर 8818877406, 9644433021 (38991)

आवश्यकता है- कपूर चन्द & सन्स डीजे शोरूम में (नये और अनुभवी) चार लड़के (वेतन 8000 से 10000) एवं फुल टाइम ड्राइवर (वेतन 10000) चाहिए सम्पर्क करें- सदर बाजार, करोना चौक, बिलासपुर 9685005500 (38982)

आवश्यकता है- एक कम्प्यूटर ऑपरेटर लड़की की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सरस्वती मेडिकल एजेन्सी 52, मेडिकल काम्प्लेक्स, तेलीपारा अजीत होटल के पीछे बिलासपुर 9827177377 (39011)

आवश्यकता है- लॉण्ड्री शाप हेतु वाशर मैन, आयरन मैन, स्टोर मैनेजर एवं CCTV कैमरा लगाने हेतु अनुभवी युवक चाहिए सम्पर्क करें- Rays इलेक्ट्रीकल, होटल अजीत के नीचे मेन रोड तेलीपारा बिलासपुर 97527 60266 (1233)

आवश्यकता है- शासकीय कार्यालयो में कानूनी पुस्तकों की मार्केटिंग हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए (उम्र का बंधन नहीं) वेतन 6000 से 10000+ कमिशन पता- आदर्श लॉ हाउस डीपी कॉलेज के सामने बिलासपुर 98270 79947 (1227)

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में माल डिलिवरी पेमेन्ट कलेक्शन हेतु लड़कों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता वेतन 8000 सम्पर्क करें- नितिन मेडिकल एजेन्सी 34, मेडिकल काम्पलेक्स तेलीपारा बिलासपुर 7430000011 (39006)

आवश्यकता है- अनुभवी नशामुक्त कार ड्राइवर चाहिए वेतन 15000 सम्पर्क करें- सुबह 11बजे से दोपहर 1बजे तक डॉ. अभय अग्रवाल सक्षम टीएमटी सुनयन चश्मा के बगल में करोना चौक, सदर बाजार बिलासपुर (38992)

आवश्यकता है- प्रकाश साड़ी में कार्य करने हेतु अनुभवी सेल्समेन की आवश्यकता है (साड़ी एवं हेडलूम का 10 साल तक का अनुभवी) पेमेंट योग्यतानुसार संपर्क करें प्रकाश साड़ी कश्यप कॉलोनी बिलासपुर 7587314639 (39003)

आवश्यकता है- घरेलू कार्य हेतु एक लड़की/ महिला की आवश्यकता है कार्य समय सुबह 9 बजे से शाम 6:30 बजे तक सम्पर्क करें- शिव मंदिर के पास, विद्या नगर बिलासपुर 9039018610, 70009 53447 (1480)

आवश्यकता है- रजिस्ट्री संबंधी कार्य हेतु MS वर्ड अनुभवी कम्प्यूटर आपरेटर चाहिए वेतन योग्यतानुसार आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- सुबह 10:30 से शाम 5.30 प्रकाश श्रीवास रजिस्ट्री आफिस परिसर बिलासपुर 9770107388, 98279 66496 (1225)

आवश्यकता है- मार्केटिंग केनोपी में बैठने हेतु 10 युवतियों (सैलरी+ कमीशन) एवं छोटा हाथी (प्रचार वाहन) चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर एवं ऑफिस स्टॉफ के लिये मैनेजर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9993243498 (39002)

आवश्यकता है- टेलरिंग शॉप में सफारी सूट सिलाई हेतु कारीगर, सेल्समैन, कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं साफ सफाई हेतु लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- टेलर्स सिटीमैन बृहस्पति बाजार रोड, राजेन्द्र नगर बिलासपुर 95890 42866 (38997)

आवश्यकता है-चश्मा दुकान में काम करने के लिए लड़के की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सपना चश्मा घर सिटी कोतवाली के पीछे तेलीपारा रोड बिलासपुर 9827110803 (38979)

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में काम के लिये लड़को की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- मेलाराम हेमन्त कुमार मेडिकल काम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर 79999 34599 (39004)

Required - Walk-in interview at Ocean Public School requires NUR/ TGT school Teacher (Maths/ English) Must have teaching experience, strong communication skills. Send resume to 6264161800 Address Geetanjali City Phase-2 Bahtarai Bilaspur (39012)

आवश्यकता है-सिविल साइट सुपरवाइजर, इंजीनियर (autocad, structural knowledge साइट चलाने योग्य) एवं ऑफिस, साइड वर्क, रजिस्ट्री राजस्व विभाग डायवर्सन नामांतरण नगर निगम संबंधी कार्य हेतु अनुभवी मैनेजर चाहिए सम्पर्क- 97707 70000, 9827072000 (38934)

आवश्यकता है- नर्सरी से 12वीं तक पढ़ाने हेतु अनुभवी/ फ्रेशर महिला टीचर्स एवं पुरुष सफाईकर्मी चाहिए सम्पर्क करें- (9-2बजे तक) संस्कार स्कूल स्वास्थ्य केन्द्र के सामने, बाजार के पास उसलापुर 74405 49466, 9691259615 (38998)

आवश्यकता है- छोटा हाथी पिकअप चलाने के लिए 2 ड्राइवर की आवश्यकता है सम्पर्क करें-शारदा एजेन्सी व्यापार विहार बिलासपुर 9926124555 (39001)

आवश्यकता है-बकुल अगरबत्ती में छोटा हाथी और वैन चलाने के लिए ड्राइवर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- गुरुद्वारा के पास मेन रोड दयालबंद बिलासपुर 96442 34567 (38988)

आवश्यकता है-घर के खाना पकाने के काम के लिए जिसको वेज, नॉनवेज, चाइनीस, सूप, रोटी, पराठा, मेगी, ममो आदि बनाने के काम आता हो तो सम्पर्क करें- (सिर्फ पुरुष) 9981398787, 89639 95637 (38981)

आवश्यकता है-दुकान में काम करने के लिए दो युवकों की आवश्यकता है वेतन 9000 से 13000 योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- नटराज इलेक्ट्रीकल्स स्टेट बैंक के पास नया सरकंडा बिलासपुर 9098195247 (38993)

आवश्यकता है- अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर जिसे बीजी सॉफ्टवेयर आता हो (महिला/ युवती) एवं अन्य कार्य हेतु लड़के/ लड़कियां की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- अमर जनरल स्टोर व्यापार विहार बिलासपुर 98274 73604, 9131452265 (39000)

आवश्यकता है- अनुभवी रिसेपशनिस्ट हॉस्पिटल मैनेजमेंट, अनुभवी PRO (फील्ड वर्क) अनुभवी नर्सिंग स्टाफ, X-RAY टेक्नीशियन (सीपत हेतु) आया बाई (नाईट ड्यूटी) पता- प्रभा हॉस्पीटल, महामाया चौक, रतनपुर रोड, लोधीपारा सरकंडा बिलासपुर 7470946314 (38987)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 10वी, 12वी, पास लड़कों की अवसकता है जो कटनी दमोह ग्वालियर में काम कर सके वेतन- 12000+ कमीशन+ बोनस, रहना फ्री, ट्रेनिंग बाद 12,000 से 20000 महीने। संपर्क करें- 8982690021, 9993911979 (511)

आवश्यकता है-टेन्ट हाउस में अकाउन्ट कार्य के अनुभवी एवं कम्प्यूटर जानकार युवक की आवश्यकता है अनुभवी ही सम्पर्क करें- बिलासपुर 8001975775 (38965)

आवश्यकता है- क्लिनिक में काम करने के लिए लड़की की आवश्यकता है। पता-पुराना बस स्टैंड, राजीव प्लाजा के पास बिलासपुर (सैलरी 4-5 हजार) मो. 7880210386 (342)

आवश्यकता है-टायर एण्ड सर्विस दुकान में अनुभवी एक टेक्नीशियन एवं एक मेहनती लड़के की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें- गुरुकृपा टायर्स एण्ड सर्विसेज गाँधी चौक बिलासपुर 98271 68468 (38989)

आवश्यकता है-आफिस में एकाउंट कार्य हेतु लड़कियों की आवश्यकता है। जिन्हें कम्प्यूटर और मैनुअल काम का अनुभव हो। सम्पर्क करें- सुबह 8बजे से 10बजे तक 7440549458, 9300311692 (38995)

आवश्यकता है-नौकरी अवसर क्राउन पब्लिशिंग, सरकंडा, बिलासपुर में MS Office Tally एकाउंटिंग में 1 से 2 वर्ष अनुभव वाले 12वीं से स्नातकोत्तर लड़के/ लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7974794530 (38983)

आवश्यकता है-नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो सम्पर्क करें- 9241054300 (590)

आवश्यकता है-टेलीकॉलिंग हेतु युवतियों, महिलाओं की आवश्यकता है योग्यता 8वीं, 10वीं से ग्रेजुएशन वेतन 5000 कमीशन सम्पर्क-तोरवा धान मंडी बिलासपुर 62669 68312 (340)

आवश्यकता है-घरेलू कार्य करने हेतु महिला/ लड़की की आवश्यकता है रहने की सुविधा उपलब्ध बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- पाटलिपुत्र कॉलोनी लोयला स्कूल के बाजू में वसंत विहार चौक बिलासपुर 7974770055, 88899 97826 (38966)

आवश्यकता है-UTN शॉप में सर्वे कार्य करने हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 15000 तक पता- शॉप नं- 16 प्रथम तल सीएलसी प्लाजा मंगला चौक विलासपुर 7806007192, 7999594790 (38954)

आवश्यकता है- बिलासपुर की निर्माणाधीन कॉलोनी में सिविल कॉन्ट्रैक्टर (छत नापी+ आइटम रेट) शटरिंग कॉन्ट्रैक्टर, लोहार की आवश्यकता है, संपर्क करें:- 9589000577, 78289 02615, 7999245462, 7970010956 (343)

आवश्यकता है- सिक्युरिटी एजेंसी में गार्ड का कार्य करने हेतु इच्छुक व्यक्ति की आवश्यकता है न्यूनतम योग्यता 10वी पास, (अनुभवी को प्राथमिकता) संपर्कः- उमा सिक्युरिटी सर्विसेज बिलासपुर 99816 30084,942553490 (341)

आवश्यकता है- ऑफिस में टेलीकॉलर काम के लिए लड़को की जरूरत है केवल अविवाहित 18 से 28 वर्ष आयु वाले ,ऑल इंडिया प्लेसमेंट शुरुआती वेतन 12000 रहने के लिए कमरा दिया जाएगा 7310671995, 6387630593 (522)

आवश्यकता है- ग्वालियर में ऑफिस कार्य हेतु 10वी 12वीं ग्रेजुएट अविवाहित लड़के चाहिए.वेतन 10000 + कमीशन + बोनस के साथ कमाए 15000-20000 रहना फ्री + गाड़ी किराया का कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क करे 9039470547 (512)

आवश्यकता है- आयुर्वेदिक हॉस्पिटल में काम करने हेतु लड़की (पंचकर्म थैरापिस्ट) भी आवश्यकता है संपर्क करें श्री आयुर्वेद शंकर नगर रायपुर छ.ग. 9827312343, 94060 10081 (4030)

बेचना

बेचना है- रायपुर रोड में हाई कोर्ट के सामने एयरपोर्ट रोड में 50×200 वर्गफुट का प्लॉट बेचना है। सम्पर्क करें- 78695 75428 (39007)

बेचना है-यदुनन्दन नगर तिफरा में पूर्व मुखी लाल ईट से बना डबल स्टोरी न्यू 3BHK मकान। फालसीलिंग मॉड्यूलर किचन, स्टील रेलिंग, सीसी रोड, सागौन दरवाजा, कामन बोर, कीमत 40लाख। सम्पर्क- 79871 66040 (38967)

बेचना है- चकरभाठा बस्ती प्राइमरी स्कूल के पास 1BHK का 2000 वर्गफुट में बना सर्वसुविधायुक्त मकान खुला आंगन सहित बेचना है संपर्क करें 7000186749 (38996)

बेचना है- रतनपुर केरा तालाब से लगा हुआ पूर्व मुखी 20 फीट रोड 44×55= 2420 वर्गफीट प्लाट अतिशीघ्र बेचना है खरीददार ही सम्पर्क करें- 9407912771, 9407960311 (39009)

बेचना है- खैराचपोरा NH से 3KM अन्दर कंचनपुर रोड से 200मीटर साइड रोड 18एकड़ जमीन 14लाख एकड़, खैराचपोरा NH 1एकड जमीन नया/ पुराना दोनों हाइवे में फ्रंट 288ft. खरीददार सम्पर्क- 7089666594, 88010 39000 (1232)

बेचना है-बिलासपुर के प्राइम लोकेशन महाराणा प्रताप चौक साईं बाबा हॉस्पिटल के पास 2BHK स्वतंत्र मकान बेचना है फाइनेंस सुविधा उपलब्ध सम्पर्क करें- 6265041277, 84619 97770 (339)

बेचना है- डायवर्टेड जमीन कोनी में अटल युनिवर्सिटी से 400 मीटर, 20 फिट रोड पर वासुदेव विहार में 2200 वर्गफीट 50×44 पश्चिम मुखी प्लॉट अतिशीघ्र बेचना है। सम्पर्क करें- 9827896543, 9329584696, 942557 5522 (1481)

बेचना है- नवनिर्मित मकान 950 वर्गफीट में दो बेड, हॉल, किचन, पोर्च सहित बंधवापारा सरकण्डा बिलासपुर में अतिशीघ्र बेचना है। सम्पर्क करें- 92294 23698 (39016)

बेचना है- विकसित T&C अप्रूव्ड आवासीय कालोनी आर. के. रेसीडेन्सी तिफरा में दो स्वतंत्र मकान बेचना है कीमत 2BHK 45 लाख एवं 3BHK 80 लाख सम्पर्क करें- 9300989627 (39017)

बेचना है-श्री राम पार्क कॉलोनी सकरी, बिलासपुर राष्ट्रीय राज मार्ग के बगल में 30×50 वर्गफीट पूर्व मुखी, आवासीय टीएनसी रेरा स्वीकृत प्लॉट बेचना है सम्पर्क करें- 91655 36159 (38980)

बेचना है-हर्षफिनिक्स सिटी पूर्ण विकसित कालोनी वार्ड49 बीआर यादव नगर, बिजौर बिलासपुर विभिन्न साइज लेआउट प्लाट, 2/3/4BHK डुप्लेक्स बंगलो, 2/3BHK अफोर्डेबल फ्लैट टाउनकंट्री रेरा रजिस्टर्ड। सम्पर्क- एसके बिल्डर्स & डेवलपर्स 88394 55596, 7697644444 (38649)

व्यापार

व्यापार-जुड़िये ऐसे आकर्षक व्यवसाय से जो बिना रिस्क आपको घर बैठे दें सकता है 30000- 50000 प्रतिमाह आमदनी, जिसमे ऑटोमैटिक मशीन द्वारा डिस्पोजल दोना पत्तल, प्लेट्स बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का अनुबंध पेशेवर प्रशिक्षण सहित सम्पर्क करें- APS इंटरप्राइजेस रायपुर- 91117 60925, 9977676447, बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़, अंबिकापुर- 8827848099 (302)

सूचना

सूचना। पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

खबर संक्षेप

कनाडा ओपन के अंतिम चार में हारी अनाहत

टोरंटो। भारत की युवा स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह के कनाडा ओपन में शानदार अभियान पर विराम लग गया जब वह सेमीफाइनल में इंग्लैंड की जिना कैनेडी से सीधे गेम में हार गई । सत्रह वर्ष की अनाहत को दुनिया की दसवें नंबर की खिलाड़ी कैनेडी ने 96250 डॉलर ईनामी राशि के पीएसए सिल्वर टूर्नामेंट में 11 .5, 11 . 8, 12 . 10 से हराया ।

भारत का युवा एशियाई खेल में प्रभावशाली प्रदर्शन

भारत को मुक्केबाजी में तीन स्वर्ण और एक रजत पदक

एजेंसी ▶▶| बहरीन

भारत ने एशियाई युवा खेलों में अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखते हुए बृहस्पतिवार को यहां मुक्केबाजी में तीन स्वर्ण और एक रजत पदक जीतने के अलावा 'बीच कुश्ती' में भी तीन स्वर्ण और दो रजत पदक जीते। भारतीय मुक्केबाजों खुशी चंद, अहाना शर्मा और चंद्रिका भोरेशी पुजारी ने स्वर्ण पदक जीते जबकि लैंचेनबा सिंह मोइबुंगखोंगबाम को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

इस तरह भारत के पदकों की संख्या 41 हो गई जिसमें 12 स्वर्ण, 15 रजत और 14 कांस्य पदक शामिल हैं। सुबह के स्वर्णिम सत्र में खुशी (46 किग्रा) ने चीन की लुओ जिनशियू के खिलाफ 4-1 से शानदार जीत के साथ भारत के लिए मुक्केबाजी में दिन का पहला स्वर्ण जीता। अहाना (50 किग्रा) ने इसके बाद एकतरफा जीत हासिल की जब पहले राउंड में ही दक्षिण कोरिया की मा

जोंग हयांग के खिलाफ रैफरी को मुकाबला रोकने (आरएससी) के लिए मजबूर होना पड़ा। इसके बाद चंद्रिका (54 किग्रा) ने उज्बकिस्तान की मुहम्मदोवा कुमरिनिसो को 5-0 से हराकर भारत की स्वर्ण पदक की हैट्रिक पूरी की। पदक की गिनती और भी बढ़ सकती है क्योंकि हरनूर कौर (66 किग्रा) और अंशिका (80 किग्रा से अधिक) शाम के सत्र में अपने-अपने वर्ग में फाइनल में हिस्सा लेंगी जिसमें भारत की नजरें स्वर्ण पदक का रिकॉर्ड बनाने पर है।

लड़कों के फाइनल में लैंचेनबा (50 किग्रा) को कजाखस्तान के नूरमाखान झुमगली के खिलाफ कड़े मुकाबले के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। 'बीच कुश्ती' में सानी सुभाष फुलमाली और अंजलि ने क्रमशः लड़कों और लड़कियों के 60 किग्रा और 55 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीते जबकि अर्जुन रुहिल भी लड़कों के 90 किग्रा वर्ग में शीर्ष पर रहे।

सुजॉय व रविंदर ने हारे फाइनल मुकाबले

सुजॉय नागनाथ तनपुरे (70 किग्रा) और रविंदर (80 किग्रा) को अपने-अपने फाइनल मुकाबलों में हारने के बाद रजत पदक मिला। सानी सुभाष ने फाइनल में ईरान के अमीराली डोमिरकोलाई को 2-0 से हराया जबकि अंजलि ने वियतनाम की बुई एमगोक थाओ थॉम को 2-1 से शिकस्त दी।

अर्जुन ने 90 किलो में ईरान के फोतउही को हराया: अर्जुन ने 90 किग्रा वर्ग में ईरान के मोहम्मदमहदी फोतोउही को हराया। सुजॉय ईरान के सिना शोकोउही से 1-2 से हार गए जबकि रविंदर को भी ईरान के ही तौराज खोडेई के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा।

दो चरण में 15 मैच से चले आ रहे अपराजित अभियान को समाप्त किया

भारत ने महिला विश्व कप के फाइनल में बनाई जगह, तोड़ा आस्ट्रेलिया का तिलस्म

एजेंसी ▶▶| नवी मुंबई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने विश्व कप 2025 के फाइनल में जगह बना ली है। डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स एकेडमी के मैदान पर भारत ने डिफेंडिंग चैंपियंस ऑस्ट्रेलिया को हराकर बाहर कर दिया। पहले खेलते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 338 रन बनाए थे। जवाब में जेमिमा रोड्रिग्स की शतकीय पारी से भारत ने असंभव दिख रहे लक्ष्य को 49 ओवर में हासिल कर लिया। टीम इंडिया को मैच में 5 विकेट से जीत मिली।

यह महिला वनडे क्रिकेट का सबसे बड़ा रनचेज है। इसके साथ ही यह विश्व कप इतिहास के नॉकआउट में सबसे बड़ा रन चेज है। अभी तक पुरुषों के विश्व कप में भी ऐसा नहीं हुआ था। 2 नवंबर को विश्व कप के फाइनल में भारतीय टीम का सामना साउथ अफ्रीका से होगा। अभी तक दोनों ही टीमों ने विश्व कप का खिताब नहीं जीता है।

जेमिमा के बल्ले से निकला शतक

भारत के लिए जेमिमा रोड्रिग्स ने शतक लगाया। वह अंत तक नाबाद रही और टीम को फाइनल में पहुंचा दिया। उन्होंने 127 रनों की पारी खेली। उन्होंने 134 गेंदों का सामना किया और 14 चौके मारे। तीसरे विकेट के लिए हरमनप्रीत कौर के साथ जेमिमा ने 167 रनों की साझेदारी बनाई। 156 गेंदों की इस साझेदारी ने मैच को भारत की तरफ मोड़ दिया। हरमनप्रीत कौर शतक से चूक गईं। उन्होंने 88 गेंद पर 89 रनों की पारी खेली। दीप्ति शर्मा ने 17 गेंद पर 24 जबकि ऋचा घोष ने 16 गेंद पर 26 रनों का योगदान दिया। अंत में अमनजोत कौर ने 8 गेंद पर 15 रनों की नाबाद पारी खेली।

लिचफील्ड ने जड़ा था ऑस्ट्रेलिया के लिए शतक

सलामी बल्लेबाज फोबे लिचफील्ड ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 119 रन रनों की पारी खेली। एलिस पेरी (77 रन) और एश्ले गार्डनर (63 रन) के बल्ले से भी अर्धशतक निकला। बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने 49 रन देकर दो विकेट लिए। मेहमान टीम दो विकेट पर 220 रन के स्कोर से छह विकेट पर 265 रन तक पहुंच गई लेकिन इसके बाद गार्डनर की 45 गेंद में चार चौके और इतने ही छक्के जड़ित पारी ने टीम को 300 रन के पार करा दिया। टीम एक गेंद रहते 338 रन के स्कोर पर सिमट गई।

लिचफील्ड व पेरी ने 155 रन की निभाई साझेदारी

लिचफील्ड ने 93 गेंद की पारी के दौरान 17 चौके और तीन छक्के जड़े। पेरी ने 88 गेंद में छह चौके और दो छक्के जमाए। लिचफील्ड और पेरी ने दूसरे विकेट के लिए 133 गेंद में 155 रन की साझेदारी निभाई। पारी की शुरुआत में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने तीसरे ओवर में एलिसा हीली का कैच छोड़कर उन्हें जीवनदान दिया। हालांकि अंतिम एकादश में वापसी करने वाली ऑस्ट्रेलियाई कप्तान छठे ओवर में सस्ते में आउट हो गईं।

भारत के लिए दीप्ति ने लिए दो विकेट

लिचफील्ड की शानदार पारी का अंत अमनजोत कौर की गेंद पर हुआ जिसे वह डीप फाइन लेग में खेलना चाह रही थीं लेकिन इससे उनके मिडिल स्टंप उखड़ गए। पेरी उनका अच्छा साथ निभा रही थीं और उन्होंने अर्धशतक जड़कर टीम के लिए अहम योगदान दिया। वह राधा यादव की गेंद पर बोल्ड हुईं। भारतीय गेंदबाजों को अनुशासित रहने की जरूरत थी लेकिन क्रांति गौड़ लाइन एवं लेंथ में अनिरंतर रहीं तो रेणुका सिंह अपनी चिर परिचित इन स्विंग नहीं हासिल कर पाईं।

सूर्यकुमार के फॉर्म में लौटने के बाद दूसरे मैच में भारत के हौसले बुलंद

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

कप्तान सूर्यकुमार यादव के फॉर्म में लौटने के बाद भारतीय टीम शुक्रवार को आस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐतिहासिक एमसीजी मैदान पर होने वाले दूसरे टी20 मैच के लिये यहां बुलंद हौसलों के साथ पहुंच गई है । अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा और शिवम दुबे अपने आक्रामक खेल से टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजी की नयी परिभाषा गढने के बाद आस्ट्रेलिया पहुंचे हैं लेकिन पिछले कुछ समय से कप्तान सूर्यकुमार का बल्ला खामोश रहना चिंता का सबब बना हुआ था । पांच मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में हालांकि सूर्यकुमार ने 24 गेंद में 39 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की । उन्होंने जोश हेजलवुड को 125 मीटर ऊंचा छक्का लगाया जो लंबे समय तक याद रहेगा ।

अभिषेक नायर बने नाइट राइडर्स के मुख्य कोच

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने बृहस्पतिवार को भारतीय टीम के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर को अपना नया मुख्य कोच नियुक्त किया।

इस तरह वह आईपीएल फ्रेंचाइजी में चंद्रकांत पंडित की जगह लेंगे जिन्होंने तीन सत्र तक यह जिम्मेदारी संभाली थी। नायर 2018 से केकेआर से जुड़े हुए हैं और उनके टीम प्रबंधन के अहम सदस्यों में से एक हैं। टीम चयन के मामले में ड्रेसिंग रूम में उनका काफी दबदबा रहा है। लगभग नौ महीने तक नायर भारतीय टीम में गौतम गंभीर के कोचिंग दल का हिस्सा थे लेकिन भारत के चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद उन्हें बिना किसी औपचारिकता के बर्खास्त कर दिया गया और सितांशु कोटक को उनकी जगह दी गई। केकेआर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वेंकी मैसूर ने कहा, ''अभिषेक 2018 से नाइट राइडर्स टीम का अहम हिस्सा रहे हैं।

उन्होंने मैदान के अंदर और बाहर हमारे खिलाड़ियों को तराशा है। खेल के प्रति उनकी समझ और खिलाड़ियों के साथ जुड़ाव हमारी प्रगति में अहम रहा है। हम उन्हें मुख्य कोच के रूप में कार्यभार संभालते हुए देखकर काफी उत्साहित हैं। ''

नायर निजी कोच के रूप में काफी मशहूर है : केकेआर के सहायक कोच के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान नायर ने युवा प्रतिभाओं के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

MANAPPURAM FINANCE LTD.
CIN: L65910KL1992PLC006623,
Registered Office : W - 4/ 638A, Manappuram House, P.O. Valapad, Thrissur - 680 567, Kerala, India

निलामी सूचना

विशेषकर गिरवीकर्ताओं और सामान्य रूप में जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अकाउंट्स में रखे गए सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी निम्नलिखित शाखाओं पर दिनांक 17/11/2025 को सुबह 10.00 बजे से किया जाएगा. हम ऐसे डिफॉल्टर ग्राहकों के सोने के आभूषणों की नीलामी करने जा रहे हैं जिन्होंने रजिस्टर्ड पत्र द्वारा सूचित किए जाने के बावजूद अपने लोन की रकम नहीं चुकाई है. जिन आयटम्स की नीलामी नहीं हो पाएगी, उनकी नीलामी किसी अन्य दिन बिना पुन: सूचना दिए की जाएगी. नीलामी के स्थान व तिथि (अगर कोई हो) में परिवर्तनों की कोई सूचना नीलामी केन्द्र या वेबसाइट पर लगाई जाएगी तथा इस बारे में कोई अन्य सूचना नहीं दी जाएगी.

गिरवियों की सूची :
बिलासपुर, सदर बाजार बिलासपुर, 129660700005997,

उपरोक्त नीलामी में भाग लेने के इच्छुक व्यक्तियों को निम्नलिखित का पालन करना होगा:– इच्छुक बोलीकर्ताओं को ईएमडी के रूप में रू.10,000/– नीलामी के दिन नकद जमा कराना होगा (असफल बोलीकर्ताओं को बाद में लौटा दिया जाएगा). बोलीकर्ता को वैध पहचना प्रमाण/पैन कार्ड साथ लेकर आना होगा. अधिक जानकारी के लिए कृपया 7076372064 पर संपर्क करें.

अधिकृत अधिकारी
मणप्पुरम फायनेंस लि. हेतु.

आधिपत्य सूचना

HDFC BANK

एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड
शाखा : अलास्का टॉवर, लोधीपारा रोड, शंकर नगर, रायपुर
Tel: 0771-4243149/240 CIN L65920MH1994PLC080618 Website: www.hdfcbank.com

जबकि एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी (पूर्ववर्ती एचडीएफसी लिमिटेड का दिनांक 17 मार्च 2023 के आदेश के तहत माननीय एनसीएलटी–मुंबई द्वारा अनुमोदित सम्मेलन की एक योजना के आधार पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ विलय हो गया है) (एचडीएफसी), प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण के तहत वित्तीय संपत्ति और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 ('उक्त अधिनियम') और सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए धारा 13(2) के तहत डिमांड नोटिस जारी किए गए। उक्त अधिनियम के तहत, निम्नलिखित उधारकर्ताओं/कानूनी उत्तराधिकारियों और कानूनी प्रतिनिधियों से आव्हान किया गया है कि वे अपने संबंधित नामों के सामने उल्लेखित राशि का भुगतान उक्त नोटिस में उल्लेखित लागू दरों पर ब्याज सहित करें। उक्त नोटिस/नोटिस की तारीख से 60 दिन, आकस्मिक खर्च, लागत, शुल्क आदि भुगतान और/या वसूली की तारीख तक।

क्रं.	ऋणी (ओं) के नाम / कानूनी वारिस (ओं) एवं कानूनी प्रतिनिधि (यों)	बकाया राशि*	मांग सूचना की दिनांक	आधिपत्य दिनांक	अचल संपत्ति (यों) का विवरण
01.	**श्री श्रीवास्तव केके,** खसरा नंबर 643/1/बीए/4, पुराना नंबर 643/1ba[भाग], प.ह.नं. 23/40, प्लॉट क्रमांक 433/7, मकान शीट क्रमांक 27, मौजा तिफरा, कॉलोनी भारतीय नगर, गायत्री नगर वार्ड, बिलासपुर–छ.ग. 495001. **श्री श्रीवास्तव के.के.** पिता एस.पी. श्रीवास्तव, अयप्पा मंदिर के पास, भारतीय नगर, बिलासपुर छत्तीसगढ़, 495001. **श्री श्रीवास्तव केके,** मैसर्स कृष्ण कुमार श्रीवास्तव, एफ–1 प्रथम तल, नेताजी सुभाष चंद्र बोस कॉम, जरहाभाटा, बिलासपुर– छ.ग.– 495001. **श्रीमती श्रीवास्तव जया** पति के.के. श्रीवास्तव, वार्ड नंबर 11, अयप्पा मंदिर भारतीय नगर, बिलासपुर जिला–छत्तीसगढ़, 495001. **श्रीमती श्रीवास्तव जया,** खसरा नंबर 643/1/बीए/4, पुराना नंबर 643/1ba[भाग], प.ह.नं. 23/40, प्लॉट क्रमांक 433/7, मकान शीट क्रमांक 27, मौजा तिफरा, कॉलोनी भारतीय नगर, गायत्री नगर वार्ड, बिलासपुर–छ.ग. 495001..	₹ 34,96,107/- दिनांक 30 जून 25* तक	23-जुलाई-25*	28-अक्टू.-2025 (सांकेतिक कब्जा)	सभी भाग एवं आंशिक भाग की परिवर्तित रिहायशी मकान, खसरा नंबर 643/1 एवं 643/4, पुराना नंबर 643/1भाग, प.ह.नं. 23/40, प्लॉट नंबर 433/7, हाउस शीट नंबर 27, वार्ड 11, भारतीय नगर कॉलोनी, गायत्री नगर वार्ड, मौजा तिफरा, आरआईसी–सिरगिट्टी, विकासखंड–बिल्हा तह. एवं जिला–बिलासपुर छ.ग.
02.	**श्री राठौड़ मुकेश कुमार,** खसरा नंबर 54/16(भाग), नया ख.नं. 54/567, प.ह.नं. 20, प्लॉट नंबर 2/1(भाग), नया नंबर 2/3, हाउस शीट नंबर 12, मौजा लिंगियाडीह, ब्लॉक – बिल्हा, बिलासपुर छ.ग. 495006. **श्री राठौड़ मुकेश कुमार,** फ्लैट नंबर 101 एफ, मधु विश्व, बावधन, शिव सेना कार्यालय के पास, पुणे बावधन – महाराष्ट्र, 411021. **श्री राठौड़ मुकेश कुमार,** सीमेंस इंडस्ट्री सॉफ्टवेयर (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, पुणे बैनर हाई स्ट्रीट पुणे–महाराष्ट्र 411045. **श्रीमती राठौड़ कालिन्द्री बाई,** वार्ड क्रमांक 14, नूतन कॉलोनी, जांजगीर–चांपा, छत्तीसगढ़ 495668.	₹ 65,88,218/- दिनांक 30 जून 25* तक	23-जुलाई-25*	28-अक्टू.-2025 (सांकेतिक कब्जा)	समस्त भाग एवं आंशिक भाग की परिवर्तित भूमि, खसरा नं. 54/16 (भाग), नया ख.नं. 54/567, प.ह.नं. 20, प्लॉट नंबर 2/1 (भाग), नया नंबर 2/3, हाउस शीट नंबर 12, मौजा लिंगियाडीह, विकासखंड–बिल्हा, तह. और जिला– बिलासपुर, छ.ग.
03.	**श्री टंडन नरेश कुमार,** फ्लैट–एलआईजी–220, फ्लोर–ग्राउंड, पं. दीन दयाल आवास योजना, स.क्र., हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, जुनवानी, भिलाई दुर्ग छत्तीसगढ़ 490023. **श्री टंडन नरेश कुमार,** मकान नंबर 100, वार्ड नंबर 07, ठेलकाडीह, महरूमकला, राजनांदगांव – छत्तीसगढ़, 491444. **श्री टंडन नरेश कुमार,** जेके लक्ष्मी सीमेंट लिमिटेड, ग्राम मालपुरी खुर्द, अहिवारा, धमधा – दुर्ग छत्तीसगढ़ 490036. **श्रीमती टंडन फगनीबाई** मकरूदास, मकान नंबर 100, वार्ड नंबर 07, ठेलकाडीह, महरूमकला राजनांदगांव–छ.ग., 491444 **श्रीमती टंडन फगनीबाई मकरूदास,** फ्लैट–एलआईजी–220, फ्लोर–ग्राउंड, पं. दीन दयाल आवास योजना, स.क्र., हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, जुनवानी, भिलाई दुर्ग छत्तीसगढ़ 490023.	₹ 7,14,844/- दिनांक 30 जून 25* तक	23-जुलाई-25*	27-अक्टू.-2025 (सांकेतिक कब्जा)	समस्त भाग एवं आंशिक भाग का रिहायशी फ्लैट–एलआईजी–220, फ्लोर–ग्राउंड, पं. दीन दयाल उपाध्याय आवास योजना, स.क्र., ख.नं. 201/3, छ.ग.हाउसिंग बोर्ड, वार्ड नं. 01 जुनवानी वार्ड, भिलाई, छ.ग.
04.	**श्री डोरा श्रीकांत रोकम,** खसरा नंबर 303/11(भाग), प.ह.नं. 2, मौजा चरोदा, मकान 303/11 (भाग), वार्ड नंबर 20, पंचशील नगर, दुर्ग, छ.ग. 493449. **श्री डोरा श्रीकांत रोकम** 558, पंचशील नगर पूर्व, पोस्ट बीएमवाई चरोदा, वार्ड 20, दुर्ग छत्तीसगढ़, 493449. **श्री डोरा श्रीकांत रोकम** धनकुन स्टील्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नंबर 78, फेस II, सिलतरा, रायपुर छ.ग. 492001.	₹ 19,88,507/- दिनांक 30 जून 25* तक	23-जुलाई-25*	27-अक्टू.-2025 (सांकेतिक कब्जा)	समस्त भाग एवं आंशिक भाग की भूमि जिसका खसरा नंबर 303/11((भाग), प.ह.नं. 2, मौजा चरोदा, मकान 303/11(भाग), वार्ड नंबर 20, पंचशील नगर, आरआईसी–भिलाई, तह.–पाटन, दुर्ग छ.ग.
05.	**श्री साहू रेवतीरमण** यूनिट–358, सिमरन सिटी, फेज़ 5, स.क्र., ख.नं. 236/1-2, 237/1, 238/1 से 6, 232/7-8-9-23-58, 235/4, 325/2-17-21-61-75, प.ह.नं 105, ग्राम: मठपुरेना, रायपुर, छत्तीसगढ़ 492001. **श्री साहू रेवतीरमण** नगरदा, बलौदा बाजार, छत्तीसगढ़ 493338। **श्री साहू रेवतीरामन,** डायवर्स लिंक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ए 4 एवं 5, सेक्टर 16, लॉजिक्स पार्क, नोएडा 201301.	₹ 20,65,358/- दिनांक 30 सितंबर 24* तक	05-नवंबर-2024*	27-अक्टू.-2025 (सांकेतिक कब्जा)	समस्त भाग एवं आंशिक भाग की परिवर्तिति भूमि, उस पर निर्माण सहित – प्लॉट संख्या 358, 500 वर्ग फीट क्षेत्रफल निर्माण–878 वर्ग फीट,डुप्लेक्स हाउस, खसरा नं. 325/632, मठपुरैना में स्थित सिमरन सिटी, आवासीय कॉलोनी, फेज–05, वार्ड सं. 52, चंद्रशेखर आजाद वार्ड, प.ह.नं. 105, आरआईसी–रायपुर–1, तह. एवं जिला– रायपुर, छत्तीसगढ़ चौहद्दीः–उत्तर में–प्लाट 343, दक्षिण में–रोड, पूर्व में–प्लाट 359, पश्चिम में–प्लाट 357 से घिरा हुआ है।
06.	**श्री अवस्थी विक्रमादित्य** पिता स्व. श्री सुदीप अवस्थी, मकान नंबर–C/27, सेक्टर–01, बिंद्रावनगढ़, शंकर नगर, रायपुर, छत्तीसगढ़, 492001. **श्री अवस्थी विक्रमादित्य** मै. विनायक प्रिंटिंग एंड कंसल्टेशन, C/27, शंकर नगर, सेक्टर–1, रायपुर छत्तीसगढ़ – 492001. **श्री अवस्थी शिवादित्य,** C/27, सेक्टर 1, शंकर नगर, रायपुर छत्तीसगढ़, पिन – 492001 – भारत।	₹ 12,50,233/- दिनांक 30 जून 25* तक	23-जुलाई-2025*	27-अक्टू.-2025 (भौतिक कब्जा)	समस्त भाग एवं आंशिक भाग की परिवर्तित भूमि, यूनिट–30–फेज–1–सेक्टर–2, श्री राधे कृष्ण नगर, फेज 1, स.क्र., प.ह.नं. 03, नया खसरा का कुछ भाग– 15000/1, ग्राम–छछानपेरी, आरआईसी एवं तह.– अभनपुर, रायपुर छ.ग.
07.	**श्री अवस्थी विक्रमादित्य** पिता स्व. श्री सुदीप अवस्थी, मकान नंबर–सी/27, सेक्टर–01, बिंद्रावनगढ़, शंकर नगर, रायपुर, छत्तीसगढ़, 492001. **श्री अवस्थी विक्रमादित्य** मै. विनायक प्रिंटिंग एंड कंसल्टेशन, सी–27, शंकर नगर, सेक्टर–1, रायपुर, छ.ग– 492001. **श्री अवस्थी शिवादित्य,** सी27, सेक्टर 1, शंकर नगर, रायपुर छत्तीसगढ़, पिन – 492001 – भारत।	₹ 14,92,245/- दिनांक 30 जून 25* तक	23-जुलाई-2025*	27-अक्टू.-2025 (भौतिक कब्जा)	समस्त भाग एवं आंशिक भाग की परिवर्तित भूमि, यूनिट–प्लॉट–3, फेज–1, सेक्टर–1, श्री राधे कृष्ण नगर, फेज 1, स.क्र., खसरा – 15000/1 का भाग, ग्राम–छछानपेरी आरआईसी एवं तह.–अभनपुर, रायपुर छ.ग.
08.	**श्रीमती दुबे शिल्पा** 129/बी, दिनदयाल आवास, गातापार, रायपुर, छत्तीसगढ़, 493661 **श्रीमती दुबे शिल्पा** मै. बलौदा बाजार इमेजिंग एवं डायग्नोस्टिक सेंटर, शनि मंदिर के पास, गौरव पथ दशहरा मैदान, बलौदा बाजार छत्तीसगढ़ 493332. **श्री दुबे संकेत** 129/बी, दिनदयाल आवास, गातापार, रायपुर छत्तीसगढ़, 493661. **श्री दुबे संकेत** मै. संकेत दुबे, 129/बी, दिनदयाल आवास, गातापार, रायपुर, छत्तीसगढ़, 493661.	₹ 6,87,445/- दिनांक 30 जून 25* तक	23-जुलाई-2025*	27-अक्टू.-2025 (भौतिक कब्जा)	समस्त भाग एवं आंशिक भाग युक्त मकान, यूनिट नं.–106, अटल आवास योजना, क्र.सं., ख.नं. 523/2 भाग, प.ह.नं.–27, ग्राम–बेलभाटा, आरआईसी एवं तहसील–अभनपुर, रायपुर छ.ग.
09.	**श्रीमती खुटे लक्ष्मी,** खसरा नया नंबर 321/19, पुराना नंबर 321/17(भाग), मकान प.ह.नं. 44/49, मौजा जंजगिरी, अहिरवारा, तहसील दमधा, दुर्ग, छत्तीसगढ़ 490042. **श्रीमती खुटे लक्ष्मी,** मकान नं. 1124/गा, भाठापारा, भगत सिंह नगर, वार्ड 24, जांजगिरि, दुर्ग – धमधा, छत्तीसगढ़, 491001. **श्रीमती खुटे लक्ष्मी,** विधि विभाग कार्यालय, प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, दुर्ग, छत्तीसगढ़ 491001. **एम. हेमलता** पुत्री श्रीमती खिचरिया लक्ष्मी बाई (मृतक पश्चात्) अन्य ज्ञात एवं अज्ञात कानूनी उत्तराधिकारी, कानूनी प्रतिनिधि, नियोक्ता एवं श्रीमती खिचरिया लक्ष्मी बाई (मृतक पश्चात्) उत्तराधिकारी, खसरा नया नंबर 321/19, पुराना नंबर 321/17 (भाग), मकान प.ह.नंबर 44/49, मौजा जांजगिरी, अहिरवाड़ा, तहसील दमधा, दुर्ग, छत्तीसगढ़ 490042. **एम हेमलता** पुत्री श्रीमती खिचरिया लक्ष्मी बाई (मृतक पश्चात्) अन्य ज्ञात एवं अज्ञात कानूनी उत्तराधिकारी, कानूनी प्रतिनिधि, नियोक्ता एवं श्रीमती खिचरिया लक्ष्मी बाई (मृतक पश्चात्) उत्तराधिकारी, मकान नंबर 1124/गा, भाठापारा, भगत सिंह नगर, वार्ड 24, जांजगिरि, दुर्ग – धमधा, छत्तीसगढ़, 491001. **दीपिका** पुत्री श्रीमती खिचरिया लक्ष्मी बाई (मृतक पश्चात्) अन्य ज्ञात एवं अज्ञात कानूनी उत्तराधिकारी, कानूनी प्रतिनिधि, उत्तराधिकारी एवं श्रीमती खिचरिया लक्ष्मी बाई के उत्तराधिकारी (मृतक पश्चात्) खसरा नया नंबर 321/19, पुराना नंबर 321/17 (भाग), घर प.ह.नं. 44/49, मौजा जंजगिरी, अहिरवारा, तहसील दमधा, दुर्ग छत्तीसगढ़ 490042. **दीपिका** पुत्री श्रीमती खिचरिया लक्ष्मी बाई (मृतक पश्चात्) अन्य ज्ञात एवं अज्ञात कानूनी उत्तराधिकारी, कानूनी प्रतिनिधि, नियोक्ता एवं श्रीमती खिचरिया लक्ष्मी बाई के उत्तराधिकारी एवं नियोक्ता (मृतक पश्चात्) मकान नं. 1124/गा, भाठापारा, भगत सिंह नगर, वार्ड 24, जांजगिरि, दुर्ग – धमधा, छत्तीसगढ़, 491001. **नमिता** पुत्री श्रीमती खिचरिया लक्ष्मी बाई (मृतक पश्चात्) अन्य ज्ञात एवं अज्ञात कानूनी उत्तराधिकारी, कानूनी प्रतिनिधि, नियोक्ता एवं श्रीमती खिचरिया लक्ष्मी बाई (मृतक पश्चात्) उत्तराधिकारी, खसरा नया नंबर 321/19, पुराना नंबर 321/17 (भाग), मकान प.ह.नंबर 44/49, मौजा जांजगिरी, अहिरवाड़ा, तहसील दमधा, दुर्ग छत्तीसगढ़ 490042. **नमिता** पुत्री श्रीमती खिचरिया लक्ष्मी बाई (मृतक पश्चात्) अन्य ज्ञात एवं अज्ञात कानूनी उत्तराधिकारी, कानूनी प्रतिनिधि, नियोक्ता एवं श्रीमती खिचरिया लक्ष्मी बाई (मृतक पश्चात्) उत्तराधिकारी, मकान नंबर 1124/गा, भाठापारा, भगत सिंह नगर, वार्ड 24 जांजगिरी, दुर्ग – धमधा, छत्तीसगढ़, 491001. **तेजस्वी** पुत्री श्री लीलाधर (मृतक पश्चात्) कानूनी संरक्षक (माता) श्रीमती लक्ष्मी खुटे एवं अन्य ज्ञात एवं अज्ञात कानूनी उत्तराधिकारी, कानूनी प्रतिनिधि, नियोक्ता एवं श्री लीलाधर (मृतक पश्चात्) उत्तराधिकारी, मकान संख्या 1124/जीए, भाठापारा, भगत सिंह नगर, वार्ड 24, जांजगिरि, दुर्ग – धमधा, छत्तीसगढ़, 491001. **तेजस्वी** श्री लीलाधर की बेटी (मृतक पश्चात्) कानूनी संरक्षक (मां) श्रीमती लक्ष्मी खुटे और अन्य ज्ञात एवं अज्ञात कानूनी उत्तराधिकारी, कानूनी प्रतिनिधि, नियोक्ता एवं श्री लीलाधर के उत्तराधिकारी (मृतक पश्चात्) पुराना नंबर 321/17(भाग), घर प.ह.नं. 44/49, मौजा जंजगिरी, अहिरवाड़ा, तहसील दमधा, दुर्ग छत्तीसगढ़ 490042. **भूमिजा** पुत्री श्री लीलाधर (मृतक पश्चात्) कानूनी संरक्षक (माता) श्रीमती लक्ष्मी खुटे एवं अन्य ज्ञात एवं अज्ञात कानूनी उत्तराधिकारी, कानूनी प्रतिनिधि, श्री लीलाधर (मृतक पश्चात्) उत्तराधिकारी और नियोक्ता। मकान संख्या 1124/गा, भाठापारा, भगत सिंह नगर, वार्ड 24, जंजगिरी, दुर्ग – धमधा, छत्तीसगढ़, 491001. **भूमिजा** पुत्री श्री लीलाधर मृतकें कानूनी संरक्षक (माता) श्रीमती लक्ष्मी खुटे एवं अन्य ज्ञात एवं अज्ञात कानूनी उत्तराधिकारी, कानूनी प्रतिनिधि, श्री लीलाधर (मृतक पश्चात्) उत्तराधिकारी एवं नियोक्ता। पुराना नंबर 321/17(भाग), मकान प.ह.नं. 44/49, मौजा जंजगिरी, अहिरवाड़ा, तहसील धमधा, दुर्ग छत्तीसगढ़ 490042.	₹ 15,96,099/- दिनांक 30 जून 25* तक	23-जुलाई-2025*	27-अक्टू.-2025 (सांकेतिक कब्जा)	समस्त भाग एवं आंशिक भाग की रिहायशी प्लॉट, प.ह.नं. 49, आरआईसी–अहिवारा, खसरा नं. 321/17 भाग, वार्ड 24, महात्मा गांधी वार्ड, ग्राम–जंजगिरि, तह.– धमधा, दुर्ग छ.ग.

*भुगतान और/या वसूली की तारीख तक लागू अतिरिक्त ब्याज, आकस्मिक व्यय, लागत, शुल्क आदि के साथ।

हालाँकि, चूँकि ऊपर उल्लेखित उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी और कानूनी प्रतिनिधि देय राशि चुकाने में विफल रहे हैं, इसलिए ऊपर उल्लेखित उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारियों और कानूनी प्रतिनिधियों को विशेष रूप से और सामान्य रूप से जनता को नोटिस दिया जाता है कि एचडीएफसी के प्राधिकृत अधिकारियों ने धारा 13(4) के तहत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ऊपर वर्णित अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति(यों) पर कब्ज़ा कर लिया है। उक्त अधिनियम ऊपर उल्लेखित तिथियों पर उक्त नियमों के नियम 8 के साथ पढ़ा जाता है।

विशेष रूप से ऊपर उल्लेखित उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी और कानूनी प्रतिनिधि और सामान्य रूप से जनता को आगाह किया जाता है कि वे उपरोक्त अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) के साथ लेनदेन न करें और उक्त अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) के साथ कोई भी लेनदेन एचडीएफसी के बंधक के अधीन होगा।

उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि का ध्यान सुरक्षित संपत्ति को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा 8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।

निकाले गए पंचनामा और बनाई गई सूची की प्रतियां अधोहस्ताक्षरी के पास उपलब्ध हैं और उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे सामान्य कार्यालय समय के दौरान किसी भी कार्य दिवस पर अधोहस्ताक्षरी से संबंधित प्रति प्राप्त करें।

स्थान–रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर
दिनांक : 31.10.2025

एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड के लिए वास्ते
प्राधिकृत अधिकारी

रजिस्टर्ड ऑफिस : एच.डी.एफ.सी. बैंक हाऊस, सेनापती बापत मार्ग, लोअर परेल (पश्चिम), मुम्बई–400013

एयर बैडमिंटन विश्व कप शारजाह में 11 दिसंबर से

नई दिल्ली। बीडब्ल्यूएफ एयर बैडमिंटन विश्व कप के पहले टूर्नामेंट का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात के शारजाह में 11 से 14 दिसंबर तक किया जाएगा जिसमें 12 देशों की टीम खिताब के लिए चुनौती पेश करेंगी। ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, अजरबेजान, हांगकांग, ब्राजील, इंडोनेशिया, बुल्गारिया, नाइजीरिया, चीन, यूएई, मिस्र और वेनेजुएल ने कड़ी क्वालीफिकेशन प्रक्रिया से गुजरने के बाद टूर्नामेंट में जगह बनाई है। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने विज्ञप्ति में कहा, ''तीन स्पर्धाओं- पुरुष ट्रिपल, महिला ट्रिपल और टीम रिले- में अधिकतम 96 खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे।''विज्ञप्ति के अनुसार, ''पुरुष एकल के पूर्व शीर्ष 10 खिलाड़ी वोंग विंग की विन्सेंट हांगकांग चीन की रिले टीम का हिस्सा होंगे।''एयर बैडमिंटन इस खेल का नया आउटडोर प्रारूप है जिसमें बैडमिंटन की वैश्विक पहुंच को बढ़ाने की बहुत ज़्यादा क्षमता है।

रहाणे स्पिन के बेहतरीन खिलाड़ी हैः कोटियन

बेंगलुरु। भारत ए के तनुश कोटियान ने कहा कि मुंबई के अनुभवी बल्लेबाजों जैसे अजिंक्य रहाणे को नेट्स पर गेंदबाजी करने से उनके ऑफ-स्पिन कौशल को निखारने में मदद मिली। रहाणे स्पिन के बेहतरीन खिलाड़ी हैं। कोटियान ने चार विकेट लिए जिससे भारत ए ने बृहस्पतिवार को पहले चार दिवसीय मैच के पहले दिन दक्षिण अफ्रीका ए का स्कोर नौ विकेट पर 299 रन कर दिया।

मैच के दौरान हुए थे घायल

श्रेयस ने कहा -प्रतिदिन हो रहा है स्वास्थ्य में सुधार

एजेंसी ▶▶| सिडनी

भारत के स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह प्रतिदिन बेहतर हो रहे हैं और चोट से उबरने की राह पर हैं। श्रेयस को आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान एलेक्स कैरी का कैच लपकते समय तिल्ली की चोट (स्प्लीनिक रप्चर) के साथ पसली में चोट लगी थी ।

उन्होंने चोट लगने के बाद पहली बार एक्स और अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट में लिखा ,'' मैं रिकवरी की राह पर हूं और प्रतिदिन स्वास्थ्य बेहतर हो रहा है ।'' उन्होंने लिखा ,'' इतनी शुभकामनाओं और समर्थन से मैं अभिभूत हूं । मुझे याद रखने के लिये धन्यवाद ।''श्रेयस मैच के दौरान फिजियो की मदद से मैदान से बाहर चले गए, लेकिन बाद में उनकी हालत बिगड़ गई, जिसके कारण उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। बाद में किए गए परीक्षणों से पता चला कि तिल्ली में चोट लगने के कारण आंतरिक रक्तस्राव हुआ था, जिसके बाद उन्हें गहन निगरानी के लिए आईसीयू में भर्ती कराया गया।

पीसीबी ने 157 खिलाड़ियों से किए घरेलू करार

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बृहस्पतिवार को 2025 . 26 सत्र के लिये घरेलू क्रिकेटरों से करार की संख्या बढाकर 131 से 157 कर दी। पीसीबी ने चार वर्गों में करार किये हैं । बोर्ड ने 30 खिलाड़ियों को ए श्रेणी करार, 55 को बी श्रेणी, 51 को सी श्रेणी और 21 को डी श्रेणी के करार दिये हैं । बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा ,'' ये करार पिछले साल के प्रदर्शन को ध्यान में रखकर दिये गए हैं ।'' अधिकारी ने नये करार की रकम नहीं बताई लेकिन पिछले सत्र में पीसीबी ने ए श्रेणी के लिये 550000 पाकिस्तानी रूपये, बी के लिये चार लाख और सी के लिये ढाई लाख तय किये थे । इसके साथ ही अनुबंधित खिलाड़ियों को चार दिवसीय प्रथम श्रेणी मैच के लिये दो लाख पाकिस्तानी रूपये , लिस्ट ए मैच के लिये सवा लाख और टी20 मैच के लिये एक लाख पाकिस्तानी रूपये मैच फीस भी दी जा रही थी ।

पीकेएल के फाइनल में होगी दिल्ली और पुणेरी पल्टन

नई दिल्ली। दबंग दिल्ली और पुणेरी पल्टन प्रो कबड्डी लीग के 12वें सत्र के फाइनल में शुक्रवार को खिताब के लिये त्यागराज इंडोर स्टेडियम में आमने सामने होंगे । दोनों टीमें लीग चरण के बाद शीर्ष दो स्थानों पर रहकर फाइनल में पहुंची है।आठवें सत्र की चैम्पियन दबंग दिल्ली ने पहले क्वालीफायर में टाइब्रेकर में पुणेरी पल्टन को 6 . 4 से हराया था । कप्तान अंशु मलिक और कोच तथा पूर्व कप्तान जोगिंदर नरवाल की दिल्ली टीम ने पूरे सत्र में निर्णायक क्षणों में जबर्दस्त खेल का प्रदर्शन किया है । दूसरी ओर पुणेरी पल्टन ने दूसरे क्वालीफायर में तेलुगू टाइटंस को हराकर चार सत्रों में तीसरी बार फाइनल में जगह बनाई ।कोच अजय ठाकुर और कप्तान असलम ईनामदार की पुणेरी टीम लीग तालिका में शीर्ष पर रही थी ।

पीसीबी ने 157 खिलाड़ियों से किए घरेलू करार

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बृहस्पतिवार को 2025 . 26 सत्र के लिये घरेलू क्रिकेटरों से करार की संख्या बढाकर 131 से 157 कर दी। पीसीबी ने चार वर्गों में करार किये हैं । बोर्ड ने 30 खिलाड़ियों को ए श्रेणी करार, 55 को बी श्रेणी, 51 को सी श्रेणी और 21 को डी श्रेणी के करार दिये हैं । बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा ,'' ये करार पिछले साल के प्रदर्शन को ध्यान में रखकर दिये गए हैं ।''

11 साल की पूजा बनी मुनकी की मां, चार महीने तक पाला हिरण का बच्चा

जयपुर। जैसलमेर जिले के लाठी क्षेत्र के सनावड़ा गांव में 11 साल की बच्ची पूजा ने ऐसा काम किया है, जिसने पूरे क्षेत्र को भावुक कर दिया। पूजा ने चार महीने पहले एक बेसहारा हिरण के बच्चे को गोद लिया, उसे अपने हाथों से पाला और उसकी देखभाल उसी स्नेह से की जैसे कोई मां अपने बच्चे की करती है। उस मासूम हिरण का नाम उसने प्यार से 'मुनकी' रखा।

दर्द से शुरू हुई ममता की यह कहानी

यह कहानी जून महीने की एक दोपहर की है, जब गांव के पास के खेतों में कुछ आवारा कुत्तों ने एक मादा हिरण पर हमला कर दिया। जब ग्रामीण मौके पर पहुंचे, तब तक हिरण की मौत हो चुकी थी। पास में एक छोटा-सा हिरण का बच्चा छिपा हुआ मिला, जो भयभीत और बेसहारा था। उसी समय पूजा अपने पिता भगवान सिंह के साथ वहीं मौजूद थी। उसने अपने पिता से कहा कि पापा, इसे घर ले चलते हैं, नहीं तो यह भी मर जाएगी। बेटी की संवेदना देखकर पिता का दिल पिघल गया और वे हिरण के बच्चे को घर ले आए। इसी पल से शुरू हुई इंसान और वन्यजीव के बीच की एक अनोखी और भावनात्मक कहानी।

मुनकी को बना लिया परिवार का हिस्सा

घर लाने के बाद पूजा ने मुनकी को गाय और बकरी का दूध पिलाना शुरू किया। वह हर सुबह सबसे पहले मुनकी की देखभाल करती, उसे नहलाती, खिलाती और गोद में सुलाती थी। पूजा और मुनकी के बीच ऐसा गहरा रिश्ता बन गया कि अगर पूजा कुछ देर के लिए दूर चली जाती, तो मुनकी बेचैन हो जाती और खाना नहीं खाती। परिवार के लोगों का कहना है कि मुनकी ने पूजा को अपनी मां मान लिया था।

विदाई के वक्त छलक उठे आंसू

चार महीने तक पूजा ने मुनकी की देखभाल की। जब वह मजबूत और स्वतंत्र हो गई, तो वन विभाग ने उसे जंगल में लौटाने का निर्णय लिया। वनपाल कमलेश कुमार और वन्यजीव प्रेमी धर्मेंद्र पूनिया टीम के साथ गांव पहुंचे और पूजा को समझाया कि अब मुनकी को अपने असली घर यानी जंगल में रहना चाहिए। जब हिरण को ले जाने का समय आया, तो पूजा ने उसे गले लगाकर विदा किया और उसकी आंखों से आंसू बह निकले। पूरा गांव इस भावनात्मक दृश्य को देखकर भावुक हो उठा। पूजा ने कहा कि अब वो बड़ी हो गई है, अपने घर लौट गई है, लेकिन वो हमेशा मेरे दिल में रहेगी।

पूजा का वन अधिकारी बनने का सपना

वनपाल कमलेश कुमार ने इस घटना को वन्यजीव संरक्षण की मिसाल बताया। उन्होंने कहा कि पूजा और मुनकी की कहानी यह साबित करती है कि ममता की कोई सीमा नहीं होती। वन्यजीव प्रेमी धर्मेंद्र पूनिया ने पूजा को सम्मानित किया और 500 रुपये का प्रोत्साहन पुरस्कार दिया। अब पूजा का सपना है कि वह बड़ी होकर वन अधिकारी बने। वह कहती है कि मुनकी अब जंगल में खुश है। मैं बड़ी होकर उन सबकी रक्षा करूंगी जो बोल नहीं सकते।

महासागर में टिक-टिक करता 'टाइम बम'! फटा तो बदल देगा दुनिया का मौसम

लंदन। अंटार्कटिक महासागर इंसानों द्वारा फैलाई जा रही गर्मी और कार्बन को अपने अंदर स्टोर करके बैठा है। वैज्ञानिक चिंता जता रहे हैं कि कभी भी ये महासागर इंसानी डकार की तरह सारी गर्मी उगल सकता है। ऐसे में क्लाइमेट रिकवरी शुरू होने के राहत की सांस जल्दी नहीं मिलेगी। महासागर धरती को बचाने में ढाल बनकर खड़े होते हैं, इनकी प्रक्रिया धीमी पर प्रभावशाली होती है। दक्षिणी महासागर की बात करे तो ये पिछले सौ सालों से धरती को हीरो की तरह बचा रहा है। लेकिन, अब वैज्ञानिक चिंता जता रहे हैं कि जैसे ज्यादा खाना खा लेने पर उल्टी या डकार आती है और गैस निकल जाती है, जिससे पेट को आराम मिल जाता है। ठीक वैसे ही कार्बन और गर्मी से समंदर का पेट आग का गोला बन चुका है और अब इस बात का डर है कि समंदर डकार लेकर ये सारी गर्मी एक झटके में ना छोड़ दे। ऐसा हुआ तो आने वाले 100 सालों तक इसका प्रभाव रहेगा।

समुद्र में गर्मी नीचे की और जा रही है।

धरती पर मौसम और हवा के साथ-साथ वातावरण को बदलने में ज्यादा देर नहीं लगती है। जैसे आज तेज धूप पड़ रही है पसीने आ रहे हैं तो जरूरी नहीं की कल भी गर्मी ही होगी। ऐसा भी हो सकता है कि कल को आपको रजाई लेनी पड़ जाए। लेकिन, समुद्र के नीचे की दुनिया बिल्कुल अलग है, वहां इतनी जल्दी कुछ नहीं होता है। समंदर की दुनिया बहुत बड़ी, लेकिन धीमी होती है। इसमें बदलाव बड़े होते हैं जो देर से होते हैं और देर तक रहते हैं। समुद्र में गर्मी नीचे की और जा रही है। खासतौर से दक्षिणी सागर की बात करें तो यहां की धाराएं बदल चुकी हैं। पहले से ठंडी हवाएं ऊपर की ओर आती थी, लेकिन हम गर्मी नीचे की तरफ जा रही है और समंदर के नीचे लगातार एक बड़ा गर्मी का गुबार बन रहा है जो कि चिंता का विषय है।

ग्लोबल साउथ

मॉडल के हिसाब से ये बीयूआरपी पूरी विश्व पर बराबर असर नहीं करेगा, लेकिन अपने आस-पास के क्षेत्र को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। ये मुख्यत दक्षिणी गोलार्ध पर ज्यादा प्रभावी होगा। यहां के ज्यादातर क्षेत्रों में पहले से ही सूखा, तूफान और खाने का संकट मंडराया हुआ है। ऐसे में यदि इस इलाके में तापमान बढ़ता है तो इसके परिणाम घातक हो सकते हैं। इस क्लाइमेट की जंग में ग्लोबल साउथ सबसे आगे खड़ा है और सबसे ज्यादा प्रभाव भी इसी इलाके पर पड़ने वाला है।

क्लाइमेट चेंज

क्लाइमेट को लेकर दुनिया यही सोचती है कि इंसान जितना कम कार्बन फैलाएगा, धरती उतनी ही ठंडी रहेगी। लेकिन, इस सोच और इसके परिणामों के बीच महासागर खड़े हैं। यही कारण है कि प्लान देर से असर दिखाएंगे। आज के कदम दशकों बाद नजर आने शुरू होंगे। ये सिर्फ एक टार्गेट नहीं बल्कि लंबी प्रक्रिया है।

कार्बन

इंसान गर्मी पैदा कर रहे हैं और महासागर अपने अंदर उस गर्मी को लॉक कर रहा है। दरअसल, जर्मनी के साइंटिस्ट्स ने एक मॉडल बनाया। इस मॉडल में समुद्र की गहराई, समुद्र की बर्फ, बारिश, हवा की गर्मी और नमी के साथ पेड़ों की भूमिका को भी दर्शाया गया है। इस मॉडल के जरीये सोचा गया है या कल्पना की गई है कि यदि मानव लगभग आगे के 70 साल और प्रदूषण फैलाता रहेगा और कार्बन दोगुना हो जाएगा तो एक दिन पूरी दुनिया जाग जाएगी जब अचानक से फॉलिस फ्यूल में भारी कमी आ जाएगी। इसके अलावा तापमान धीरे धीरे कम होने लगेगा।

समंदर लेगा डकार

जर्मनी के साइंटिस्ट्स ने जिस मॉडल को बनाया है , इस मॉडल के हिसाब से जब समंदर डकार लेकर सारी गर्म बाहर निकाल देगा तो धरती पर तेजी से तापमान बढ़ जाएगा। इसका असर औद्योगिक काल जितना खतरनाक भी हो सकता है, इतना ही नहीं इस गर्मी का असर 100 साल से भी ज्यादा रह सकता है।

क्या चींटियां बना सकती हैं दही? वैज्ञानिकों ने खोला राज

कोपेनहेगन। हम भारतीयों को दूध से दही जमाने की कला किसी से सीखने की जरूरत नहीं। घर में अगर थोड़ा दही बच जाए, तो अगली सुबह वही नए दही के लिए जामन बन जाता है। लेकिन, क्या आप जानते हैं, सिर्फ भारत ही नहीं, दुनिया के कई हिस्सों में दही तैयार करने के अपने-अपने अनोखे पारंपरिक तरीके हैं? कहीं मिट्टी के बर्तन का इस्तेमाल होता है, तो कहीं नीम की पत्ती या मिर्च डालकर दूध जमाया जाता है। पर आज हम जिस तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं, उसे सुनकर आप सचमुच हैरान रह जाएंगे। क्योंकि, इसमें दूध को दही बनाने के लिए किया जाता है चींटियों का इस्तेमाल! क्या आपने कभी सोचा है कि सिर्फ चार चींटियां डालकर दूध को दही में बदला जा सकता है? सुनने में अजीब जरूर लग रह होगा, लेकिन यह सच है! हाल ही में डेनमार्क की कोपेनहेगन यूनिवर्सिटी और टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ डेनमार्क के शोधकर्ताओं ने इस अनोखी परंपरा की सच्चाई सामने रखी है।

वैज्ञानिकों ने बताया कि यह प्रक्रिया कैसे काम करती है

चींटियों के शरीर में लैक्टिक एसिड और एसिटिक एसिड बैक्टीरिया पाए जाते हैं। यही बैक्टीरिया दूध को फाड़ने और जमाने का काम करते हैं। यह वही प्रकार के सूक्ष्म जीव हैं जो बाजार में बिकने वाले बेड में भी मिलते हैं। इसके अलावा, चींटियों के शरीर में नेचुरल एसिडिक तत्व होते हैं, जो दूध का पीएस कम करते हैं, जिससे दही बनाने के लिए सही माहौल बनता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, ताजी और जीवित चींटियों से सबसे अच्छे नतीजे मिले। वहीं, फ्रोजन या सूखी चींटियों से दूध नहीं जम पाया।

यह प्रयोग घर पर करने की कोशिश न करें!

वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि चींटियां पैरासाइट या हानिकारक बैक्टीरिया भी ला सकती हैं। इसलिए, इसे घर पर न आजमाएं। इस दिलचस्प खोज से प्रेरित होकर, डेनमार्क के मशहूर रेस्तरां के शेफ्स ने भी चींटी दही से कई नई डिशें तैयार कीं जैसे एक खास कॉकटेल और एंट-विच नाम की योगर्ट आइसक्रीम सैंडविच।

इतिहास के सबसे बड़े अनसुलझे रहस्यों में से एक है बगदाद बैटरी

बगदाद। बगदाद बैटरी जिसे पार्थियन बैटरी भी कहा जाता है, इतिहास के सबसे बड़े अनसुलझे रहस्यों में से एक है। यही वह रहस्य है जिसने जब वैज्ञानिकों के सामने आया, तो उनके चेहरों का रंग उड़ गया था, क्योंकि यह आधुनिक विज्ञान और इतिहास की समझ को चुनौती देता है।

बगदाद बैटरी क्या है : यह एक प्राचीन कलाकृति है जो तीन मुख्य भागों से मिलकर बनी है, जिसमें एक टेराकोटा (मिट्टी का) बर्तनः लगभग 130 मिमी (5 इंच) लंबा, एक तांबे की ट्यूब जो बर्तन के अंदर रखी गई थी और एक लोहे की छड़ शामिल थी जो तांबे की ट्यूब के अंदर लटकी हुई थी। इन भागों को एक साथ अलग रखने के लिए ऊपर की ओर बिटुमेन का इस्तेमाल किया गया था। यह कलाकृति 1936 में इराक के खुजुत रबू में मिली थी और माना जाता है कि यह पार्थियन (लगभग 150 ईसा पूर्व से 223 ईस्वी) या सासैनियन (224-650 ईस्वी) काल की है।

वैज्ञानिकों को चौंका दिया

जिस बात ने वैज्ञानिकों और इतिहासकारों को सबसे ज्यादा चौंकाया, वह थी जर्मन पुरातत्वविद् विल्हेम कोनिग की 1938 की परिकल्पना। कोनिग ने अनुमान लगाया कि यह कलाकृति एक गैल्वेनिक सेल या एक प्राचीन बैटरी थी।

इसका संभावित इस्तेमाल क्या था?

इलेक्ट्रोप्लेटिंगः सबसे व्यापक रूप से स्वीकृत सिद्धांत यह है कि इसका उपयोग चांदी की वस्तुओं पर सोने की पतली परत चढ़ाने (इलेक्ट्रोप्लेटिंग) के लिए किया जाता था।

इलेक्ट्रोथेरेपीः कुछ सिद्धांतों का मानना है कि इसका उपयोग दर्द निवारण या चिकित्सा के किसी रूप (इलेक्ट्रोथेरेपी) के लिए किया जाता होगा।

भारत की इस गांव में पैदा लेना चाहेगी हर लड़की, होती है दूल्हे की विदाई!

नई दिल्ली। भारत जैसे पुरुष प्रधान देश में, जहां बेटा जायदाद का हकदार माना जाता है और शादी में दुल्हन की विदाई का रिवाज है, मेघालय का खासी समुदाय एक अनोखा उदाहरण पेश करता है। यहां 'उल्टी गंगा' बहती है। वंश मां से चलता है, संपत्ति बेटियों को मिलती है और शादी के बाद दूल्हा ही ससुराल चला जाता है। यह मैट्रिलाइनियल सिस्टम, जो खासी, गारो और जैनतिया ट्राइब्स में प्रचलित है, महिलाओं को केंद्र में रखता है। यह सिस्टम लिंग समानता का वैश्विक मॉडल है, जहां महिलाएं फैसले लेती हैं और पुरुष सहयोगी होते हैं। खासी ट्राइब, जो मेघालय की 48% आबादी है, का इतिहास 5000 साल पुराना माना जाता है। यहां वंशावली मां से तय होती है। बच्चों का सरनेम मां का होता है। वहीं संपत्ति का हस्तांतरण सबसे छोटी बेटी 'का खदूह' को होता है जो परिवार की 'कीस्टोडियन' बनती है। अगर कोई बेटी ना हो, तो भतीजी को मिलती हो. पुरुषों को 'उ हेडार' कहा जाता है। वे संपत्ति के मालिक नहीं, सिर्फ संरक्षक होते हैं। शादी के बाद दूल्हा पत्नी के घर जाता है, अपनी मां का घर छोड़ कर. यह 'दूल्हे की विदाई' रिवाज समाज को मजबूत बनाता है।

चलता है महिलाओं का राज

महिलाओं का राज यहां साफ दिखता है। परिवार के बड़े फैसले—जैसे शादी, संपत्ति बंटवारा आदि महिलाएं लेती हैं। लेकिन, पुरुषों की भूमिका नगण्य नहीं है। मामा (कनी) का रोल महत्वपूर्ण होता है। वह मांजों का संरक्षक, शिक्षा-करियर का मार्गदर्शक होता है। एक अध्ययन के मुताबिक, खासी समाज में मामा-पुत्री का बंधन पितृसत्ता के पिता-पुत्र जैसा मजबूत है।

शादी के अनोखे रिवाज

इस ट्राइब में शादी के रीति-रिवाज अनोखे है। यहां क्लैन एक्सोगेमस यानी मां के गोत्र में विवाह वर्जित है। अगर ऐसा किया गया तो सामाजिक बहिष्कार कर दिया जाता है। प्रेम विवाह प्रचलित है, लेकिन परिवार की सहमति जरूरी है। दहेज नहीं लिया जाता, बल्कि दुल्हन पक्ष उपहार देता है। 2025 में एक सर्वे में पाया गया कि खासी महिलाओं में तलाक दर कम है। क्योंकि, संपत्ति का हक उन्हें मजबूत बनाता है। मेघालय के तीन मैट्रिलाइनियल समुदाय—खासी (पूर्वी), गारो (पश्चिमी), जैनतिया (जैनतिया हिल्स) हैं जो इस सिस्टम को अपनाते हैं। गारो में 'महारी' यानी सबसे छोटी बेटी को संपत्ति मिलती है। जबकि जैनतिया में साझा विरासत होती है। लेकिन, खासी सबसे प्रमुख है। यह सिस्टम पूर्वजों से चला आ रहा है जहां प्रकृति पूजा और एनिमिज्म में महिलाओं को देवी माना जाता है। शिलांग जैसे शहरों में भी यह जीवित है। हालांकि, शहरीकरण से बदलाव आ रहे हैं।

अरुणाचल की तेनजिन यांगी ने रचा इतिहास बनीं राज्य की पहली आईपीएस ऑफिसर

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश की तवांग की रहने वाली तेनजिन यांगी ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने राज्य की पहली महिला आईपीएस ऑफिसर बनकर पूरे नॉर्थ-ईस्ट को गर्व करने का मौका दिया है। जाने माने उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने सोशल मीडिया पर उनकी तारीफ करते हुए उन्हें अपना 'मन्डे मोटिवेशन' बताया। महिंद्रा ने एक्स पर लिखा, 'एक एकेडेमिशियन, सिविल सर्वेंट और अब आईपीएस ऑफिसर... उन्होंने अपने माता-पिता की पब्लिक सर्विस की लेगेसी को आगे बढ़ाया है और अपनी अलग राह बनाई है। पहला होना कभी आसान नहीं होता। इसका मतलब है कि जब कोई नई राह बनाता है तो शुरुआत में उसे अकेले चलना पड़ता है। बाद में और लोग भी उसी रास्ते पर पर चलते हैं। तेनजिन यांगी ने 2022 की यूपीएससी सिविल सर्विस एग्जाम में ऑल इंडिया रैंक 545 हासिल की थी।

पब्लिक सर्विस से जुड़ा परिवार

तेनजिन का परिवार पब्लिक सर्विस से गहराई से जुड़ा रहा है। उनके पिता थुप्तेन टेम्पा आईएएस ऑफिसर और मंत्री रह चुके हैं, जबकि उनकी मां जिग्मी चोडेन अरुणाचल सरकार में सेक्रेटरी रह चुकी हैं। तेनजिन यांगी की यह उपलब्धि सिर्फ अरुणाचल ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर-पूर्व की महिलाओं के लिए प्रेरणा है, जो अब राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व की भूमिकाओं में अपनी मौजूदगी दर्ज करा रही हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com